सेना ने हटाया टीएमसी का प्रदर्शन मंच, ममता ने लगाया केंद्र पर सेना के दुरुपयोग का आरोप-12

यूपीआई लेन-देन की संख्या अगस्त माह में बीस अरब के पार-12

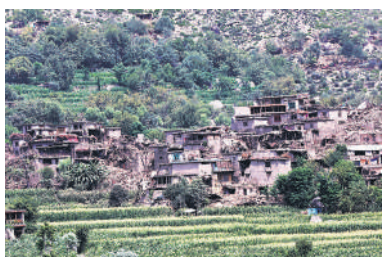

भारत ने अफगानिस्तान को भेजे एक हजार तंबू और 15 टन खाद्य सामग्री-13

महिला विश्व कप चैंपियन की पुरस्कार राशि में बंपर बढ़ोतरी-14

आज का मौसम

30.0° अधिकतम तापमान

25.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.48

सूर्यास्त 06.29

अमृत विचार

कानपुर

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

भाद्रपद शुक्ल पक्ष दशमी 03:53 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 2 सितंबर 2025, वर्ष 4, अंक 13, पृष्ठ 14 मूल्य 5 रुपये

न्यूज ब्रीफ

वाणिज्यिक एलपीजी 51.50 रुपये सस्ता

नई दिल्ली। विमान ईंधन के दाम में सोमवार को 1.4 प्रतिशत की कटौती की गई, जबकि वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर 51.50 रुपये सस्ते हो गए। तेल कंपनियों ने 19 किग्रा के वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत 51.50 रुपये कम किए हैं। राष्ट्रीय राजधानी में वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत अब 1,580 रुपये है। वाणिज्यिक एलपीजी की कीमतों में यह छठी कटौती है। अप्रैल से अब तक की गई कटौती में दाम प्रति सिलेंडर 223 रुपये घटे हैं।

संभल मस्जिद मामले में यथास्थिति बढ़ाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के संभल मस्जिद विवाद में यथास्थिति बनाए रखने के अपने आदेश की अवधि दो हफ्ते के लिए बढ़ा दी। न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने कहा कि इस मामले में जामा मस्जिद संभल की प्रबंध कमेटी ने दो अपील दायर की थीं। इसका नेतृत्व क्रमशः जामा मस्जिद के सचिव और उपाध्यक्ष ने किया। शीर्ष अदालत ने रजिस्ट्री को मामले की पड़ताल करने और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

स्पाइसजेट की उड़ान की इमरजेंसी लैंडिंग

मुंबई। पुणे से दिल्ली आ रहे स्पाइसजेट के एक विमान में बीच हवा में तकनीकी खराबी आ गई जिस वजह से इसे वापस लौटना पड़ा। वितान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। स्पाइसजेट के बोइंग 737 विमान को तकनीकी खराबी के कारण बीच रास्ते से पुणे हवाई अड्डे लौटना पड़ा। दिल्ली के लिए उड़ान भरने के एक घंटे बाद विमान को आपातकालीन स्थिति में वापस उतारा गया। उड़ान एसजी937 सुबह छह बजे पुणे से रवाना हुई थी।

चारधाम एवं हेमकुंड साहिब यात्रा 5 तक रद्द

देहरादून। उत्तराखंड में लगातार बारिश को देखते हुए सरकार ने चारधाम और हेमकुंड साहिब यात्रा पांच सितंबर तक स्थगित कर दी है। गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडेय ने सोमवार को बताया कि भारी बारिश से कई जगह भूस्खलन या मलबा आने से मार्ग बाधित हो रहे हैं, यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए चारधाम एवं हेमकुंड साहिब यात्रा को 5 सितम्बर तक स्थगित किए जाने का निर्णय लिया गया है।

सोने ने बनाया रिकॉर्ड, 1.05 लाख के पार, चांदी भी एक हजार बढ़कर शिखर पर

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत सोमवार को 1,000 रुपये बढ़कर 1,05,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। इस महीने अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में कटौती की उम्मीद और विदेशी बाजारों में मजबूत मांग के चलते सोने की कीमतों में तेजी आई। इसके साथ ही चांदी की कीमत भी 1,000 रुपये चढ़कर 1,26,000 रुपये प्रति किग्रा. के नए शिखर पर पहुंच गईं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना शनिवार को 1,000 रुपये बढ़कर 1,04,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था। स्थानीय बाजार में, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना सोमवार को 800 रुपये बढ़कर 1,04,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।

अफगानिस्तान में भूकंप से तबाही, 800 की मौत

- रिक्टर स्केल पर 6 मापी गई तीव्रता 2500 लोग घायल
- कुनार प्रांत में हताहतों की संख्या ज्यादा, कई गांव बर्बाद

काबुल, एजेंसी

पूर्वी अफगानिस्तान में आए शक्तिशाली भूकंप में लगभग 800 लोगों की मौत हो गई तथा 2,500 से अधिक लोग घायल हो गए। तालिबान सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि पड़ोसी नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर के समीप कुनार प्रांत के कई शहरों में रविवार देर रात आए 6.0 तीव्रता के भूकंप से बड़े पैमाने पर तबाही मची है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, रात 11:47 बजे आए भूकंप का केंद्र नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर से 27 किलोमीटर दूर पूर्व-उत्तरपूर्व में था। भूकंप का केंद्र जमीन से 8 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के बाद भी कई झटके महसूस किए गए।

पूर्वी अफगानिस्तान में भूकंप से तबाह हुआ एक घर। ● एजेंसी

तालिबान सरकार के प्रवक्ता ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने सोमवार को बताया कि मरने वालों की संख्या बढ़कर 800 हो गई है और 2,500 लोग घायल हुए हैं। ज्यादातर लोग कुनार प्रांत में हताहत हुए हैं। कुनार के सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक नर्गल जिले के एक निवासी ने बताया कि लगभग पूरा गांव खत्म हो गया है। बच्चे, बुजुर्ग और युवा मलबे के नीचे दबे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता शराफत ज़मान ने बताया कि बचाव कार्य जारी है और कुनार, नंगरहार और राजधानी काबुल से चिकित्सा दल क्षेत्र में पहुंच गए हैं। मृतकों व घायलों की संख्या बढ़ सकती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने दिया मदद का आश्वासन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अफगानिस्तान में रविवार रात आए विनाशकारी भूकंप में हुए जानमाल के नुकसान पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए भारत की तरफ से हरसंभव मानवीय सहायता प्रदान करने की पेशकश की है। मोदी ने एक्स पर सोमवार को कहा कि अफ़ग़ानिस्तान में आए भूकंप में हुई जान-माल की हानि से अत्यंत दु:खी हूं। इस कठिन घड़ी में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं।

2023 में भी आया था 6.3 तीव्रता का भूकंप

सात अक्टूबर 2023 को अफगानिस्तान में 6.3 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसके बाद तेज़ झटके भी महसूस किए गए थे। तालिबान सरकार ने इस भूकंप में कम से कम 4,000 लोगों के मारे जाने का अनुमान जताया था। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र ने मृतकों की संख्या लगभग 1,500 बताई थी। यह हाल के दिनों में अफ़ग़ानिस्तान में आई सबसे भीषण प्राकृतिक आपदा थी।

आतंकवाद पर दोहरा मापदंड अस्वीकार्य

एससीओ शिखर सम्मेलन में बोले प्रधानमंत्री मोदी, आतंकवाद सभी के लिए साझा चुनौती

तियानजिन, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में कहा कि पहलगाम में हुआ भयावह आतंकवादी हमला न केवल भारत की अंतरात्मा पर आघात है, बल्कि यह मानवता में विश्वास रखने वाले प्रत्येक राष्ट्र के लिए एक खुली चुनौती भी है। उन्होंने आतंकवाद से निपटने में दोहरे मापदंड त्यागने की जोरदार वकालत की। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और वैश्विक नेताओं की उपस्थिति में मोदी ने वार्षिक शंघाई सहयोग संगठन को संबोधित करते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई मानवता के प्रति हमारा कर्तव्य है।

पाकिस्तान और आतंकवाद का समर्थन करने वालों को स्पष्ट संदेश देते हुए मोदी ने कहा कि यह पूछना स्वाभाविक है कि क्या कुछ देशों द्वारा आतंकवाद को खुला समर्थन हमें कभी स्वीकार्य हो सकता है? उन्होंने कहा कि हमें स्पष्ट रूप से और एक स्वर में कहना होगा कि आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अस्वीकार्य हैं। हमें मिलकर, हर रूप और अभिव्यक्ति में आतंकवाद का विरोध करना चाहिए। यह मानवता के प्रति हमारा कर्तव्य है।

एससीओ की बैठक से पहले आपस में बातचीत करते रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग। ● एजेंसी

- मोदी ने सभी राष्ट्रों से आतंकवाद के हर रूप का मिलकर विरोध करने का किया आह्वान
- बोले-पहलगाम में आतंकवाद का बेहद घृणित रूप देखा। यह हमला भारत की अंतरात्मा पर आघात था

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत पिछले कई दशकों से आतंकवाद का दंश झेल रहा है। हाल में हमने पहलगाम में आतंकवाद का एक बेहद घृणित रूप देखा। यह हमला न केवल भारत की अंतरात्मा पर एक आघात था, बल्कि यह हर उस देश, हर उस व्यक्ति के लिए एक खुली चुनौती था जो मानवता में विश्वास रखता है। मोदी ने पहलगाम हमले के बाद भारत के साथ खड़े होने वाले मित्र देशों के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारत ने छह और सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसके तहत पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्रों में आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाया गया था। इस हमले के बाद चार दिनों तक दोनों देशों के बीच भीषण झड़पें हुईं, जो 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति के साथ समाप्त हुईं।

सुरक्षा, शांति और स्थिरता विकास की नींव

प्रधानमंत्री ने समूह के प्रति भारत के दृष्टिकोण और नीति पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए शंघाई सहयोग संगठन के संक्षिप्त नाम एससीओ का नया अर्थ प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि एससीओ के 'एस' का अर्थ है 'सिक्योरिटी' यानी सुरक्षा, 'सी' का अर्थ है 'कनेक्टिविटी' यानी संपर्क और 'ओ' का अर्थ है 'ऑपचुनिटी' यानी अवसर। उन्होंने कहा कि मैं इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि सुरक्षा, शांति और स्थिरता किसी भी राष्ट्र के विकास की नींव हैं। हालांकि, आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद इस राह में बड़ी चुनौतियां बने हुए हैं। मोदी ने कहा कि आतंकवाद न केवल व्यक्तिगत राष्ट्रों की सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक साझा चुनौती है।

एससीओ ने की पहलगाम हमले की निंदा

तियानजिन। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) ने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए भारत के इस रुख से सोमवार को सहमति जताई कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मानदंड अस्वीकार्य हैं। इस प्रभावशाली समूह ने चीनी बंदरगाह शहर तियानजिन में आयोजित अपने दो दिवसीय वार्षिक शिखर सम्मेलन के अंत में जारी एक घोषणापत्र में आतंकवाद से लड़ने के अपने दृढ़ संकल्प को सूचीबद्ध किया। एससीओ सदस्य देशों ने गाजा में इजराइल द्वारा किए गए सैन्य हमलों में बड़ी संख्या में आम लोगों के हताहत होने और गाजा पट्टी में भयावह मानवीय स्थिति पैदा होने के कारण इन हमलों की निंदा की। घोषणापत्र में क्षेत्रीय सुरक्षा बढ़ाने के उपायों का उल्लेख किया गया और आतंकवाद से निपटने को एक बड़ी चुनौती बताया गया।

प्रदेश में नया सोसाइटी पंजीकरण एक्ट शीघ्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के स्थान पर नए कानून की आवश्यकता पर बल दिया है। कहा कि सोसाइटी के रूप में पंजीकृत संस्थाओं के पंजीकरण, नवीनीकरण व उनकी संपत्तियों के पारदर्शी प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए व्यावहारिक प्रावधान किए जाने चाहिए। कहा कि विवाद की स्थिति में प्रशासक की तैनाती ठीक नहीं है, प्रबंधन को अपना विधान तय करने की छूट होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को अपने आवास पर हुई बैठक में प्रस्तावित अधिनियम का प्रस्तुतिकरण देखा। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और शीर्ष अधिकारियों से चर्चा करते हुए कहा कि वर्तमान अधिनियम में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने, निष्क्रिय अथवा संदिग्ध संस्थाओं के निरस्तीकरण, विघटन, संपत्ति के सुरक्षित प्रबंधन, सदस्यता और चुनाव संबंधी विवादों के समयबद्ध निस्तारण के स्पष्ट प्रावधानों का अभाव है। ऑडिट, निधियों के दुरुपयोग पर नियंत्रण और संपत्ति प्रबंधन से संबंधित नियम भी पर्याप्त नहीं हैं। निर्देश दिए कि पंजीकरण व नवीनीकरण की प्रक्रिया ऑनलाइन, केवाईसी आधारित और समयबद्ध होनी चाहिए। वित्तीय लेन-देन की जवाबदेही व लेखा-परीक्षा की प्रक्रिया अधिक सुदृढ़ हो। नए कानून को यथाशीघ्र तैयार करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी आवश्यक प्रावधान ऐसे तैयार करें, जिससे प्रदेश की पंजीकृत संस्थाएं समाजोपयोगी कार्यों को और प्रभावी ढंग से संपादित कर सकें। बैठक में प्रभारी मुख्य सचिव दीपक कुमार, प्रमुख सचिव नियुक्ति एम देवराज, प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश मेश्राम, प्रमुख सचिव राजस्व एवं आवास पी गुरुप्रसाद समेत तमाम शीर्ष अधिकारी शामिल रहे।

- समीक्षा बैठक में संस्थाओं के पंजीकरण और संपत्ति प्रबंधन में पारदर्शिता पर फोकस

प्रदेश में भारी बरसात और बिजली गिरने से किसान की मौत, 8 घायल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वज्रपात से कई मवेशी भी मरे, कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट
- प्रशासन ने आमजन को सतर्क रहने की दी सलाह

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में मानसून अपनी पूरी रफ्तार में है। रविवार रात से शुरू हुआ मूसलाधार बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक कई जिलों के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी कर दी है। इससे आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, वहीं नदियों के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी बाढ़ का खतरा भी बढ़ा रही हैं। इस बीच खराब मौसम के कारण गोंडा में जहां बिजली गिरने से एक किसान की मौत हो गई वहीं, रायबरेली में गिरी बिजली की चपेट में आकर दादी-पोता घायल हो गए। जबकि मवेशी मर गए। ऊंचाहार में एक कच्ची कोठरी गिर गई जिसके मलबे में 6 लोग दब गए।

बेलसर (गोंडा) में अनन्ते (60) पुत्र बाले गांव से थोड़ी दूर पर धान का खेत देखने गए थे। अचानक तेज बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, अमावां, रायबरेली के एक गांव में रविवार की रात राजकुमारी 65 वर्ष वह उनका पोता आदित्य (12) चारपाई पर सो रहे थे। तभी आकाशीय बिजली गिरने से दोनों चपेट में आकर झुलस गए। जबकि पेड़ के नीचे बंधी भैंस की मौत हो गई। इसी तरह सतांव, रायबरेली में भी रविवार रात हुई बारिश के दौरान आकाशीय बिजली की चपेट में आने से भैंस और पड़िया दोनों की मौत हो गई।

रविवार रात से ही हो रही बारिश के चलते पीलीभीत, बरेली, रायबरेली जिले में स्कूलों में छुट्टी की घोषणा करनी पड़ी। वहीं, प्रतापगढ़, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, बस्ती, बाराबंकी, सीतापुर, बहराइच, गोंडा, सिद्धार्थ नगर और बलरामपुर जैसे जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि वाराणसी, जौनपुर, गाज़ीपुर, मिर्ज़ापुर, सोनभद्र और चंदौली सहित बुंदेलखंड के प्रयागराज, कौशाम्बी, चित्रकूट, बांदा और फ़तेहपुर जिलों में भी मध्यम से भारी वर्षा हो सकती है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

बारिश से खुद को बचाती महिला।

15 जिलों में जारी किया गया ऑरेंज अलर्ट

इस बीच लखनऊ स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने मंगलवार को भी प्रदेश के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना जतायी है। खासकर लखीमपुर खीरी, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल और बदायूं जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में गरज-चमक के साथ मूसलाधार बारिश और वज्रपात की आशंका है।

नदियों में उफान, कई जिलों में बाढ़ का खतरा

यमुना नदी उफान पर है ऐसे में कई जिलों में बाढ़ का खतरा बढ़ा है। बाढ़ क्षेत्र के इलाकों को खाली कराने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इधर, पीलीभीत में पिछले चार दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते देवहा और शारदा नदियां उफान पर हैं। बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद हालात और बिगड़ गए हैं। इसका असर आसपास के करीब 20 गांवों की आबादी पर पड़ा है। बढ़ते खतरे को देखते हुए जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन की टीमें अलर्ट पर हैं।

पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ ने खाली किया सरकारी आवास

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पद से इस्तीफा देने के छह हफ्ते बाद, अपने सरकारी आवास से दक्षिणी दिल्ली के छतरपुर इलाके में स्थित एक निजी फार्महाउस में चले गए।

एक अधिकारी ने बताया कि छतरपुर के गदाईपुर इलाके में स्थित यह फार्महाउस इनेलो (इंडियन नेशनल लोकदल) नेता अभय चौटाला का है। अधिकारी ने बताया कि धनखड़ अंतरिम व्यवस्था के तहत इस निजी फार्महाउस में तब तक रहेंगे जब तक उन्हें टाइप-8 का सरकारी आवास आवंटित नहीं कर दिया जाता, जिसके वह पूर्व उपराष्ट्रपति होने के नाते हकदार हैं। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय आवासन एवं शहरी मामलों के मंत्रालय को अब तक सरकारी बंगले के आवंटन के लिए धनखड़ से कोई औपचारिक अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ है।

- दक्षिण दिल्ली स्थित अभय चौटाला के फार्महाउस में गए

नया आव्रजन अधिनियम प्रभावी

नई दिल्ली, एजेंसी

- जाली पासपोर्ट, वीजा रखने पर होगी कड़ी सजा

विदेशियों और आव्रजन से संबंधित मामलों को विनियमित करने वाला एक नया अधिनियम सोमवार को प्रभाव में आ गया, जिसमें जाली पासपोर्ट या वीजा रखने पर कड़ी सजा का प्रावधान है।

आव्रजन और विदेशी अधिनियम, 2025 बजट सत्र के दौरान संसद से पारित हुआ था। इसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने चार अप्रैल, 2025 को अपनी स्वीकृति दी थी। गृह मंत्रालय के अवर सचिव नितेश कुमार व्यास द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि केंद्र सरकार ने एक सितंबर, 2025 को आव्रजन और विदेशी अधिनियम के प्रावधानों को प्रभावी कर दिया है।

इस कानून के मुताबिक भारत में प्रवेश करने या ठहरने या इस देश से जाने के लिए जो भी जाली पासपोर्ट या वीजा का इस्तेमाल करता हुआ पाया जाएगा उसे सात वर्ष तक की कैद हो सकती है तथा उसपर 10 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। अधिनियम में होटलों, विश्वविद्यालयों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों और नर्सिंग होम द्वारा विदेशियों के बारे में जानकारी अनिवार्य रूप से देने का भी प्रावधान है। सभी अंतर्राष्ट्रीय एयरलाइनों और जहाजों को भारत में किसी बंदरगाह या स्थान पर नागरिक प्राधिकरण या आव्रजन अधिकारी को यात्री और चालक दल की सूची, ऐसे विमान, जहाज या परिवहन के अन्य साधन पर सवार यात्रियों और चालक दल की अग्रिम जानकारी प्रस्तुत करनी होगी।

खगोल विज्ञान | सूर्य की सतह पर हुए विस्फोट से भूचुंबकीय तूफान धरती की ओर आ रहा, ध्रुवीय क्षेत्रों से टकराएगा

धरती के साथ अंतरिक्ष में भी बिगड़ा मौसम का मिजाज

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : इन दिनों धरती पर देश भर में मौसम का मिजाज बिगड़ा हुआ है तो अंतरिक्ष का मौसम भी खराब दौर से गुजर रहा है। सूर्य की सतह पर हुए विस्फोट से भू चुंबकीय तूफान धरती की ओर रहा है, जो ध्रुवीय क्षेत्रों से टकराएगा, इसका असर मंगलवार तक ध्रुवों पर नजर आएगा।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के पूर्व निदेशक एवं सौर वैज्ञानिक डॉ. वहाबउद्दीन ने बताया कि सूर्य की सतह पर बीती रात हुए विस्फोट से एक बड़ा भू चुंबकीय तूफान उत्पन्न हुआ है।

यह अर्थ डायरेक्ट तूफान 406.4 किमी प्रति सेकंड की रफ्तार से पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है। इस भू चुंबकीय तूफान की तीव्रता जी 3 आंकी गई है। यह तूफान पृथ्वी के चुंबकीय ध्रुवीय क्षेत्रों से टकराएगा। जिसका असर रंग-बिरंगी रोशनी (ऑरोरा) के रूप में देखने को मिलेगा। हालांकि फिलहाल इस तूफान से हमारे सेटेलाइट को नुकसान पहुंचने और इलेक्ट्रॉनिक व इलेक्ट्रिकल उपकरणों को किसी तरह की हानि होने की संभावना नहीं है।

डॉ. वहाबउद्दीन ने बताया कि सूर्य की सतह पर दस सौर कलंक (सन स्पॉट) समूह बने हुए हैं जिनमें भयानक विस्फोट की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। इनमे कई सौर कलंक पृथ्वी के सामने की तरफ बने हुए हैं। यदि इनमें विस्फोट हुए तो भू चुंबकीय तूफान उत्पन्न होंगे, जो पृथ्वी की ओर बढ़ सकते हैं। बहरहाल दुनियाभर की सोलर टेलीस्कोप की नजर इन पर बनी हुई हैं।

नासा द्वारा जारी सूर्य की सतह पर विस्फोट की फोटो।

अक्टूबर तक जारी रहेगी सूर्य पर विस्फोटों की संभावना

नैनीताल। डॉ. वहाबउद्दीन बताते हैं कि सूर्य की सतह पर विस्फोटों के अक्टूबर तक जारी रहने की संभावना है। इस सौर चक्र में सूर्य की सक्रियता यानी विस्फोटों की शुरुआत पिछले वर्ष शुरू हुई थी, जो अभी तक जारी है। अक्टूबर में सक्रियता में कमी आ जाने के बाद सूर्य शांत होने लगेगा। इधर, इसरो के भारतीय सौर मिशन आदित्य एल-1 ने सूर्य की निगरानी शुरू कर दी है और डेटा भेजना भी शुरू कर दिया है। फिलहाल आदित्य एल-1 के उपकरणों की टेस्टिंग जारी है, जो अगले कुछ माह तक जारी रहेगी।

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 2 सितंबर 2025

तीन किमी से अधिक दूरी के उच्च प्राथमिक विद्यालयों का विलय नहीं

विधि संवाददाता, लखनऊ

- सरकार की ओर से हाईकोर्ट में दिया गया जवाब

अमृत विचार : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में सोमवार को विद्यालयों के विलय के मामले में सुनवाई हुई। इस दौरान दौरान राज्य सरकार की ओर से पूरक जवाबी शपथ पत्र दाखिल किया गया। जिसमें इस बात को स्पष्ट किया गया है कि एक किलोमीटर से कम दूरी वाले तथा जिन विद्यालयों में 49 से अधिक बच्चे हैं, उनकी पेयरिंग नहीं की जाएगी। साथ ही यह भी बताया गया है कि तीन किलोमीटर से अधिक दूरी के उच्च प्राथमिक विद्यालयों का भी विलय नहीं किया जाएगा। कोर्ट ने सरकार के उक्त पूरक शपथ पत्र को रिकॉर्ड पर लेते हुए अगली सुनवाई के लिए 22 सितंबर की तिथि नियत की है।

यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने दिया है। सीतापुर के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अखिलेश प्रताप सिंह के उक्त पूरक शपथ पत्र के साथ राज्य सरकार के 27 अगस्त 2025 के शासनादेश को भी दाखिल किया गया है। जिसमें सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जिन प्राथमिक विद्यालयों के एक किलोमीटर तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों के तीन किलोमीटर से अधिक दूरी के बावजूद पेयरिंग की गई है, उन्हें निरस्त कर दिया जाए। कहा गया कि शासनादेश का सख्ती से अनुपालन करने के निर्देश सभी अधिकारियों को भी दिए गए हैं। पूरक शपथ पत्र में कहा गया है कि नए निर्देशों के तहत सीतापुर में सिर्फ 77 विद्यालयों की पेयरिंग की गई है। उल्लेखनीय है कि याचियों की ओर से अधिवक्ता गौरव मेहरोत्रा व अन्य ने भी यही दलील दी थी कि 50 बच्चों वाले तथा एक किमी से अधिक दूरी वाले विद्यालयों की पेयरिंग नहीं की जानी चाहिए।

योगी जी मेरा एडमिशन करवा दीजिए, डॉक्टर बनूंगी

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री से मिली कानपुर की नन्ही मायरा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी जी मेरा एडमिशन करा दीजिए, मैं बड़ी होकर डॉक्टर बनना चाहती हूं। यह बात सोमवार को जनता दर्शन में कानपुर से अपनी मां नेहा के साथ आई नन्ही मायरा ने कही। मासूम मायरा को देख मुस्कुराते हुए योगी ने पहले हालचाल जाना, फिर पूछा कि क्या बनना चाहती हो। इस पर मायरा ने जवाब दिया- डॉक्टर। यह सुन मुख्यमंत्री ने पहले उसे चॉकलेट दी, फिर अधिकारियों को एडमिशन कराने का निर्देश दिया।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को मायरा की मां नेहा ने एडमिशन के लिए आवेदन दिया। सीएम ने पूछा तो नेहा बोली-कानपुर से आए हैं, स्कॉर्ट्स वर्ल्ड स्कूल में एडमिशन कराना है। इसके बाद मायरा से मुखातिब सीएम ने पूछा क्या बनेगी- जिस पर उसने तपाक से जवाब दिया-डॉक्टर। बच्ची की मासूमियत पर सीएम मुस्कुरा उठे। नन्ही मायरा ने पत्रकारों को बताया कि कि योगी बाबा ने कहा है कि एडमिशन हो जाएगा।

प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने की दी जानकारी

शासन के अधिकारियों ने सोमवार को कानपुर के एस्काटर्स वर्ल्ड स्कूल से मायरा के एडमिशन के संदर्भ में जानकारी ली। इस पर शाम होने से पहले ही एस्काटर्स वर्ल्ड स्कूल के-1, केशवपुरम कानपुर नगर के प्रधानाचार्य सुधीर तिवारी ने बीएसए व शासन के अधिकारियों को प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने की जानकारी दी।

50 शिकायतें आईं, मुस्कान लेकर लौटे फरियादी

जनता दर्शन में सितंबर की पहली सुबह मुख्यमंत्री आवास पहुंचे 50 फरियादी मुस्कान लेकर लौटे। मुख्यमंत्री योगी ने उनकी समस्या जानी और प्रार्थना पत्र लेकर अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी की समस्याओं का निराकरण हो और हर पीड़ित से फीडबैक भी लिया जाय।

जनता दर्शन के दौरान बच्ची मायरा को चॉकलेट देते मुख्यमंत्री योगी।

न्यूज ब्रीफ

101 विद्यालयों में बनाई गई अटल टिंकरिंग लैब

अमृत विचार, लखनऊ : माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों को तकनीकी और व्यावहारिक ज्ञान से सशक्त बनाने पर जोर है। इसके तहत प्रदेश के 778 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में आईसीटी (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी) लैब स्थापित की जा चुकी है। 1084 विद्यालयों में आईसीटी लैब और 1236 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास स्थापित किए जाने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि इसी कड़ी में 101 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में अटल टिंकरिंग लैब स्थापित की गई है, जहां छात्र प्रयोग के माध्यम से विज्ञान और तकनीक की गहराई से समझ हासिल कर सकेंगे।

बाल वाटिकाओं की संख्या बढ़कर 70 हजार

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में अब बाल वाटिकाओं की कुल संख्या बढ़कर 70 हजार से अधिक हो गई है। यहां लर्निंग कॉर्नर व वंडर बॉक्स की मदद से तीन वर्ष से लेकर छह वर्ष तक की आयु के बच्चों को रोचक ढंग से पढ़ाई कराई जा रही है। प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि प्री-प्राइमरी स्कूलों के तौर पर चलाई जा रहीं इन बाल वाटिकाओं में बाल मैत्रीय फर्नीचर रंग-बिरंगे कक्षा कक्ष भी बनाए गए हैं। आउटडोर गेम की व्यवस्था भी की गई है। अब यहां वंडर बॉक्स भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वंडर बॉक्स में 26 तरह की सामग्री हैं। जिसमें आकार सुडोकू, चेहरों की पहेली, नंबर कार्ड, 10 वृत्त पहेली गुड़िया बनाओ व अन्य सामग्री शामिल हैं। लर्निंग कॉर्नर की भी व्यवस्था की जा रही है।

महानिदेशक बने डॉ.पवन कुमार

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में परिवार कल्याण विभाग के महानिदेशक डॉ. दिनेश कुमार सिंह सोमवार को सेवानिवृत्त हो गए हैं। उनकी जगह, महानिदेशक प्रशिक्षण डॉ.पवन कुमार अरूण को स्थायी नियुक्ति होने तक अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। यह आदेश प्रमुख सचिव के निर्देश पर चिकित्सा अनुभाग-दो से सोमवार को जारी कर दिया गया है।

भाजपा ने विदेश नीति को बर्बाद किया : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को जारी बयान में कहा है कि भाजपा-आरएसएस ने भारत की विदेश नीति को बर्बाद कर दिया है। दुनिया के तमाम मित्र देशों ने साथ छोड़ दिया है। अभी आपरेशन सिंदूर के दौरान पड़ोसी देश भी साथ नहीं खड़े हुए। तब हमलावर पाकिस्तान को चीन हर प्रकार की मदद कर रहा था। जिस अमेरिका से बड़ी दोस्ती थी, उसने व्यापार पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के साथ ही और कड़े आर्थिक प्रतिबंधों की धमकी दी है। घबराई भाजपा सरकार अब चीन की शरण में पहुंच गई है। जिसका ट्रैक रिकार्ड भारत से दुश्मनी का ही रहा है।

आईआईएम सिखाएगा पंचायतों का प्रबंधन

अमृत विचार, लखनऊ : शहर के सीतापुर रोड स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायत व ग्राम पंचायतों में बेहतर प्रबंधन के गुर सिखाएगा। पंचायती राज विभाग ने प्रशिक्षण की कार्य योजना बनाई है और संस्था से एमओयू होते ही शेड्यूल बनाकर जनप्रतिनिधियों और विकास से जुड़े अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायत और ग्राम पंचायतों के विकास के लिए बेहतर प्रबंधन और नेतृत्व करना बेहद जरूरी है। इसको देखते हुए पंचायत राज विभाग आईआईएम से एमओयू करके प्रदेश स्तरीय पांच दिवसीय 'मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम' कराएगा।

गंभीर बीमार बंदियों की समय पूर्व रिहाई के नियम होंगे सरल : योगी

मुख्यमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप पारदर्शी नीति बनाने को लेकर की बैठक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में अपने सरकारी आवास पर कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाओं को लेकर समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंभीर बीमारियों से ग्रसित बंदियों की समयपूर्व रिहाई से संबंधित नियमों को और अधिक सरल, स्पष्ट व मानवीय दृष्टिकोण से परिभाषित किए जाने के निर्देश दिए। कहा कि प्राणघातक रोग से ग्रस्त बंदियों, वृद्ध व असहाय बंदियों की वास्तविक संख्या जानने के लिए सर्वेक्षण कराएं। इनकी प्राथमिकता के साथ रिहाई होगी। इसके लिए उन्हें अलग से आवेदन न करना पड़े।

मुख्यमंत्री योगी सोमवार को कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाओं की समीक्षा बैठक में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप पारदर्शी नीति बनाने को लेकर निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का अनुपालन करते हुए प्रदेश की नीति को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि पात्र बंदियों की रिहाई स्वतः विचाराधीन होनी चाहिए और इसके लिए उन्हें अलग से आवेदन न करना पड़े। ऐसे लोगों का प्रदेश के सभी कारागारों में सर्वेक्षण कर वास्तविक संख्या का आकलन किया जाए। इनमें महिलाओं, बुजुर्गों को प्राथमिकता के आधार पर रिहा करने की व्यवस्था हो। मुख्यमंत्री ने कैदियों को कृषि, गोसेवा आदि कार्यों से जोड़कर उनकी जेल अवधि के सदुपयोग करने के लिए व्यवस्था बनाने की भी आवश्यकता बताई।

बैठक में अधिकारियों ने जानकारी दी कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सुझाई गई प्रणाली को प्रदेश में अपनाने पर भी विचार किया जा रहा है, ताकि बंदियों को न्यायिक अधिकारों का लाभ सुचारू रूप से मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष, त्वरित और मानवीय संवेदनाओं पर आधारित होनी चाहिए तथा जल्द ही नई नीति का प्रारूप तैयार कर अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जाए।

वर्ष में तीन बार हो समीक्षा

नियमों में बदलाव पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक वर्ष तीन बार जनवरी, मई और सितंबर में पात्र बंदियों के मामलों की स्वत: समीक्षा की व्यवस्था हो। यदि किसी बंदी को रिहाई न दी जाए तो उसके कारण स्पष्ट रूप से दर्ज किए जाएं और उसे यह अधिकार मिले कि वह उस निर्णय को चुनौती दे सके।

जघन्य अपराधों में रिहाई कतई नहीं

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जेल मैनुअल में यह भी स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाना आवश्यक है कि किन बीमारियों को असाध्य रोग की श्रेणी में रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज की सुरक्षा सर्वोपरि है। इसलिए समयपूर्व रिहाई उन्हीं मामलों में की जानी चाहिए, जहां से सामाजिक जोखिम न हो। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि हत्या, आतंकवाद, देशद्रोह, महिला और बच्चों के विरुद्ध जघन्य अपराध जैसे मामलों में रिहाई कतई नहीं की जानी चाहिए।

पिछड़े वर्ग के उत्थान को खुलेगा शोध संस्थान

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिए शोध संस्थान खुलेगा। इसके साथ ही, निशुल्क कोचिंग सेंटर व नया आयोग भवन स्थापित होगा। सोमवार को राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की बैठक में ये फैसले लिये गये। बैठक में अन्य पिछड़े वर्गों के उत्थान व विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर विमर्श किया गया। पिछड़ा वर्ग शोध संस्थान की स्थापना का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। इसके साथ ही प्रदेश के गरीब व जरूरतमंद अन्य पिछड़े वर्गों के छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद देने के लिए निशुल्क कोचिंग सेंटर स्थापित करने का निर्णय लिया गया।

योगी से मिलने के बाद संजय निषाद का यू-टर्न

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भाजपा से गठबंधन तोड़ने की धमकी से पीछे हटे

अमृत विचार: निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करने के बाद यू-टर्न ले लिया है। इससे पहले भाजपा से गठबंधन तोड़ने की धमकी दे रहे संजय निषाद ने सुर बदलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हमारे अभिभावक और मार्गदर्शक हैं और मेरी भाजपा से कोई नाराजगी नहीं है।

दरअसल, बीते दिनों संजय निषाद ने भाजपा को दो टूक कह दिया था कि अगर सत्ताधारी पार्टी को लगता है कि हमसे कोई फायदा नहीं है तो गठबंधन तोड़ दें, हम तैयार है। उनकी धमकी के बाद से तमाम तरह की चर्चाएं चलने लगी थीं। इस बैठक के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है।

13 पीसीएस अधिकारियों का तबादला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्य सरकार ने 13 पीसीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है। इस कड़ी में सहकारी चीनी मिल संघ के प्रधान प्रबंधक राजकुमार मित्तल को अपर जिलाधिकारी (नगर ट्रांसगोमती), लखनऊ की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

राम प्रकाश अपर जिलाधिकारी (वित्त) महोबा को अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण, कुंवर पंकज मुख्य राजस्व अधिकारी प्रयागराज को अपर जिलाधिकारी (वित्त) महोबा, नवीन चंद्र उप जिलाधिकारी उन्नाव को अपर जिलाधिकारी (भूमि अध्याप्ति) मेरठ, ज्योति राय उप निदेशक पशुपालन निदेशालय को अपर जिलाधिकारी (वित्त) बलरामपुर, प्रदीप कुमार अपर जिलाधिकारी (वित्त) बलरामपुर को उप निदेशक पशुपालन निदेशालय, सुनंदू सुधाकरन अपर जिलाधिकारी (वित्त) सुल्तानपुर को अपर आयुक्त वाराणसी मंडल तैनात किया गया है। अंजली गंगवार एसडीएम कासगंज को प्रधान प्रबंधक उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी मिल संघ लखनऊ, कुमार सिंह यादव एसडीएम पवन कुमार एसडीएम बाराबंकी को प्रधान प्रबंधक सहकारी चीनी मिल संघ लखनऊ, राज महोबा को एडीएम (न्यायिक) बाराबंकी, मो. कमर अपर नगर आयुक्त झांसी को उप निदेशक महिला कल्याण निदेशालय, राहुल कुमार यादव प्रधान प्रबंधक उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी मिल संघ को अपर नगर आयुक्त झांसी और राकेश सिंह अपर जिलाधिकारी (नगर ट्रांस गोमती) को अपर जिलाधिकारी (वित्त) सुल्तानपुर, बनाया गया है।

वन्यजीव तस्कर गिरोह का खुलासा, दो गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एसटीएफ ने उन्नाव के सदर कोतवाली स्थित तालीब सराय में की कार्रवाई

अमृत विचार : एसटीएफ ने सोमवार को संरक्षित वन्यजीव तस्करी गिरोह का खुलासा किया। इस गिरोह की दो महिला तस्करों को उन्नाव के सदर कोतवाली स्थित तालीब सराय से दबोचा। आरोपियों के पास से 85 तीतर और 70 टुईयां तोता समेत कई अन्य पक्षी और सामान बरामद किया है। एसटीएफ के मुताबिक, यह गिरोह अंतरराज्यीय स्तर का है। गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है।

डिप्टी एसपी अवनीश्वर चंद्र श्रीवास्तव के मुताबिक, पकड़ी गई महिला तस्करों में तालीब सराय निवासी मो. इदरीश की पत्नी राफिया और मो. सगीर की पत्नी गुरनाज शामिल है। दोनों के पास से 85 तीतर, 70 टुईयां तोता, 15 रेड मुनिया, आठ रिंग नेक पैरेट, 10 ट्राई कलर मुनिया के अलावा सिल्वर व्हील, एलक्जेंडराइज पैरेट, लेजरव्हीस्लिंग टील बरामद किया है। डिप्टी एसपी के मुताबिक, गिरोह का सरगना राफिया का पति इदरीश है। स्थानीय स्तर पर वन्य जीव को जुटाता है। इसके बाद बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश आदि राज्यों में तस्करों को इन्हें ऊंचे दाम पर बेचा जाता है। साथ ही यह भी बताया कि पहाड़ी तीतर के मांस को स्थानीय बाजार में भी महंगे दामों पर सप्लाई किया जाता है। अभियुक्त ने बताया कि लाल मुनिया एवं तोता प्रतिबंधित एवं संरक्षित प्रजाति के पक्षी हैं। जिनको वन विभाग द्वारा गेट एक ही श्रेणी में रखा गया है। इस मामले में एसटीएफ ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ उन्नाव कोतवाली में एफआईआर दर्ज की गई। आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

लखनऊ के हजरतगंज क्षेत्र में बारिश के बीच अपने बच्चे को छाता लगाकर भीगने से बचाती महिला। अमृत विचार

कैबिनेट की बैठक आज

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल बैठक मंगलवार को होगी। लोकभवन में होने वाली इस बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर मुहर लग सकती है। दरअसल, संभल को लेकर सामने आयी न्यायिक रिपोर्ट के मद्देनजर इस बार की कैबिनेट बैठक काफी अहम होने वाली है। बैठक में संभल की न्यायिक रिपोर्ट रखी जाएगी और उस पर चर्चा भी होगी। रिपोर्ट के आधार पर संभल में आगे की सरकारी कवायद पर निर्णय भी हो सकता है।

मेडिकल कॉलेजों के आरक्षण संबंधी शासनादेश रद्द करने के खिलाफ अपील

हाईकोर्ट ने पूछा, एकल पीठ के निर्णय में क्या है कमी, सुनवाई आज

विधि संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : राज्य सरकार ने अंबेडकर नगर, कन्नौज, जालौन व सहारनपुर के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में आरक्षण के संबंध में पारित शासनादेशों को रद्द करने के एकल पीठ के निर्णय के विरुद्ध विशेष अपील दाखिल की गई है। सोमवार को उक्त अपील पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने राज्य सरकार के अधिवक्ताओं से पूछा है कि उक्त निर्णय में क्या कमी है। मामले की सुनवाई मंगलवार को होगी।

न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ के समक्ष राज्य सरकार की अपील पर सुनवाई हुई। न्यायालय ने अपीलार्थी के वरिष्ठ अधिवक्ता जेएन माथुर को स्पष्ट करने को कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों व आरक्षण सम्बंधी प्रावधानों पर विचार के उपरांत पारित एकल पीठ के उक्त 25 अगस्त के निर्णय में क्या कमी है। उल्लेखनीय है कि एकल पीठ ने यह पाते हुए कि शासनादेशों 20 जनवरी 2010, 21 फरवरी 2011, 13 जुलाई 2011, 19 जुलाई 2012, 17 जुलाई 2013 व 13 जून 2015 के जरिए आरक्षित वर्ग के लिए को 79 प्रतिशत से अधिक सीटें सुरक्षित की गई हैं, उक्त शासनादेशों को निरस्त कर दिया है, साथ ही उक्त कॉलेजों में आरक्षण अधिनियम, 2006 का सख्ती से अनुपालन करते हुए, नये सिरे से सीटें भरने का आदेश दिया है। याची के अधिवक्ता मोतीलाल यादव ने दलील दी थी कि उक्त मेडिकल कॉलेजों में राज्य सरकार के कोटे की कुल 85-85 सीटें हैं, जबकि सिर्फ 7-7 सीटें अनारक्षित श्रेणी के लिए रखी गई हैं। वहीं महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा व ट्रेनिंग की ओर से दलील दी गई थी कि इंदिरा साहनी मामले में शीर्ष अदालत यह स्पष्ट कर चुकी है कि 50 प्रतिशत की सीमा अंतिम नहीं है, इससे अधिक आरक्षण दिया जा सकता है। हालांकि, एकल पीठ इस दलील से सहमत नहीं हुई व कहा कि उक्त सीमा सिर्फ नियमों का पालन करते हुए, बढ़ाई जा सकती है।

ओवर ब्रिज पर खड़े ऑयल टैंकरों को हटाने के लिए बनी कमेटी

विधि संवाददाता, लखनऊ : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से बताया गया है कि अमौसी ओवर ब्रिज पर गैर कानूनी तरीके से खड़े ऑयल टैंकरों को हटाने के लिए डीसीपी, ट्रैफिक ने तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। इस पर कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 6 अक्टूबर की तिथि नियत करते हुए, डीसीपी ट्रैफिक से कार्यवाही की रिपोर्ट तलब की है। साथ ही अगली सुनवाई पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित होने का भी आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने शिव मोहन की जनहित याचिका पर दाखिल किया। याचिका में कहा गया है कि अमौसी ओवर ब्रिज पर गैर कानूनी तरीके से ऑयर टैंकर पार्क होते हैं जिनसे न सिर्फ ट्रैफिक की असुविधा होती है, बल्कि खतरा भी उत्पन्न हो रहा है।

योजना

63 प्रतिशत युवाओं ने लिया सेवा क्षेत्र के उद्यम लगाने के लिए बैंक से ऋण

उद्यम लगाने में प्रदेश के युवाओं को भा रहा सेवा क्षेत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सीएम युवा उद्यमी योजना में प्रदेश के युवाओं को सेवा क्षेत्र के उद्योग ज्यादा भा रहे हैं। इनमें भी खाद्य उद्योग ज्यादातर युवाओं की पंसद है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि योजना के तहत 63 प्रतिशत युवाओं ने सेवा क्षेत्र के उद्यम लगाने के लिए बैंकों से ऋण लिया है, जबकि उत्पादन क्षेत्र में इन युवाओं की भागीदारी 37 प्रतिशत है।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य में लगी राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं को उद्यमी बनाने में जुटी है। उद्योगों की संख्या बढ़ाकर युवाओं को भरपूर रोजगार उपलब्ध कराने पर फोकस है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत ब्याजमुक्त पांच लाख रुपये का ऋण राष्ट्रीयकृत बैंकों से दिलाया जा रहा है।

उद्योग विभाग के अधिकारियों के अनुसार, उत्तर प्रदेश दिवस 24 जनवरी 2025 को लांच की गई मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत अब तक 79,814 युवाओं को 3500 करोड़ रुपये बतौर ऋण दिया जा चुका है। योजना में युवा महिलाएं भी खूब भागीदारी कर रही हैं। ऋण लेने वालों में 71 प्रतिशत पुरुष व 29 प्रतिशत महिला उद्यमी शामिल हैं। कुल ऋण लेने वाले युवाओं में 33.7 प्रतिशत सामान्य वर्ग, 49 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग, 15 प्रतिशत अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग व दो प्रतिशत अल्पसंख्यक वर्ग शामिल हैं। इन वर्गों के युवाओं ने आरक्षण के तहत नहीं, बल्कि स्वतः रुचि लेकर अपनी भागीदारी तय की है।

नए उद्यमियों को किया जा रहा जागरूक : यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 में उद्योग विभाग की ओर से नियुक्त किये गये सीएम युवा उद्यमी फेलो युवाओं को जागरूक करेंगे। उद्योग विभाग ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। उद्यमी फेलो युवाओं को उद्योग लगाने से लेकर बैंक से ऋण स्वीकृत कराने में अपना सहयोग देंगे।

इस वर्ष डेढ़ लाख युवाओं को ऋण दिलाने का लक्ष्य

उद्योग विभाग के संयुक्त निदेशक सर्वेश्वर शुक्ला ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष डेढ़ लाख युवाओं को इस योजना के तहत ऋण दिलाने का लक्ष्य है, जिसमें अब तक 51,144 युवाओं को 2100 करोड़ रुपये का ऋण दिया जा चुका है। उन्होंने बताया कि खाद्य उद्योग में जहां ज्यादा लोगों को रुचि हैं, वहीं इसके बाद युवा टेलरिंग, बुटीक, ब्यूटी पार्लर आदि पर जोर दे रहे हैं।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में होगा उद्योग विभाग का कॉन्क्लेव

युवाओं को भागीदारी बढ़ाने के लिए उद्योग विभाग ग्रेटर नोयडा में 25 सितंबर से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 में शामिल होगा। विभाग की ओर से कॉन्क्लेव आयोजित होगा, जिसमें उद्यमियों को जागरूक किया जाएगा।

700 करोड़ से प्लांट लगाएगा कोका कोला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री गोरखपुर को 4 सितंबर को देंगे बॉटलिंग प्लांट समेत 2251 करोड़ की सौगात

अमृत विचार : मल्टीनेशनल कंपनी पेप्सिको के बाद कोका कोला का बॉटलिंग प्लांट भी गोरखपुर में लगने जा रहा है। यह प्लांट अमृत बॉटलर्स द्वारा 700 करोड़ रुपये के निवेश से लगाया जाएगा। इससे 1200 लोगों को रोजगार मिलने का दावा किया जा रहा है।

बॉटलिंग प्लांट की स्थापना के लिए भूमि पूजन और शिलान्यास 4 सितंबर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा प्लास्टिक पार्क में 120 करोड़ रुपये के निवेश से बनी तीन औद्योगिक इकाइयों का लोकार्पण, 640 करोड़ रुपये के निवेश वाली तीन यूनिट्स का शिलान्यास, औद्योगिक भूमि के आवंटन पत्र का वितरण, 400 करोड़ रुपये की लागत वाली कालेसर आवासीय योजना सेक्टर 11 के आवंटन पत्र का वितरण, सीईटीपी व सीपेट का शिलान्यास और 281 करोड़ रुपये के अवस्थापना विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया जाना भी प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री निजी क्षेत्र व गीडा की कुल मिलाकर 2251 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे।

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

न्यूज ब्रीफ

बार एसोसिएशन हुई हाईटेक, उद्घाटन आज

छिबरामऊ, कन्नौज। यहां की बार एसोसिएशन अब हाईटेक होने जा रही है। इसकी आधिकारिक वेबसाइट, डिजिटल सेवाओं एवं कॉन्फ्रेंस हाल का उद्घाटन समारोह 2 सितंबर, मंगलवार सुबह 11 बजे होगा। महासचिव ललित प्रताप सिंह ने बताया कि इस अवसर पर 12 बजे से संगीतमय श्री सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन अधिवक्ता सभागार में होगा।

गमा देवी में होगा हनुमान चालीसा का पाठ

छिबरामऊ, कन्नौज। शक्तिपीठ गमा देवी में भी बुढ़वा मंगल के पर्व पर सुबह नौ बजे से दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ होगा। यह जानकारी शक्तिपीठ गमा देवी के पुजारी पंडित बनारसी दास शास्त्री ने दी।

रंजिशन दंपति को मारपीट कर दी धमकी

गुरसहायगंज, कन्नौज। ग्राम आमपुर्वा निवासी स्वाती देवी पत्नी शिवराज ने कोतवाली पुलिस को दिए शिकायती पत्र में कहा है कि 18 अगस्त की रात लगभग 10 बजे रंजिश को लेकर गांव के चार लोग उसके दरवाजे पर आए और उसके साथ गालीगलौज कर मारपीट की। बीच बचाव में आए पति शिवराज को भी लाठी, डण्डों से मारपीट कर घायल कर दिया।पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

ग्रामीणों ने बचाई राष्ट्रीय पक्षी की जान

छिबरामऊ, कन्नौज। प्रेमपुर चौकी क्षेत्र के ग्राम कूंदेपुर में रविवार रात्रि करीब 9 बजे एक मोर पर कुत्तों ने हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। गांव निवासी अनिकेत, विमलेश, पतरौल, राजाराम, सुरेश, दिनेश, सुजल, विकास, पूरनमल, सचिन, जितेंद्र और आशीष ने मोर की दयनीय स्थिति देख डायल 112 पर सूचना दी। कांस्टेबल संदीप कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल मोर को सावधानी से पकड़ा। डॉ. अमरनाथ रात करीब 10 बजे मौके पर पहुंचे और मोर को उपचार के लिए अपने साथ ले गए।

तीसरे दिन नहर से मिला किसान का शव

सौरिख कन्नौज। राहत बचाव दल ने खड़िनी स्थित निचली गंग नहर से तीसरे दिन किसान का शव बरामद कर लिया। किसान ने शनिवार को लंबी बीमारी से तंग आकर नहर में छलांग लगाई थी। बता दें कि खड़िनी में निकली निचली गंगनहर के पुल से शनिवार सुबह 11 बजे जिला औरैया के एरवा कुहली निवासी किसान शिवराम सिंह बाथम (55) ने छलांग लगा दी थी। पुत्र ने बताया था कि पिता को लंबे समय से कैंसर होने से परेशान थे। इसलिए उन्होंने यह कदम उठाया। रविवार को पूरे दिन नहर में तलाश के बाद भी पिता का कोई पता नहीं चल सका। राहत बचाव दल ने सोमवार को तीसरे दिन शव को नहर से बाहर निकाला। मौके पर पहुंचे सौरिख थाना प्रभारी निरीक्षक जयंती प्रसाद गंगवार ने शव का पंचायत नामा भरवा कर पोस्टमार्टम को भेजा।

विधायक की शिकायत पर हटे थे बीईओ, फिर वहीं डटे

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। जिले की प्रभारी/उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी अक्टूबर 2024 में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक करने आईं थीं। उस दौरान तिर्वा विधायक कैलाश राजपूत ने बीईओ रमेश चंद्र चौधरी की शिकायत की थी। उसके बाद तत्कालीन डीएम शुभ्रान्त शुक्ल ने उनको हटाकर नगर क्षेत्र में तैनाती दे दी थी। अब निजाम बदला तो करीब 10 महीने बाद चौधरी को उसी ब्लॉक की जिम्मेदारी दे दी गई है जहां से हटाया गया था।

सोमवार को तालग्राम बीआरसी पहुंचकर रमेश चंद्र चौधरी ने बीईओ का चार्ज भी संभाल लिया। साथ ही एफएलएन बैठक में भी शामिल हुए। एक विद्यालय में फल वितरण भी कराया। अब तक हसेरन बीईओ संजय कुमार के पास तालग्राम का अतिरिक्त प्रभार था। बताया जा रहा है कि तालग्राम के अलावा नगर शिक्षा अधिकारी कन्नौज का भी प्रभार चौधरी के पास रहेगा। बीएसए संदीप कुमार ने जारी किए 30 अगस्त के आदेश में कहा है कि बेसिक शिक्षा विभाग के शासनादेश 23 नवंबर 2020 के क्रम में जनपद की शैक्षिक व्यवस्था में सुधार व विभागीय योजनाओं का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन करने के लिए खंड शिक्षा अधिकारी के कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के लिए सीडीओ राम कृपाल चौधरी/डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री को भेजे गए प्रस्ताव पर जिलाधिकारी ने अनुमोदन दिया। उसके अनुपालन में रमेश चंद्र चौधरी को तालग्राम बीईओ को प्रभार दिया जाता है।

तालग्राम ब्लॉक क्षेत्र के शिक्षकों के प्रशिक्षण में बैठे बीईओ रमेश चंद्र चौधरी।

जिले की प्रभारी मंत्री की बैठक में मैंने पहले खुद शिकायत की थी, अगर फिर तैनाती हो गई है तो यही सब खेल चल रहा है। इस मामले में अब कुछ नहीं कहेंगे क्योंकि विधानसभा क्षेत्र छिबरामऊ का मामला है।

-कैलाश राजपूत, विधायक, तिर्वा

- नगर शिक्षा अधिकारी रमेश चंद्र चौधरी फिर से बनाए गए तालग्राम बीईओ

पता नहीं क्यों बैकफुट पर आ जाते हैं विधायक!

- लोगों के बीच चर्चा है कि तिर्वा के भाजपा विधायक कैलाश राजपूत कुछ मामलों में खुद मोर्चा खोलने के बाद बैकफुट पर आ जाते हैं। भ्रष्टाचार व गड़बड़ी का आरोप लगाकर पहले वह अधिकारियों से शिकायत कर दबाव बनाते हैं। इन मामलों में कुछ दिन तो सब ठीकठाक चलता है उसके बाद फिर से मामले पुराने ढर्रे पर चलने लगते हैं। कहा जा रहा है कि कई महीनों पहले विधायक ने एक संस्था के होटल का फीता काटकर शुभारंभ किया था। कुछ महीने बाद एक संस्था के निजी होटलों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। पुलिस ने होटल बंद कराए। अब फिर से इनको अनुमति मिल गई है। इसी तरह बीईओ का भी मामला है।

नो हेलमेट, नो फ्यूल का पालन न करने पर पंप होगा सील

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। पहले दिन नो हेलमेट, नो फ्यूल का पंप मालिकों ने पालन कराया। इससे बिना हेलमेट के पहुंचे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बिना हेलमेट के पेट्रोल देने के मामले को डीएम ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को दिये सख्त निर्देश दिये कि पंप नियमों का पालन न करें तो उनका पंप सील करें।

सोमवार को जिले में नो हेलमेट नो प्यूल के आदेश का पालन कराया गया। इस आदेश का पालन कितने दिन होगा यह तो विभाग ही जाने पर पहले दिन शहर के पेट्रोल पंपों पर आदेश का असर दिखाई दिया। बिना हेलमेट के पंप पर पेट्रोल लेने पहुंचे लोगों को खासी मशक्कत करनी पड़ी। जब पेट्रोल नहीं मिला तो वह इधर उधर हेलमेट की तलाश करते दिखे। कोई न कोई उनको हेलमेट लगाये मिल गया। उससे चिरौरी कर हेलमेट कुछ समय के लिये लिया और पंप पर पहुंच कर पेट्रोल ले लिया। अधिक तर पंपों पर पहले दिन इसी तरह का खेल चलता रहा। कर्मचारियों का कहना था कि हेलमेट लगा कर वाहन समेत आने वाले लोगों को ही पेट्रोल दिया गया है।

उधर नो हेलमेट , नो फ्यूल के मामले को जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये हैं कि जो पंप का मालिक या कर्मचारी इस आदेश का पालन न करता मिले उस के खिलाफ कार्रवाई करें। संबंधित पंप को सील कर दिया जाये। डीएम का निर्देश मिलते ही विभागीय अधिकारी कार्यालय से निकले और पंपों पर पहुंच कर आदेशों के पालन की समीक्षा की। इस दौरान पाया कि पहले दिन शहर के पंपों पर तो आदेशों का पालन होता मिला। अब अधिकारी देहात क्षेत्रों में कुले पंपों पर पहुंच कर सरकार के आदेशों का पालन कराने में जुटेंगें।

सरायमीरा में एक पंप पर बिना हेलमेट के पेट्रोल लेने पहुंचे लोग व हेलमेट वालों को पेट्रोल देते कर्मचारी। अमृत विचार

2.88 करोड़ से बनेंगे परिषदीय स्कूलों के भवन और शौचालय

7 प्राथमिक व 1 यूपीएस के पुर्ननिर्माण का 50 फीसदी बजट मिला

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। परिषदीय स्कूलों के बच्चों व शिक्षकों के लिए अच्छी खबर है। बेसिक शिक्षा विभाग जनपद में 07 प्राथमिक स्कूल, 01 उच्च प्राथमिक विद्यालय, 10 विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षा-कक्ष और 21 दिव्यांग शौचालयों का निर्माण कराएगा। इसके लिए 2 करोड़ 88 लाख 45 सौ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। इतना ही नहीं 50 फीसदी बजट मिल भी गया है।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संदीप कुमार ने बताया कि पूर्व के वर्षों में उन विद्यालय के भवनों को गिरा दिया गया था जो जर्जर थे। ऐसे स्थानों पर प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों के भवन का पुर्ननिर्माण कराया जाएगा। इसके लिए बजट मिल गया है। साथ ही जहां दिव्यांग शौचालय नहीं हैं उन स्कूलों में सुविधा दी जाएगी और अतिरिक्त कक्षा-कक्ष की जरूरत है, वहां भी कमरे बनवाए जाएंगे। पियूषकांत श्रीवास्तव ने बताया कि विकास खंड तालग्राम इलाके के उच्च प्राथमिक स्कूल तमियामऊ का भवन निर्माण होगा। जलालाबाद विकास खंड के प्राथमिक स्कूल जलालाबाद द्वितीय, दानेहार, अतरौली, उमर्दा के हरेईपुर व नगला दनुआ आदि स्थानों पर विद्यालयों के भवन निर्माण कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इसकी जिम्मेदारी विद्यालय प्रबंध समिति को दी जाएगी। 1 करोड़ 36 लाख 92 हजार 500 रुपये से कुल 8 प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों का निर्माण कार्य कराया जाएगा।

संदीप कुमार बीएसए।

पीयूषकांत श्रीवास्तव डीसी निर्माण।

प्राथमिक स्कूल जलालाबाद द्वितीय का गेट।

- 10 विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षा-कक्ष और 21 दिव्यांग शौचालयों को भी मंजूरी
- जर्जर होने की वजह से पूर्व में गिराए जा चुके हैं विद्यालयों के भवन

किस मद में कितना बजट किया जाएगा खर्च

- 15,35,500 रुपये से 01 प्राथमिक स्कूल बनेगा।
- 29.44 लाख रुपये से 01 यूपीएस के लिए होगा खर्च।
- 1.72 लाख रुपये से 01 दिव्यांग शौचालय बनेगा।
- 11.50 लाख रुपये से अतिरिक्त कक्षा-कक्षा का निर्माण।

थैरेपी कर धन उगाही करने वाले डॉक्टर पर होगी कार्रवाई

कन्नौज। छिबरामऊ के एक गेस्ट हाउस में प्रचार प्रसार कर मरीजों की थैरेपी व उपचार देकर ठीक करने के लिये कैंप लगाया गया। मरीजों से धन उगाही की गई। मामले को जिलाधिकारी ने गंभीरता से लिया और सीएमओ को निर्देश दिये कि वह खुद मामले का संज्ञान लेते हुए संबंधित डाक्टर के खिलाफ कार्रवाई करें।

छिबरामऊ के एक गेस्ट हाउस में शनिवार को कैंप लगा कर मरीजों की थैरेपी कर व दवा देकर ठीक करने की जानकारी पर सैकड़ों मरीज पहुंचे। बताया गया कि टीम के डाक्टर ने सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को जानकारी दी थी कि वह निशुल्क उपचार देंगे। पजब लोग पहुंचे तो रजिस्ट्रेशन के नाम पर 200 रुपये व करीब 800 से 1200 रुपये की दवा खरीदवाई गई। कैंप में 200 से अधिक मरीज पहुंचे थे। तीन दिन के कैंप की न तो परमीशन स्वास्थ्य विभाग से ली गई न ही रजिस्ट्रेशन कराया गया। इससे विभाग के डॉक्टर ने कैंप में लगी मशीनों को कब्जे में ले लिया। मामले को लेकर जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने सीएमओ से खुद इस मामले को देखने को कहा। संबंधित डाक्टर के खिलाफ कार्रवाई को भी कहा।

कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते खिलाड़ी। अमृत विचार

कबड्डी में छिबरामऊ स्पोर्ट्स अकादमी की टीम विजयी

संवाददाता, सौरिख (कन्नौज)

- बालिका वर्ग में खेलो इंडिया सेंटर रेड की टीम जीती

अमृत विचार। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य पर तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता के आखिरी दिन 19 वर्ष से कम आयु वर्ग की कबड्डी में छिबरामऊ स्पोर्ट्स अकादमी ने विश्वनाथ इंटर कालेज को 20-8 और बालिकाओं में खेलो इंडिया सेंटर रेड ने खेलो इंडिया सेंटर ब्लू को 25-17 से हरा दिया।

प्रतियोगिता की शुरूआत मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष राहुल गुप्ता ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर कराई। आखिरी दिन कबड्डी में छिबरामऊ स्पोर्ट्स अकादमी ने विश्वनाथ इंटर कालेज को और बालिकाओं की कबड्डी में खेलो इंडिया सेंटर रेड ने खेलो इंडिया सेंटर ब्लू को हरा दिया। विजेता-उपविजेता टीम को नगर पंचायत अध्यक्ष ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम से पूर्व मुख्य अतिथि ने मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण किया। निर्णायक मंडल में वेदप्रकाश, संजय मिश्रा, बलराम,प्रदीप कुमार, आकाश वर्मा मौजूद रहे। विजेता और उपविजेता खिलाड़ी टीमों और मौजूद लोगों का क्रीड़ाअधिकारी नूर हसन ने अंत में सभी का आभार व्यक्त किया।

मूसलाधार बारिश में भी दिखा भक्तों का उत्साह

छिबरामऊ, कन्नौज। जय बालाजी सेवा समिति इंदिरा आवास कॉलोनी फर्रुखाबाद रोड, छिबरामऊ के तत्वावधान में इस वर्ष 11वां श्री गणेश उत्सव पूरे उत्साह और भक्ति के साथ मनाया जा रहा है। मूसलाधार बारिश के बावजूद पंडाल में भक्तों की भारी भीड़ ने उत्सव की रौनक को और बढ़ा दिया।

मुख्य अतिथि डॉ. अजिता त्रिपाठी ने भगवान श्री गणेश की आरती उतारी। आयोजक सर्वेश कुमार तिवारी को धन्यवाद दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में याशिका रानी तिवारी और किट्टू दीक्षा ने भजन "मस्त जवानी में बुढ़ापा किसने देखा है" पर मनमोहक प्रस्तुति दी।

वहीं, "अमर शहीद" देशभक्ति नाटक में स्पर्श तिवारी, ऋषभ, शिव, प्रांशू, आशू, विभू, राजिक, सूरज, लाला, अमन शर्मा और कृष्णा ने शानदार अभिनय कर तालियां बटोरीं। अनामिका तिवारी, रजनी सक्सेना, मीना मिश्रा और गीता ने अतिथियों को अंग वस्त्र भेंट किए। अध्यक्ष सर्वेश कुमार तिवारी के संचालन में हुए कार्यक्रम में अतिथियों को प्रतीक चिन्ह प्रदान किए गए। अंत में सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया।

नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते युवा शाक्य संगठन के लोग। अमृत विचार

गौतम बुद्ध पार्क के परिवर्तन के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

छिबरामऊ। तहसील पहुंचे युवा शाक्य संगठन ने कानपुर नगर निगम द्वारा गौतम बुद्ध पार्क को शिवालय पार्क में परिवर्तित करने की योजना के विरोध में नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा है। सोमवार को सम्राट हर्ष शाक्य के नेतृत्व में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन में संगठन ने तीन प्रमुख मांगें रखीं है। पहली, गौतम बुद्ध पार्क को शिवालय पार्क में बदलने की योजना पर तत्काल रोक लगाई जाए। संगठन का कहना है कि गौतम बुद्ध पार्क न केवल हरित क्षेत्र है, बल्कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर और भगवान गौतम बुद्ध की विचारधारा का प्रतीक है।

घरेलू विवाद में दंपति को मारपीट कर किया घायल

गुरसहायगंज, कन्नौज। ग्राम तेराजाकेट निवासी मनोज पुत्र रामभरोसे ने कोतवाली पुलिस को दिए शिकायती पत्र में कहा है कि सोमवार की दोपहर लगभग 12 बजे घरेलू विवाद को लेकर उसके परिवार के दो लोग उसके दरवाजे पर आए और गाली गलौज कर मारपीट कर घायल कर दिया। बीच बचाव करने पर उसकी पत्नी रेनू देवी से भी मारपीट की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

यातायात सिपाही पर बस चढ़ाने का प्रयास करता लोनी डिपो की बस का चालक।

रोडवेज बस चालक ने सिपाही को कुचलने का किया प्रयास

कार्यालय संवादादता कन्नौज

अमृत विचार। यातायात सिपाही पर चालक ने रोडवेज बस चढ़ाने का प्रयास किया। सिपाही ने किसी तरह से जान बचाई। चालक के खिलाफ कार्रवाई के लिये लोनी डिपो के एआरएम को पत्र भेजा।

रविवार की शाम जब बारिश हो रही थी तभी सरायमीरा में रोडवेज बस स्टैंड के निकट जीटी रोड पर बस खड़ी कर चालक यात्री बैठा रहा था। इस पर यातायात सिपाही राजेंद्र चौधरी ने कहा कि वह बस को स्टैंड के अंदर ले जाकर सवारी बैठाएं। लोनी डिपो की बस के चालक ने एक न सुनी और जीटी रोड पर ही बस खड़ी कर यात्री बैठाता रहा। जब यातायात सिपाही ने बस का चालान काटने का प्रयास किया तो वह खुद उसका ही वीडियो बनाने लगा। यातायात सिपाही बस के आगे खड़े होकर मोबाइल से बस का चालान करने लगा तो चालक ने बस आगे बढ़ाकर उस पर चढ़ाने का प्रयास किया। इसके बाद सिपाही बस में सवार हो गया पर चालक ने एक न सुनी और उसे उतार कर बस लेकर फरार हो गया। यातायात सिपाही ने मामले की जानकारी यातायात निरीक्षक रविशंकर तिवारी को दी। उच्च अधिकारियों से बात करने के बाद एआरएम लोनी को पत्र भेजा।

एक्सप्रेस-वे पर खड़ी बस से टकराया ट्रक, 6 घायल

संवाददाता सौरिख कन्नौज

- दिल्ली से बलिया जाते समय हुआ हादसा

अमृत विचार। दिल्ली से बलिया जा रही रोडवेज बस थाना क्षेत्र के किलोमीटर संख्या 154 पर पहुंची तभी एक महिला सवारी को लघुशंका के लिए चालक ने पीली पट्टी पर बस खड़ी कर दी। उसी समय पीछे से आ रहे ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। इससे बस में सवार लगभग छह सवारियां मामूली रूप से घायल हो गईं।

आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर रविवार की रात समय 9 बजे बलिया डिपो की रोडवेज बस लेकर चालक गुड्डू पांडे पुत्र अशोक कुमार पांडे निवासी ग्राम राघवपुर थाना रसला जिला बलिया दिल्ली से बलिया जा रहा था। साथ में सहचालक राधेश्याम राम पुत्र दीपचंद राम निवासी मेहनगर थाना महानगर जिला आजमगढ़, परिचालक अजीत कुमार दुबे पुत्र रमेश चंद दुबे निवासी ग्राम जीरा बस्ती थाना सुखपुरा जिला बलिया भी थे। बस में 23 सवारियां थी। महिला सवारी को लघुशंका के लिए चालक ने पीली पट्टी पर गाड़ी खड़ी कर दी। तभी पीछे से ट्रक चालक आमिर पुत्र मोहम्मद मोहम्मद खान निवासी ग्राम बिठूर थाना नसीराबाद जिला अजमेर ने लापरवाही पूर्वक चलाते हुए बस में टक्कर मार दी। इससे बस में सवार लगभग आधा दर्जन सवारियां मामूली रूप से घायल हो गई। ट्रक डामर लोड करके गांधीधाम से गुवाहाटी जा रहा था टक्कर लगने के बाद बस एवं ट्रक क्षतिग्रस्त हो गए। सूचना मिलने पर मनोहर सिंह सुरक्षा अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे।

नियम से चलेंगे ऑटो | चालकों ने की हड़ताल, कोतवाल का फरमान सुन खिसके

ऑटो में 3 सवारी से अधिक मिली तो होगा चालान

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। पालिका की ओर से वसूले जा रहे अधिक टैक्स व पुलिस के उत्पीड़न के विरोध में ऑटो चालक लामबंद हो गये। दोपहर के बाद गैस एजेंसी क्रासिंग के निकट ऑटो खड़े कर हड़ताल की। यातायात निरीक्षक के समझाने पर नहीं माने। कोतवाली प्रभारी पहुंचे और नियम बताये। अगले दिन से तीन सवारी से अधिक मिलने पर चालान काटने को कहा तो चालक हड़ताल समाप्त कर खिसके लिये।

गुरसहायगंज व कन्नौज शहर को चलने वाले ऑटो चालकों ने सोमवार को दोपहर के समय गैस एजेंसी क्रासिंग पर हड़ताल कर दी। नगर पालिका की ओर से स्टैंड के लिये भूमि न उपलब्ध कराने के बाद भी 50 रुपये प्रतिदिन टैक्स वसूलने व पुलिस की ओर से किये जा रहे उत्पीडन का आरोप लगाए। चालक अन्य ऑटो से जा रही सवारियों को भी जबरन उतारने का प्रयास करने लगे। चालकों से कहा कि वह भी हड़ताल का समर्थन करते हुए ऑटो खड़े करदें। हड़ताल की जानकारी यातायात प्रभारी निरीक्षक को हुई तो वह गैस एजेंसी क्रासिंग पर पहुंच गये और ऑटो चालकों को समझाने का प्रयास किया। तब सभी चालक अपनी अपनी समस्या बताने लगे। इससे उनकी समस्या का निदान नहीं हो सका। कोतवाली प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह को जानकारी मिली तो वह भी मौके पर पहुंच गये। उन्होंने जानकारी ली कि यह हड़ताल किस की अगुवाई में हो रही है। किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली। इस पर कोतवाली प्रभारी ने कहा कि खुद नियमों का पालन नहीं कर रहे दूसरे पर आरोप लगा रहे हो। कल से दो सिपाही सरायमीरा में लगा कर आ नियम से ऑटो चलवाये जायेंगे। चालक समेत तीन सवारी से अधिक मिली तो चालान किया जायेगा। कोतवाल की इतनी बात सुनते ही ऑटो चालक मौके से खिसकने लगे। इसके बाद एकएक कर सभी आटो चालक चले गए और हड़ताल समाप्त हो गई।

गैस एजेंसी क्रासिंग के निकट हड़ताल कर रहे आटो चालकों को निर्देश देते कोतवाली प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह व यातायात निरीक्षक। अमृत विचार

- नगर पालिका पर अधिक वसूली व पुलिस पर लगा रहे थे उत्पीड़न के आरोप

छात्रवृत्ति प्रतियोगिता कार्यक्रम घोषित

छिबरामऊ, कन्नौज। एसएन प्रधान फाउंडेशन ने इस वर्ष की जनपद स्तरीय छात्रवृत्ति प्रतियोगिताओं का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। संस्था के निदेशक प्रदीप प्रधान ने बताया कि इस वर्ष प्रतियोगिता अपने 20वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। बताया, 5 अक्टूबर को हाईस्कूल, इंटरमीडिएट और स्नातक स्तर के लिए ओपन एसेसमेंट टेस्ट, 12 अक्टूबर कक्षा 6 से 8 के लिए रचनात्मक लेखन और कक्षा 9 से 12 के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता होगी। वाद-विवाद का परिणाम 12 अक्टूबर, रचनात्मक लेखन का 19 अक्टूबर और ओपन एसेसमेंट टेस्ट का 26 अक्टूबर 2025 को परिणाम घोषित होगा। विजेताओं को 31 अक्टूबर को पुरस्कृत किया जाएगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी विश्वास प्रधान ने बताया कि आवेदन पत्र विद्यालयों और महाविद्यालयों में प्रतिनिधियों के माध्यम से उपलब्ध होंगे।

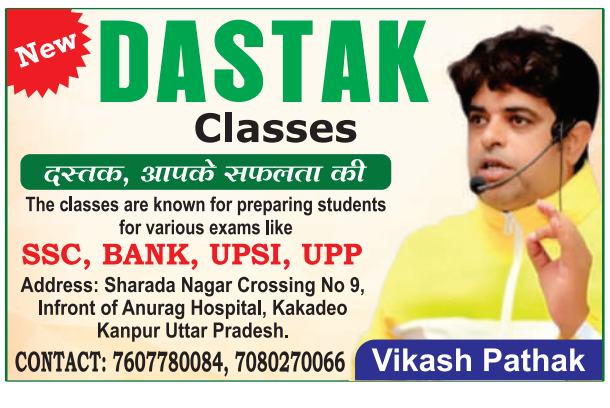

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 2 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

युवक ने फांसी लगा दी जान, परिवार में कोहराम

फर्रुखाबाद। शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला खतराना में एक दुखद घटना सामने आई। यहां 30 वर्षीय तरुण ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। तरुण के पिता अशोक गुलाटी आरएमएस से सेवानिवृत्त लिपिक हैं। तरुण की शादी 7 साल पहले कानपुर में हुई थी। लेकिन 6 महीने पहले उनका तलाक हो गया था। इसके बाद से वह शराब पीने लगे थे। घटना की जानकारी तब मिली जब सुबह 10 .30 बजे तक तरुण अपने कमरे से बाहर नहीं आया। सूचना मिलने पर कोतवाली चैकी इंचार्ज अमित गुप्ता मौके पर पहुंचे। पिता अशोक ने पुलिस को बताया कि उनका बेटा शराब का आदी था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सेवानिवृत्त लिपिक के पुत्र ने दी जान

फर्रुखाबाद। सेवानिवृत्त डाक लिपिक के नशे के आदी पुत्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला खतराना निवासी अशोक गुलाटी आरएमएस के सेवानिवृत्त लिपिक है। उसके 30 वर्षीय पुत्र तरुण का विगत 7 साल पूर्व विवाह हुआ था। गत लगभग 6 माह पूर्व उसका तलाक हो गया, जिससे तरुण शराब पीने का आदी हो गया था। गत रात उसने कमरे में गमछे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह लगभग 10 .30 बजे जब उसने दरवाजा नही खोला तो परिजनों ने दरवाजा तोड़ दिया। जब दरवाजा तोड़ा तो वरुण फांसी के फंदे पर लटक रहा था। परिजन शव के अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे उसी दौरान घुमना चैकी प्रभारी अमित गुप्ता मौके पर आ गये और विधिक कार्रवाई की।

नाबालिग से दुष्कर्म में दो आरोपी गिरफ्तार

फर्रुखाबाद। कम्पिल थाना क्षेत्र में पुलिस ने गत दिन नाबालिक से दुष्कर्म वाले दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। गत दिन नाबालिक लड़की खेत में शौच के लिए गई थी, नितिन पुत्र रघुवीर लोधी तथा श्रवण उर्फ सौरभ पुत्र ज्ञान चंद ने उसके साथ दुष्कर्म किया था। कम्पिल थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर दोनों को न्यायालय के माध्यम से जेल भेज दिया है।

सड़कें बनीं तालाब जन-जीवन बेहाल

फर्रुखाबाद। जनपद में रविवार को हुई मूसलाधार बरसात के बाद सोमवार दोपहर बाद एक बार फिर से मूसलाधार बारिश होने से शहर तरबतर हो गया। शहर की सड़कों पर तालाब सा नजारा नजर आया। राहगीरों को पानी के घुसकर निकलना पड़ा। कई राहगीर वाहनों सहित सड़क पर गिर भी गये।

एफएलएन प्रथम बैच का प्रशिक्षण सम्पन्न

जलालाबाद। अमृत विचार। ब्लॉक संसाधन केन्द्र जलालाबाद में चल रहे पांच दिवसीय प्रथम बैच के एफएलएन व एनसीआरटी पाठ्य पुस्तकों पर आधारित प्रशिक्षण का समापन किया गया। जिसमें एआरपी राकेश कुमार, रंजना पाठक व संदर्भदाताओं ने ऑनलाइन क्विज कराया। इसमें प्रथम स्थान पर शिक्षिका निशु सिंह, द्वितीय स्थान पर मनीषा यादव, तृतीय स्थान पर ताहिर अली रहे। संदर्भदाताओं ने विजेता शिक्षक शिक्षकों का उत्साहवर्धन कर निपुण शपथ दिलाई गई। संदर्भदाता पंकज त्रिवेदी, जसकरन, शिक्षक मुकेश कुमार, ऐश्वर्य प्रताप, रवि प्रताप, अंजली वर्मा, प्रमिला गौतम, रवि प्रताप सिंह, रोहित द्विवेदी, ज्योति चंद्रा कीर्ति, शर्मिला कुशवाहा, दीपा दुबे, रितिका श्रीवास्तव, अंजलि आदि मौजूद रहे।

17 बच्चे सौ फीसदी आए स्कूल, मिला स्टार ऑफ द मंथ

कन्नौज। जिले के कई परिषदीय स्कूल ऐसे हैं जहां कुछ बच्चे हर रोज पढ़ने पहुंचते हैं। शिक्षक बच्चों का मनोबल बढ़ाने के लिए कई प्रयोग करते हैं। साथ ही उनको पुरस्कृत भी किया जाएगा। ऐसे ही उमर्दा विकास खंड क्षेत्र के प्राथमिक स्कूल हरीपुर्वा में 17 छात्र-छात्राओं को स्टार ऑफ द मंथ दिया गया। अंग्रेजी माध्यम प्राथमिक स्कूल हरीपुर्वा के प्रधानाध्यापक प्रदीप वर्मा ने बताया कि अगस्त में 100 फीसदी हाजिरी होने पर बच्चों को स्टार ऑफ द मंथ से सम्मानित किया गया। इसमें कक्षा एक में आयुष व रंश, कक्षा दो में भूमिका व श्रद्धा, कक्षा तीन में सोनाक्षी व प्रांशी, कक्षा चार में खुशी, दिव्या, रोहिणी, सागर, शैलेष, सतेंद्र व आरजू और कक्षा पांच में परी, सुहानी, अक्षिता व अर्पित शामिल हैं। बीएसए संदीप कुमार ने बताया कि प्राथमिक, जूनियर व कंपोजिट विद्यालयों को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य करने वाले अध्यापक सम्मानित किए जाएंगे।

गंगा में समाया घर। अमृत विचार

जानकारी देता पीड़ित परिवार। अमृत विचार

मूसलाधार बरसात ने बढ़ाई बाढ़ पीड़ितों की मुसीबतें, बह रहे मकान

एक माह से जिले में जारी है बाढ़ का प्रकोप, 10 से अधिक बिजली के खंभे भी गिरे

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

15 से अधिक मकान सदर तहसील के गांव मडैया में बह गए

15 सेंटी मीटर ऊपर बह रही राम गंगा से परेशानी

अमृत विचार। फर्रुखाबाद में बाढ़ का प्रकोप एक माह से जारी है। दो दिनों से हो रही मूसलाधार बरसात ने बाढ़ पीड़ितों की मुसीबतें और बढ़ा दी हैं। गंगा नदी खतरे के निशान से 15 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। बाढ़ से 162 गांव प्रभावित हुए हैं।

सदर तहसील के गांव पंखियन की मडैया में कटान से 15 से अधिक मकान बह गए हैं। प्रभावित लोग शरणालय में हैं। गांव इस समय चारों तरफ से पानी से घिरा हुआ है। कटान की आशंका को देखते हुए ग्रामीणों ने पहले ही अपने घरों को खाली कर दिया था। बड़ी संख्या में लोग शरणालय में रह रहे हैं। कुछ ग्रामीण अभी भी गांव में हैं, जो अपना बचा हुआ सामान सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रहे हैं। इसी तहसील के ठटा गांव में भी गंगा का कटान हो रहा है। यहां कई मकान नदी में समा चुके हैं। गांव को जोड़ने वाली सड़क भी नदी की चपेट में आ गई है। स्थानीय प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। सोमवार को अमृतपुर तहसील क्षेत्र में तेज हवाओं के कारण हाईवे पर एक पेड़ गिर गया। इस घटना में 10 बिजली के खंभे भी गिर गए, जिससे क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। गांव में बारिश का पानी भर जाने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पॉलिथीन में रखा सामान बारिश के पानी से भीग रहा है। कायमगंज तहसील के कम्पिल क्षेत्र में कई गांवों की सड़कें कट गई हैं। लोगों ने लोहे के पाइप लगाकर अस्थाई व्यवस्था की है। कम्पिल-इकलहरा मार्ग तीन स्थानों पर कटा हुआ है। शमशाबाद ब्लॉक में बल्लू बेहटा में दो दिन से कटान हो रहा था। वर्षों पुराना पेड़ गंगा में समा गया। सामुदायिक शौचालय, गंगा चबूतरा और कुछ मकान भी नदी में बह गए।

तेज बारिश से गिरी मकान की छत, सामान दबा

- **अमृतपुर।** थाना क्षेत्र के ग्राम नगला हूसा में बीती रात एक पक्के मकान की छत लगातार बारिश के चलते गिर पड़ी। जिससे उसमें रखा हुआ घरेलू सामान बर्तन कपड़े बक्सा अलमारी चावल गेहूं आटा आदि सब कुछ दब गया। गनीमत रही कि उस समय परिवार का कोई सदस्य उस कमरे में मौजूद नहीं था। मकान मालिक धर्मेंद्र पुत्र रामसागर ने बताया कि उनकी बेटी रेशमा की शादी होनी है। जिसकी तैयारी धीरे धीरे शुरू कर दी है। शादी का कुछ सामान खरीद कर कमरे मे रखा था। कमरे की छत गिरने से कमरे में रखा हुआ घरेलू सामान क्षतिग्रस्त हो गया। मकान गिरने की सूचना राजस्व विभाग को दी गई।

एनडीआरएफ ने छात्रों को दी आपदा प्रबंधन की ट्रेनिग

फर्रुखाबाद। डीएम के निदेशानुसार राजकीय इंटर कालेज फर्रुखाबाद में एनडीआरएफ की बटालियन द्वारा छात्रों और शिक्षकों को आपदा प्रबंधन के विभिन्न तरीकों से अवगत कराया। एनडीआरएफ की बटालियन की निरीक्षक रश्मि के नेतृत्व में बटालियन की टीम द्वारा आपदा के समय किस प्रकार आपदा में फंसे किसी भी व्यक्ति को कैसे त्वरित सहायता कर सकते हैं जैसे भूकंप के समय, बाढ़ के समय, किसी को चोट लगने पर खून का रिसाब नहीं बंद हो रहा है या हार्ट अटैक आने की स्थिति में हम कैसे स्वयं को सुरक्षित रह सकते हैं। दूसरों की कैसे सहायता कर सकते हैं के बारे में बताया। एनडीआरएफ का मुख्य कार्य आपदाओं के दौरान विशेष प्रतिक्रिया प्रदान करना है। सामान्य परिस्थितियों के दौरान एनडीआरएफ कठोर प्रशिक्षण नियमित अभ्यास और मॉक ड्रिल के माध्यम से अपने कौशल को उन्नत करता है। कुछ छात्रों ने प्रदर्शन के दौरान यह सब क्रियाएं छात्रों की टीम बनाकर आपस में प्रयोग करके सीखी। सभी छात्रों को यह संकल्प दिलाया कि अब वह किसी आपदा के दौरान किसी की सहायता किस प्रकार करोगे जितनी भी सहायता आपदा में फंसे व्यक्ति की हम कर सकते हैं उतनी करनी चाहिए। अंत में प्रधानाचार्य ने निरीक्षक रश्मि और उनकी टीम का आभार जताया।

20 परीक्षा केंद्रों में होगी पीईटी, डीएम ने की बैठक

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

अमृत विचार। डीएम आशुतोष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार फतेहगढ़ में 6 व 7 सितंबर को होने वाली प्रारंभिक अहर्ता परीक्षा (पीईटी) 2025 की तैयारियों की समीक्षा व परीक्षा में लगाये गये सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक, केंद्र पर्यवेक्षक की बैठक की गई।

परीक्षा में कुल 20 परीक्षा केंद्र बनाये गये हैं, परीक्षा दो पालियों में होगी। प्रथम पाली की परीक्षा सुबह 10 बजे व द्वितीय पाली की परीक्षा अपराह्न तीन बजे से शुरू होगी। निगरानी के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक, केंद्र पर्यवेक्षक को आयोग के दिशा निर्देशों से अवगग कराया गया। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि परीक्षा केंद्र के अंदर कोई भी मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट, स्मार्टवॉच, हैंडबैग नही जायेगा, परीक्षा केंद्र के अंदर कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति प्रवेश नही करेगा, सभी लगाए गए अधिकारी व कर्मचारियों को आई कार्ड जारी किया जायेगा, सभी परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर तक फोटोकॉपी की दुकान व साइबर कैफे बंद रहेंगे, सभी सेक्टर व स्टेटिक मजिस्ट्रेट व केंद्र व्यवस्थापक निर्देश पुस्तिका का विधिवत अध्ययन कर लें। डीएम द्वारा एआरएम रोडवेज को निर्देशित किया कि परीक्षार्थियों हेतु पर्याप्त मात्रा में बसों का संचालन किया जाये, ट्रैफिक इंस्पेक्टर को ट्रैफिक की व्यवस्था सही रखने के लिये निर्देशित किया गया, कही भी जाम की स्थिति न आये। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, अपर पुलिस अधीक्षक, सभी उपजिलाधिकारी आदि मौजूद रहे।

बैठक में मौजूद डीएम आशुतोष कुमार द्विवेदी व अन्य अधिकारी। अमृत विचार

बिना हेलमेट पेट्रोल भराने वालों पर सख्ती

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

अमृत विचार। नो हेलमेट, नो पेट्रोल के तहत पुनः सख्ती शुरू कर दी गई है। 30 सितंबर तक अभियान चलाकर प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी हेलमेट की अनिवार्यता के प्रति चालकों को जागरूक करेंगे। व्यवस्था बनी रहे, इसके लिए पंप स्वामियों से भी सहयोग की अपील की गई है। आदेश का पालन करानें के लिए अधिकारी सड़क पर निकले और बिना हेलमेट पेट्रोल लेनें आनें वाले बाइक सबारों के चालान किये।

सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) प्रवर्तन सुभाष चन्द्र राजपूत, यातायात प्रभारी सतेन्द्र कुमार व क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी अनिल कुमार यादव, पूर्ति विभाग के वरिष्ठ सहायक राजीव कुमार आदि के साथ पेट्रोल पम्पों पर छापेमारी कीद्य जिसमे बिना हेलमेट पेट्रोल लेनें आये बाइक सबारों पर चालान की कार्यवाही की गयीद्य कुल 28 चालान कर 85 हजार का जुर्माना लगाया गया।

विश्वनाथ कादरीगेट व्यापार मंडल के अध्यक्ष बने

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

अमृत विचार। सोमवार की अपरान्ह दो बजे फेडरेशन ऑफ आल इण्डिया व्यापार मण्डल, फर्रुखाबाद ने अपने संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूती देने की दिशा में एक और अहम कदम उठाते हुये संगठन ने फर्रुखाबाद के कादरीगेट चैराहा के विश्वनाथ गुप्ता उर्फ दीपू के प्रतिष्ठान पर एक बैठक कर विश्वनाथ गुप्ता जी उर्फ दीपू को कादरीगेट व्यापार मण्डल अध्यक्ष, अमित दुवे - वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अखिलेश सिंह चैहान-उपाध्यक्ष, विशुनदत्त मिश्रा-उपाध्यक्ष, दीपक शुक्ला उपाध्यक्ष, सुप्रम गुप्ता (गोलू) - कोषाध्यक्ष प्रदीप राठौर-महामंत्री, अमन अवस्थी उर्फ शिवा संगठन मंत्री, अमन गुप्ता-मंत्री, अखिलेश कुमार मिश्रा मंत्री, सिद्धांत गुप्ता-मंत्री, राजवीर गुप्ता को मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी।

कादरीगेट व्यापार मंडल कार्यकारिणी के पदाधिकारी। अमृत विचार

उपरोक्त सभी नये पदाधिकारियों ने सौपे गये पदों की पूर्ण जिम्मेदारी पूर्ण निष्ठा के साथ निर्वहन करने की शपथ ली। इस शुभ अवसर पर जिलाध्यक्ष श्री मनोज मिश्रा ने नव नियुक्त समस्त पदाधिकारियों को बधाई एवं धन्यवाद दिया। उक्त अवसर पर अनूप गुप्ता वरिष्ठ महामंत्री, विमलेश मिश्रा-महामंत्री, संजीव वर्मा-उपाध्यक्ष व मीडिया प्रभारी, मनोज दीक्षित मंत्री, गोपाल सिंह राठौर-मंत्री, शिखर गुप्ता-मंत्री के अलावा कादरीगेट चैराहा के आस-पास के अनेकों व्यापारी उपस्थित रहे तभा कादरीगेट व्यापार मण्डल की नयी टीम को बधाई दी।

बिहार से खरीद कर लाई गई किशोरी मिली

फर्रुखाबाद। नवाबगंज के मोहल्ला चंदनी में सोमवार सुबह सात बजे एक अनजान किशोरी को लोगों ने घूमते देखा। स्थानीय लोगों ने किशोरी से पूछताछ की। किशोरी ने बताया कि एक माह पहले उसे पटना, बिहार से नगला दमू गांव का एक युवक खरीदकर लाया था। किशोरी सोमवार को युवक के घर से भागकर चंदनी गांव पहुंच गई थी। स्थानीय लोगों ने इस मामले की सूचना पुलिस को दी। कस्बा प्रभारी गिरीश कुमार के अनुसार, पुलिस ने नगला दमू निवासी आरोपी युवक और उसके साथी को थाने बुलाकर पूछताछ शुरू कर दी है।

श्रेयस बने रालोद के कानपुर मंडल क्षेत्रीय उपाध्यक्ष

श्रेयस द्विवेदी।

छिबरामऊ। आवास विकास कॉलोनी निवासी श्रेयश द्विवेदी ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ रालोद जिलाध्यक्ष अतुल शर्मा की उपस्थिति में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने उन्हें कानपुर मंडल के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष का पदभार सौंपा। रमेश शर्मा, अभिजीत यादव, राजेश शर्मा, सोनू गुप्ता, विनीत अग्निहोत्री, पुनीत दुबे, डॉ रजनीश दुबे, अंकित दुबे, हिमांशु चौहान, पारस चतुर्वेदी, बॉबी यादव, अंकुर गुप्ता, विकास कश्यप, चरण सिंह, पवन यादव, पवन कुमार दुबे, मनीष शर्मा, अंबर दुबे मौजूद रहे।

फर्जी गेमिंग एप के गिरोह के चार और आरोपी दबोचे

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- **गिरोह के यह सदस्य भी एप के तहत सभालते थे काम**

आशीष प्रताप।

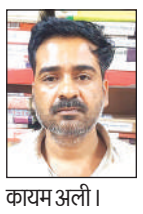

कायम अली।

- **गिरोह के मुख्य आरोपी हाफिज की तलाश कर रही पुलिस**

सत्यम चौबे।

मनमोहित।

अमृत विचार। फर्जी गेमिंग ऐप गिरोह के चार और सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट में अग्रिम जमानत के लिये आया मास्टर माइंड हफीज का भाई भी गिरफ्तार किया गया है। इस के अलावा तीन अन्य आरोपी भी गिरफ्तार किये गये हैं। चारों पैनल और किट होल्डर का काम देखते थे। सदर कोतवाली पुलिस और एसआईटी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। एसपी विनोद कुमार ने बताया कि गिरोह ने उत्तराखण्ड व जबलपुर में भी कुछ अकाउंट खोले हैं।

कन्नौज कोतवाली पुलिस व एसआईटी टीम को फर्जी गेमिंग ऐप गिरोह के चार और सदस्य मिल गये हैं। पुलिस ने इनको गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार कोर्ट में अग्रिम जमानत के लिये आया गेमिंग एप का मास्टर माइंड गोडा निवासी हफीज के भाई कायम अली को गिरफ्तार कर लिया। इसके अलावा पुलिस ने अलीगढ़ निवासी मनमोहित, देवरिया निवासी सत्यम चौबे, कुशीनगर निवासी आशीष प्रताप को भी गिरफ्तार किया गया है। यह चारों पैनल और किट होल्डर के कामकाज की देखरेख करते थे। सदर कोतवाली पुलिस और एसआईटी ने पकड़े गये इन चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया। इसके बाद सभी को जेल भेज दिया गया। एसपी ने बताया कि उक्त गिरोह ने उत्तराखण्ड पर जबलपुर में भी कुछ अकाउंट खोले हैं। बताया कि गोंडा निवासी हफीज का करीव एक एकड़ भूमि पर आलीशान बंगला बना है। इस में ऐशोआराम का सारा इंतजाम है। फार्म हाउस की तरह बने इस बंगले को देखते ही लोगों की आंखे फटी रह जाती हैं। कई करोड की लागत से इस बंगले को बनाया गया है। एसपी की माने तो यह बंगला गेमिंग एप के माध्यम से अर्जित की गई संपत्ति से तैयार किया गया है। इन लोगों की र से गेमिंग के माध्यम से मिलने वाले रुपयों को विदेशों में भी खातों के माध्यम से भेजा जाता था। पुलिस अब मुख्य आरोपी गोण्डा निवासी हाफिज की गिरफ्तारी करने का प्रयास कर रही है। लेकिन पुलिस को अभी तक उसका कोई सुराग नहीं मिल रहा है।

मृतकों के परिजनों को पूर्व विधायक ने बंधाया ढांढस

संवाददाता गुरसहायगंज, कन्नौज

अमृत विचार। खेत में भैस चरा रहे युवक और भैंस की मौत के बाद पूर्व विधायक ने घर पहुंचकर परिजनों को ढांढस बधाया।

सोमवार को पूर्व विधायक अरविंद सिंह यादव ने ग्राम निजामपुर निवासी मृतक कल्याण सिंह (28) पुत्र रामविलास सिंह के घर पहुंच कर शोक संवेदना व्यक्त की। सरकार से मांग की कि पीड़ित परिवार को 20 लाख रुपये का मुआवजा मिले। गुरसहायगंज के नगर उपाध्यक्ष सलीम खान की माता के निधन पर भी पूर्व विधायक ने आवास पर पहुंच कर शोक संवेदना व्यक्त की। बंटू यादव, अमन खान, अजीम खान, अर्पित शुक्ला, मंगली यादव, जय गुरुदेव, अंकुर सिंह यादव, सलीम खान, मुकीम खान मौजूद रहे।

बिजली गिरने से युवक झुलसा, बकरियां मरीं

- **कन्नौज।** भाऊलपुर क्षेत्र के गांव तरिद में रविवार की शाम करीव पांच बजे खेत में चर रही पांच बकरियों की मौत हो गई व युवक झुलस गया। तरिद के प्रधान शानू मिश्रा ने बताया कि लगभग 5 बजे शाम को बारिश होने के दौरान खेतों में बिजली गिर गई। इस की चपेट में आने से गांव निवाली मुन्नू बॉथम की दो बकरियां मर गई।

तैयारी | 6 व 7 सितंबर को दो-दो पालियों में होगी प्रारंभिक अर्हता परीक्षा

17 केंद्रों पर होगी पीईटी, बैठेंगे साढ़े 26 हजार परीक्षार्थी

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। जनपद में 06 व 07 सितंबर को होने वाली प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) निकलविहीन व शांतिपूर्वक संपन्न कराई जाएगी। इसके लिए 17 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। दो दिन तक दो-दो पालियों में चलने वाली परीक्षा में कुल 26,496 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं।

एडीएम वित्त एवं राजस्व आशीष सिंह ने बताया कि परीक्षा की तैयारियों को लेकर 02 सितंबर को दोपहर साढ़े 12 बजे कलेक्ट्रेट के गांधी सभागार में डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री की अध्यक्षता में बैठक होगी। इसमें एएसपी, सभी एसडीएम, डीआईओएस, वरिष्ठ कोषाधिकारी, सेक्टर व स्टेटिक मजिस्ट्रेट, कार्यदायी संस्था के जिला प्रबंधक व सुरक्षा प्रतिनिधि व सभी केंद्र व्यवस्थापक शामिल होंगे। एडीएम ने बताया कि पहली पाली की परीक्षा सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली का इम्तिहान दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक होगा। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर दो-दो अधिकारी स्टेटिक व सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात कर दिए गए हैं।

ये बने परीक्षा केंद्र : कन्नौज। दो दिनों तक चलने वाली पीईटी के लिए आशा पब्लिक स्कूल तिर्वा रोड वैसापुर पट्टी, क्रिस्तु ज्योति अकादमी जलालपुर पनवारा, जेपी बालिका इंटर कॉलेज मोहल्ला मीरवैश्य टोला, जेपीएस जीटी रोड के निकट, केके इंटर कॉलेज ग्वाल मैदान, कन्नौज पब्लिक स्कूल मानपुर रोड, कानपुर पब्लिक स्कूल पुलिस लाइन रोड, मुस्लिम मोहम्मदिया इंटर कॉलेज काजीटोला, पीएसएम पीजी कॉलेज मकरंदनगर, राजकीय महिला महाविद्यालय चौधरी सराय बांगर, एसबीएस इंटर कॉलेज मकरंदनगर, गोमती देवी बालिका इंटर कॉलेज मकरंदनगर, सेंट जेवियर्स सीनियर सेकेंड्री स्कूल पुलिस लाइन, सुशीला देवी बालिका इंटर कॉलेज मोहल्ला बुधवारी, जेपी एजुकेशन अकादमी गुरसहायगंज, डीएन इंटर कॉलेज तिर्वा व किसान इंटर कॉलेज तिर्वा को परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

डीएम की बैठक में नहीं पहुंचे डीएसओ, जताई नाराजगी

- **कन्नौज।** कलेक्ट्रेट के गांधी सभागार में डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने गो-आश्रय स्थल, स्वच्छ भारत मिशन एवं जीरो पॉवर्टी अभियान की बैठक की। जीरो पॉवर्टी अभियान की समीक्षा में डीएसओ राजीव मिश्र के अनुपस्थित होने पर डीएम नाराज हुए। साथ ही बीते महीने आवारा पशुओं को पकड़ने की धीमी प्रगति पर डीएम ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि बैठकें अधिकारी स्तर पर होती हैं, अधीनस्थ को भेजने की प्रथा समाप्त की जाए। अधिकारी स्वयं तैयारी के साथ आएं। डीएम ने सीवीओ डॉ. अनिल कुमार को निर्देश दिए कि आवारा पशुओं को पकड़ने पर विशेष ध्यान दें। अब तक 52 गौशालाओं में सीसीटीवी कैमरे लग चुके हैं शेष गौशालाओं में भी कैमरे जल्द लगाने को कहा। कान्हा गौशाला खैरनगर की मरम्मत के लिए कार्ययोजना तत्काल बनाने तथा सहभागिता योजना में धनराशि लेने से इंकार करने वाले लाभार्थियों की सूची अगले दिन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने आईजीआरएस प्रकरणों में जनता से संवाद कर समस्याओं का निदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कोई भी अधिकारी उद्घाटन कर श्रेय लेने का प्रयास न करे, बल्कि ईमानदारी व लगन से कार्य करने पर ध्यान दें। साथ ही चेतावनी दी कि किसी भी सीएचसी/ पीएचसी पर झोलाछाप डॉक्टर नहीं मिलने चाहिए। हर दशा में चिकित्सा व्यवस्था बेहतर हो।

आंधी व पानी से 33 हजार लाइन में फाल्ट

संवाददाता जलालाबाद, कन्नौज

अमृत विचार। जोरदार बारिश होने से 33 हजार में लाइन में लगे इंसुलेटर में फाल्ट आ गया। इससे तीनों फीडरों की सप्लाई बाधित हो गई। कड़ी मशक्कत के बाद विद्युत कर्मियों ने रात लगभग 2:15 बजे विद्युत आपूर्ति को वहाल की।

रविवार शाम 5.30 बजे हवा के साथ जोरदार बारिश से 33 हजार में लाइन के पोल में लगे इंसुलेटर में फॉल्ट आ गया। इससे तीन फीडर गुगरापुर, चियासर, कुसुमखोर के लगभग 120 गांव में 11 घंटे विद्युत आपूर्ति बाधित रही। ग्राम जलालाबाद तरपुरवा, बल्लूपुरवा, सफियापुर, मूसरि, चियासर, बड़ौरा, अंबरपुरवा, बदनापुर, राजूपुर, कुसुमखोर, बिचपुरिया सहित करीब 120 गांव प्रभावित रहे। रात में चलने वाले कारखाने भी बंद रहे। विद्युत कर्मियों ने लगभग 11 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद रात लगभग 2:15 बजे विद्युत आपूर्ति को सुचारु हो सकी। गुगरापुर के जेई सुनील सिंह ने बताया कि तेज हवा व बारिश के चलते फाल्ट आ गया था। विद्युत कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद लाइन को चालू कर दिया। इस दौरान विद्युत लाइनमैन संजीव कुमार उर्फ लवलू, महताब, सुदामा, होरी मौजूद रहे।

33 हजार लाइन की मरम्मत के लिए रात में डबल पोल पर चढ़ते विद्युत कर्मी।

प्रोजेक्ट अलंकार योजना से बेहतर हो रहे माध्यमिक स्कूल

कन्नौज। डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष में प्रोजेक्ट अलंकार योजना को लेकर बैठक की। निर्देश दिए कि माध्यमिक विद्यालयों में स्वच्छ शौचालय, पेयजल, विद्यालय का सुंदरीकरण तथा बच्चों के बैठने के बेहतर इंतजाम होने चाहिए।

सोमवार को उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2021-22 एवं 2022-23 के अनुरक्षण कार्य तथा 2024-25 में 15 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के बाउण्ड्रीवाल के निर्माण कार्य को सितंबर में ही पूरा कर लिया जाए। बैठक में बताया गया कि 2023-24 के 09 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में पेयजल सुविधा का कार्य पूर्ण हो चुका है, शीघ्र ही हस्तगत कर लिया जाएगा। माध्यमिक विद्यालयों में अवस्थापना सुविधाओं के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में नवीन 03 प्रस्ताव तैयार कर लिए गए हैं, जिसे जल्द ही शासन को भेजे जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

मालगाड़ी से कटे युवक की हुई शिनाख्त

इकदिल। डीएफसी रेलवे लाइन पर स्टेशन के पास मालगाड़ी से कटकर युवक की मौत हो गई थी। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मृतक युवक क्रीम रंग की धारीदार शर्ट और नीले रंग की लोअर पहने हुए था। हादसे में उसका सिर धड़ से अलग हो गया था।सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। आसपास के लोगों से शिनाख्त कराने की कोशिश की गई, लेकिन सफलता नहीं मिली। बाद में सोशल मीडिया पर फोटो वायरल होने के बाद युवक की पहचान उसके चाचा अरुण ने की। उन्होंने मृतक को अपने 30 वर्षीय भतीजे सुमित नारायण पुत्र राधेश्याम निवासी नया नगला के रूप में पहचाना। चाचा ने बताया कि रविवार सुबह सुमित अपनी बड़ी बहन लक्ष्मी के घर, भरथना के गांव सराय चौरी गया था। बहन के घर से लौटते समय यह हादसा हुआ। सुमित चार भाइयों में मंझला बेटा था। उसकी शादी नौ साल पहले बकेवर के गांव नगला बनी, लखना के पास हुई थी। उसके दो बेटे और एक बेटी हैं। मजदूरी कर वह परिवार का भरण-पोषण करता था।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत बालिका बरामद

इटावा। थाना सिविल लाइन पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत नाबालिग बालिका को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपर्द किया। जानकारी के अनुसार पूजा पत्नी विजय कुमार निवासी बालाजीपुरम कालोनी लुहन्ना चौराहा थाना सिविल लाइन हाल पता आवास विकास कॉलोनी सिविल लाइन ने थाना सिविल लाइन में पर सूचना दी कि उसकी पुत्री मान्यता उर्फ टुकटुक 7 वर्ष सुबह घर से गुस्से में बिना बताये कहीं चली गयी। थाना सिविल लाइन पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत कार्यवाही करते हुये नाबालिग बालिका को बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

दो मुख्य आरक्षी हुए सेवानिवृत्त, विदाई दी

इटावा। जनपद में तैनात मुख्य आरक्षी राकेश चन्द्र व सुनील कुमार सचान अपनी अधिवर्षता आयु पूर्ण कर पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर पुलिस लाइन सभागार में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। एसएसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक अपराध सुबोध गौतम ने मुख्य आरक्षी राकेश चन्द्र व सुनील कुमार को अंग वस्त्र देकर व माल्यार्पण कर सम्मानित किया तथा प्रशस्ति पत्र व उपहार भेंट कर उनके सुखमय जीवन की कामना की। इस दौरान अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रधानाध्यापक ने की बैंक प्रबंधक की सराहना

महेवा। खाता न खुलने की वजह से अभी तक कई सरकारी योजनाओं का लाभ न ले पाने की बात प्रधानाध्यापक को बताने पर छात्रा का बैंक प्रबंधक द्वारा मात्र एक घंटे में खाता खोल दिया। प्राप्त विवरण के अनुसार उच्च प्राथमिक स्कूल लुधियानी की छात्रा अनन्या गुप्ता पुत्री अरविंद गुप्ता का खाता बैंक में नहीं खुल पा रहा था यह बात उसने स्कूल की हेड रेनू त्रिपाठी को बताई तो वह छात्रा व उसके पिता को लेकर उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक लुधियानी पहुंची जहां बैंक प्रबंधक बी एल मीणा ने मात्र एक घंटे में उक्त छात्रा का खाता खोल दिया। स्कूल की प्रधानाध्यापक रेनू त्रिपाठी व छात्रा के पिता द्वारा बैंक प्रबंधक के इस कार्य की प्रसंशा की है।

भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ प्रदर्शन करने पहुंचे जिलाध्यक्ष अन्नू गुप्ता। अमृत विचार

प्रदर्शन करने पहुंचीं विधायक सरिता भदौरिया।

कांग्रेस कार्यालय की छत पर मौजद कांग्रेसी कार्यकर्ता। अमृत विचार

भाजपा और कांग्रेस में जमकर हुआ पथराव

पीएम मोदी की मां के प्रति अभद्र टिप्पणी करने पर भड़के भाजपाई, दोनों तरफ से हुए घायल

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां के प्रति कांग्रेस नेता द्वारा अभद्र टिप्पणी करने के मामले में भाजपा नेताओं ने प्रर्दशन किया। वहीं कांग्रेस नेता भी अपने कार्यलय पर एकत्र हो गए। दोनों दलों की ओर से पहले एक दूसरे के विरुद्ध नारेबाजी की गई। उसके बाद दोनों दलों की ओर से जमकर पथराव भी हुआ ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां के प्रति अपमान जनक टिप्पणी को लेकर भाजपा नेताओं ने कांग्रेस कार्यालय में घुसने का प्रयास किया लेकिन प्रशासन की मुस्तैदी से ऐसा नहीं हो सका तो भाजपाइयों ने नगर पालिका के पास प्रदर्शन कर राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी की और नगर पालिका स्थित कांग्रेस कार्यालय को घेर लिया।

सिटी मजिस्ट्रेट राज बहादुर, एडीएम अभिरंजन श्रीवास्तव, एसडीएम विक्रम राघव, सीओ अभय नारायण सिंह, शहर कोतवाल यशवंत सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और कांग्रेस नेताओं को उनके कार्यालय पर रोक दिया और भाजपा नेताओं को नगर पालिका में जाने को कहा। इसी बीच दोनों दलों के बीच नारेबाजी होने लगी और देखते ही देखते दोनों ओर से जोरदार पत्थरबाजी शुरू हो गई। दोनों दलों ने एक दूसरे पर पथराव का आरोप लगाया। दोनों ओर से कुछ लोगों के मामूली चोटें आईं। भाजपा जिलाध्यक्ष अन्नू गुप्ता, सदर विधायक सरिता भदौरिया, पूर्व विधायक सावित्री कठेरिया, प्रशांत चौबे, अंशुल दुबे, शिव महेश दुबे, कृपा नारायण तिवारी, बिरला शाक्य, रोहित शाक्य, शरद बाजपेई, नीतू मिश्रा सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता और कार्यकर्ता मौके पर मौजूद रहे। वहीं पुलिस ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष आशुतोष दीक्षित, शहर अध्यक्ष मो. राशिद खान, मलखान सिंह, कोमल सिंह कुशवाहा, पल्लव दुबे सहित करीब एक दर्जन नेताओं को हिरासत में ले लिया।

भाजपा की सदर विधायक सरिता भदौरिया और जिलाध्यक्ष अन्नू गुप्ता समेत भाजपा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एसएसपी ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव से मिलकर कांग्रेसियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की। वहीं कांग्रेस प्रवक्ता वाचस्पति दुबे ने कहा कि भाजपा के बड़े नेता कांग्रेस के नेताओं का अपमान करते रहते है उनके खिलाफ भी कार्यवाही हो। पथराव में कांग्रेस शहर अध्यक्ष मो. राशिद के भी चोटें आई। सदर विधायक सरिता भदौरिया ने आरोप लगाया कि वह भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं के साथ नगर पालिका के पास शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे तभी कांग्रेसियों ने गाली गलौज कर पथराव कर दिया।

तालाब में मगरमच्छ की सूचना से मचा हड़कंप

संवाददाता बसरेहर इटावा

- बिठौली गंगापुरा का मामला, मौके पर पहुंचे वन दरोगा ने गांवों का किया भ्रमण
- वन दरोगा ने ग्रामीणों से स्वंय सावधान रहने व जानवरों को पानी से दूर रखने को कहा

अमृत विचार। क्षेत्र के बिठौली गंगापुरा तालाब में मगरमच्छ दिखाई देने की सूचना मिलने पर दारोगा वन विभाग बसरेहर ने मौकेपर पहुंच कर क्षेत्र का निरीक्षण । ग्रामीणों से बातचीत करते हुए उन्होंने सभी से सावधानी पूर्वक रहने और बच्चों तथा पशुओं की सुरक्षा का ध्यान रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पानी वाली जगह पर जहां कहीं भी जायें तो अच्छी तरह से देख सुनकर ही जायें। ताकि कोई अप्रिय घटना न घट सके।

तालाब के आसपास रहने वाले ग्रामीणों ने बताया कि हाल ही में तालाब में अचानक मगरमच्छ दिखाई दिया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों ने तालाब के आसपास आने-जाने वाले लोगों से सतर्क रहने और किसी भी अजीब या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत वन विभाग या स्थानीय पुलिस को देने का आग्रह किया। इस मौके पर वन सेक्शन अधिकारी बसरेहर सहदेश कुमार भी मौजूद रहे। उन्होंने स्थिति का तुरंत आकलन कर ग्रामीणों को सुरक्षित रहने के स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। अधिकारी की तत्परता और समर्पण ने ग्रामीणों के मन में भरोसा पैदा किया कि किसी भी संकट की स्थिति में उन्हें पूरी मदद मिल सकती है। अधिकारी सहदेश कुमार ने बताया कि मगरमच्छ संभवतः तालाब में प्राकृतिक रूप से रहने वाला है, लेकिन अचानक दिखने से ग्रामीणों में डर पैदा हो गया। उन्होंने बच्चों को तालाब के पास खेलने से रोकने और पशुओं को सुरक्षित दूरी पर रखने की सलाह दी। ग्रामीणों से अपील की गई है कि तालाब और आसपास के क्षेत्र में किसी भी असामान्य गतिविधि को नजरअंदाज न करें और तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित करें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

टोकन देकर शांतिपूर्ण तरीके से बांटी खाद

संवाददाता जसवंतनगर इटावा

अमृत विचार। कृभको द्वारा संचालित कृषक भारती सेवा केंद्र पर सोमवार को किसान को डीएपी खाद की उपलब्धता और वितरण की भनक लगते ही सुबह से ही कृषक महिलाएं और पुरुषों की लंबी लाइन लग गई। कृभको क्षेत्रीय अधिकारी की देखरेख में टोकन वितरण कर शांतिपूर्ण तरीके से किसानों को खाद का वितरण किया गया।

बारिश के बीच लंबी लाइनों में लगी कृषक महिलाएं और पुरुषों के साथ कुछ महिला ऐसी भी थी जो अपने छोटे बच्चों के संग दूध की बोतल भी लायी थी। केंद्र खुलने के समय जब क्रभको क्षेत्रीय अधिकारी अजय कुमार सिंह और केंद्र प्रभारी अमित कुमार आए तो उन्होंने अनियंत्रित भीड़ को देखकर भाप लिया कि खाद वितरण करना मुश्किल होगी। तुरंत ही दोनों अधिकारियों ने प्रशासन और पुलिस को सूचित किया।

सूचना पर पहुंची पुलिस की मौजूदगी में किसानों को टोकन वितरण कर शांतिपूर्ण तरीके से शाम तक खाद वितरण की गयी।

खाद का वितरण करते कृभको के क्षेत्रीय अधिकारी।

- कृभको क्षेत्रीय अधिकारी की देखरेख में किसानों को वितरित की गई खाद

इकदिल में लक्ष्मण परशुराम संवाद कल

इकदिल। विराट दंगल समिति एवं विराट रामलीला समिति इकदिल की हनुमान मंदिर चौराहा इकदिल पर बैठक हुई जिसमें बुढ़वा मंगल मेला के बाद दो दिवसीय लक्ष्मण परशुराम संवाद और एक दिवसीय दंगल का आयोजन होना तय हुआ।

लक्ष्मण परशुराम संवाद का आयोजन 3 सितम्बर को व विराट दंगल का आयोजन 4 सितम्बर को प्राइमरी पाठशाला इकदिल में किया जायेगा, जिसमें श्री विराट रामलीला समिति के अध्यक्ष अभिषेक गोयल, आदर्श नगर पंचायत प्रतिनिधि इकदिल को सर्वम्मति से अध्यक्ष व प्रबंधक अरविन्द राजपूत को चुना गया। महामंत्री अलोक राजपूत को बनाया गया, और दंगल प्रबंधक रंजीत सिंह राठौर को बनाया गया। बैठक की अध्यक्षता डॉ. सुशील सम्राट ने की।

कबड्डी: कौआ व भरतपुर खुर्द ने मारी बाजी

संवाददाता ताखा इटावा

अमृत विचार । विकास खण्ड ताखा के अघीनी एवं बम्हनीपुर संकुल की संकुल स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता एवं ट्रायल का आयोजन किया गया। इसमें संकुल के जूनियर एवं प्राइमरी स्कूलों के छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। अघीनी संकुल में कंपोजिट विद्यालय कौआ के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। बम्हनीपुर में भरतपुर खुर्द की छात्राओं ने बाजी मारी।

समस्त प्रतियोगिताएं बीईओ अनुपम शुक्ला के निर्देशन में आयोजित की गई। अघीनी संकुल की प्रतियोगिता कंपोजिट विद्यालय वैदपुरा में आयोजित की गई। प्रतियोगिता का शुभारंभ संकुल शिक्षक कुलदीप कुमार ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। बालक एवं बालिका दोनों वर्गों में कंपोजिट विद्यालय कौआ की टीम विजेता रही। बम्हनीपुर संकुल की प्रतियोगिता कंपोजिट विद्यालय ऊसराहार में आयोजित की गई। प्रतियोगिता का शुभारंभ संकुल शिक्षक देवेश त्रिवेदी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। जूनियर स्तर की बालिका वर्ग में भरतपुर खुर्द ने बाजी मारी। बालक वर्ग में ऊसराहार की टीम विजेता रही। प्राथमिक स्तर बालक बहादुर विजेता व बालिका वर्ग में ऊसराहार की टीम विजेता रही। सुधीर शरण, मुनीश कुमार, अरुण कुमार, योगेश्वर यादव, योगेंद्र चौहान, अजीत सिंह, जय नारायण व प्रदीप शर्मा ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इस मौके पर मोहित भदौरिया, सौरभ यादव, मोहित यादव, प्रियंका तोमर,अरुण कुमार, रूपेंद्र सिंह, संजय सिंह आदि रहे।

विजेता टीम के साथ स्कूल का स्टाफ। अमृत विचार

झमाझम बारिश से छात्र व राहगीर हुए परेशान

संवाददाता महेवा इटावा

अमृत विचार। मौसम के मिजाज में आए अचानक बदलाव से झमाझम बारिश होने के चलते लोगों को भारी मुसीबत का सामना करना पड़ा। दिन भर बूंदाबांदी जारी रही, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। अनवरत बारिश से कई गांव की गलियां पानी से भर गई जिससे स्कूली बच्चों को पानी व कीचड़ में घुसकर निकलना पड़ा।

विकासखंड क्षेत्र महेवा में कभी तेज तो कभी धीमी बारिश होती रही जबकि बार-बार बंद भी होती तो फुहार पड़ती रहती जिससे मौसम सुहाना बना रहा बारिश कुछ समय के लिए थमती और फिर से शुरू हो जाती। यह क्रम देर शाम तक जारी रहा वहीं बादलों ने शाम जैसा नजारा उपस्थित कर दिया इसके बाद भी कभी फुहार पड़ती तो कभी रिमझिम बारिश होने लगती तो कभी तेज बारिश शुरू हो जाती। समाचार लिखे जाने तक भी घने बादलों से आसमान ढका रहा और रिमझिम बारिश होती रही। कृषि रक्षा इकाई के प्रभारी डॉक्टर अक्षय कुमार का कहना है कि यह बरसात धान मक्का के किसानों के लिए फायदेमंद है। सब्जी की खेती के लिए कुछ हद तक नुकसान देह है। किसानों को उन्होंने सलाह दी है कि उनके खेतों में पानी भर गया है तो उसके निकास का संमुचित प्रबंध कर लें। उन्होंने यह भी कहा कि बरसात के 24 से 48 घंटे में मिट्टी समान्य स्थिति में आ जाती है। अभी एक दो दिन बारिश का प्रकोप रह सकता है।

इमाम हुसैन की मार्फत नहीं तो कुछ नहीं

कार्यालय संवाददाता जसवंतनगर

अमृत विचार। स्थानीय महेरा चुंगी स्थित दरगाह हज़रत अब्बास पर निगहत जाफ़री की ओर से शहीदाने कर्बला की याद में अलविदाई मजलिस का आयोजन किया गया जिसमें ग्यारहवें इमाम हसन असकरी की शहादत पर ताबूत की जियारत बरामद हुई।

मजलिस में तक़रीर करते हुए अलीगढ़ से आए मौलाना सैयद बहलोल रज़ा आब्दी ने कहा कि इमाम हुसैन की मार्फ़त नहीं है तो कुछ नहीं। इमाम की मार्फ़त तभी होगी जब इंसान ये पहचान सके कि इमाम किस अमल से खुश और किस अमल से नाखुश हैं। इंसान यह देखे कि इमाम हमसे चाहते क्या हैं। मजलिस में अख्तर अब्बास रिज़वी व तनवीर हसन सोजख्वानी की। सलमान रिज़वी, आबिद रज़ा, कैफ वारसी, मो. सादिक़ ने कलाम पेश किए। तसलीम रज़ा और तनवीर हसन ने नोहा ख़्वानी की।

मजलिस में उपस्थित पुरुषों और महिलाओं ने ग्यारहवें इमाम हसन असकरी के ताबूत की जियारत की। मजलिसों में अल्हाज कमर अब्बास नकवी करबलाई, हाजी अरशद मरगूब, राहत अक़ील, शावेज़ नक़वी, विकार हुसैन शन्नू, अली मेहदी, सलीम रज़ा, समर अब्बास, नजमुल हसन, अख्तर अब्बास रिज़वी, तहसीन रज़ा, जहीर अब्बास रिज़वी, राहत हुसैन रिज़वी, मुशीर हैदर, अमीर हैदर जाफ़री, इबाद रिज़वी, अयाज हुसैन, साहिल, शानू, शादाब सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

मजलिस में तकरीर करते अलीगढ़ से आए मौलाना सैयद बहलोल रजा आब्दी।

- शहीदाने कर्बला की याद में अलविदाई मजलिस का आयोजन
- इमाम हसन असकरी के ताबूत की जियारत बरामद हुई

जैन मंदिरों में पर्युषण पर्व पर विधि विधान से हुआ पूजन

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। दिगंबर जैन समाज के पर्वाधिराज दशलक्षण पर्व सोमवार को पांचवे दिन जिनालयों में जैन आगम के साथ विधि विधान से मनाया गया।

विश्व जैन संगठन के अध्यक्ष आकाशदीप जैन बेटू ने बताया दस लक्षण धर्म के पांचवे दिन को 'उत्तम सत्य धर्म' के रूप में मनाया जाता है। जैन धर्म के अनुसार उत्तम सत्य यथार्थ बोलना सत्य है दूसरों के मन में संताप उत्पन्न करने वाले, निष्ठुर और कर्कश, कठोर वचनों का त्याग कर, सबके हितकारी और प्रिय वचन बोलना उत्तम सत्य धर्म है। शहर के नशिया मंदिर, करनपुरा, फूलन देवी डाडाँ, छपैटी, पंसारी टोला, वरहीपुरा, नया शहर, कटरा,चौगुर्जी, सराय शेख आदि स्थित जिनालयों में पीत वस्त्रधारी पुजारियों द्वारा पूजन किया गया।

जिनालय में पूजन करते पीत वस्त्रधारी पुजारी।

पीस कमेटी की बैठक | डीएम और एसएसपी ने सेंट्रल पीस कमेटी की बैठक में मातहतों को दिये निर्देश

त्योहारों के दौरान अराजकतत्वों से कड़ाई से निपटें

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आगामी त्योहारों बारावफात एवं गणेश मूर्ति विसर्जन को देखते हुए कानून एवं शांति व्यवस्था आदि के लिए सेंट्रल पीस कमेटी की बैठक कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में हुई।

बैठक में सभी धर्म के गुरुओं, महन्तो एवं मौलवियों तथा नागरिकों आदि ने अपनी-अपनी समस्याओं को जिलाधिकारी के सम्मुख प्रस्तुत की। जिलाधिकारी ने कहा कि आने वाले त्योहारों को सकुशल संपन्न कराने में जिला प्रशासन सदैव तत्पर रहेगा। उन्होंने जनपद वासियों से गणेश मूर्ति विसर्जन एवं बारावफात को शांतिपूर्ण ढंग से सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने की अपील की। उन्होंने त्योहारों के दौरान अराजकतत्वों से कड़ाई से निपटने के भी निर्देश दिए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि विसर्जन स्थल एवं मस्जिदों पर साफ-सफाई, बिजली एवं पानी आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए साथ ही उन्होंने कहा कि कोई नई परंपरा न लागू की जाए। उन्होंने विद्युत विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि तारों को ऊंचा कराया जाए जिससे किसी भी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न ना हो। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव ने सभी थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि किसी भी प्रकार की घटना न होने पाए उससे पूर्व सभी पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगा दी जाए।उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों द्वारा कार्य शासन की मंशा रूप किया जाए एवं सभी की ड्यूटी लगा दी जाए ।

उन्होंने यह भी अवगत कराया कि बारावफात का जुलूस एवं साउंड की आवाज मानक के अनुरूप ही होना चाहिए एवं जो भी स्थान निर्धारित है उसी रास्ते पर जुलूस निकाला जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी अभिनव रंजन श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक अभयनाथ त्रिपाठी, अपर पुलिस अधीक्षक क्राइम सुबोध गौतम, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, नगर मजिस्ट्रेट, समस्त उपजिलाधिकारी एवं समस्त संबंधित अधिकारीगण आदि उपस्थित रहे।

बैठक में मातहतों को निर्देश देते जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल। अमृत विचार

गुमटी में आग लगने से हजारों का सामान राख

बकेवर। बकेवर के ग्राम सराय मिठ्ठे के सामने आगरा-कानपुर नेशनल हाईवे किनारे रखी गुमटी में अचानक आग लगने से हजारों का नुकसान हो गया। गुमटी में रखे पांच हजार रुपये नकद समेत पान मसाला, गुटखा, कोल्ड्रिंक, नमकीन और बिस्किट आदि जलकर राख हो गया।

सराय मिठ्ठे निवासी दिव्यांग राजू ने बताया कि वह रोजाना इस गुमटी पर दुकान लगाकर परिवार का भरण-पोषण करता है। रविवार रात अज्ञात कारणों से गुमटी में अचानक आग भड़क उठी। लपटें उठती देख आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग इतनी तेज थी कि गुमटी में रखा कोई भी सामान नहीं बच सका। आग से गुमटी में रखी करीब 80 हजार रुपये कीमत का सामान राख हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि आग की सूचना तुरंत दी गई थी, लेकिन जब तक मदद पहुंची तब तक गुमटी पूरी तरह खाक हो चुकी थी।

भरथना में डेंगू की दस्तक, दो भाई भर्ती

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। भरथना कस्बा इन दिनों डेंगू, मलेरिया और संक्रामक वायरल फीवर की चपेट में बना हुआ है। स्थानीय सरकारी समेत कस्बा के विभिन्न चिकित्सालयों में इलाज में सुधार नहीं होने पर जब जांच रिपोर्ट आई तब मरीजों को पता चला कि वे डेंगू रोग की चपेट में हैं। इसके चलते लोगों में अफर तफरी का माहौल है।

बृजराज नगर निवासी महेंद्र सिंह ने बताया कि उनके मोहल्ला समेत आस पास के इलाकों में डेंगू, मलेरिया और संक्रामक वायरल फीवर फैला हुआ है। वार्ड सभासद शिवराम सिंह ने बताया कि उनके मोहल्ला निवासी महेंद्र सिंह यादव के दो बेटे असित कुमार और ओम कुमार डेंगू रोग की चपेट में आकर मुख्यालय स्थित एक प्राइवेट चिकित्सालय में इलाज करा रहे हैं। जबकि मोहल्ले के अन्य रोगी गरीबी के चलते मेडिकल स्टोर और झोला छाप चिकित्सकों से अपना इलाज कराकर ठगी के शिकार हो रहे हैं।

सभासद यादव ने पालिका प्रशासन से डेंगू मच्छरों आदि को नष्ट करने वाली कीटनाशक छिड़काव की मांग करते हुए स्वास्थ्य विभाग से मोहल्ले में टीम भेज गरीब मरीजों की जांच कर इलाज कराने की मांग की है। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर किसी को डेंगू व मलेरिया और किसी तरह की समस्या होती है तो उसे जल्द से जल्द डॉक्टर के पास जाकर अपना इलाज शुरू कराना चाहिये। ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके।

कामाख्या धाम मंदिर में लगा धर्मार्थ शिविर

इटावा। चितभवन के पूर्व प्रधान मनोज त्रिपाठी, डॉ. धर्मेन्द्र शर्मा प्रधानाचार्य एवं विश्व विजय त्रिवेदी अध्यक्ष जायण्ट्स ग्रुप आफ दतावली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित धर्मार्थ चिकित्सा शिविर में निशुल्क परामर्श एवं यथा आवश्यक औषधियां मुहैया कराई गई।

डॉ. शिवराज सिंह यादव सदस्य केन्द्रीय समिति जायण्ट्स वेलफेयर फाउंडेशन ने बताया कि शिविर में मलेरिया टायफाइड डेंगू चिकनगुनिया आदि वायरल फीवर,उदर रोग, फेफड़ों के रोग, हदय रोग, नपुंसकता, प्रदर, बांझपन आदि गुप्त रोग, जोड़ों के दर्द आदि समस्त प्रकार की बीमारियों के लिए परामर्श के साथ साथ यथा आवश्यक तीन दिन की औषधियां मुफ्त प्रदान की गईं। नशा निवारण हेतु अनेक व्यक्तियों को औषधि वितरण कर नशा की आदत छुड़ाने में सहयोग कर परिवारी जनों की काउन्सिलिग की गई।

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 2 सितंबर 2025 औरैया

न्यूज ब्रीफ

तिलहन बीज का वितरण 25 तक

औरैया। प्रदेश सरकार द्वारा नि:शुल्क तिलहन बीज मिनीकिट वितरण, प्रदर्शन एवं प्रसार कार्यक्रम के अन्तर्गत राई/सरसों फसल का दो किलोग्राम मात्रा का बीज मिनीकिट नि:शुल्क वितरण किया जा रहा है। उपकृषि निदेशक शैलेन्द्र कुमार वर्मा ने बताया कि बीच के लिए कृषि विभाग के पोर्टल पर पंजीकृत कृषकों के द्वारा ऑनलाइन आवेदन 1 से 25 सितंबर तक किया जायेगा। जो पूरी तरह से पारदर्शी है। आनलाइन आवेदन करने वाले कृषकों को बीज मिनीकिट आवेदन अवधि में प्राप्त आवेदकों के मध्य लक्ष्य से अधिक आवेदन प्राप्त होने की दशा में आनलाइन लॉटरी के माध्यम से लाभार्थियों का चयन किया जायेगा। एक कृषक को केवल एक मिनीकिट प्राप्त हो सकेगा।

किशोरी को ले जा रहे आरोपी को पकड़ा

अयाना। थाना के एसआई गंगा सहाय ने रविवार को कानपुर देहात के भोगनीपुर थाना के अमरौधा निवासी अभिषेक उर्फ पन्ना लाल गौतम को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से 14 वर्षीय किशोरी को बरामद किया। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ शनिवार को थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने उसकी 14 वर्षीय बेटी को बहला कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। किशोरी का डॉक्टरी परीक्षण के लिए भेजा गया है। वहीं आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेजा गया है।

धूमधाम से मनाया जाएगा बुढ़वा मंगल

अछल्दा, औरैया। कस्बा में मंगलवार को बुढ़वा मंगल का पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। कस्बे और ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिरों में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मंदिरों की रंगाई-पुताई और साफ-सफाई का काम संपन्न हो चुका है। नेविलगंज स्थित रामबाग मंदिर में मंगलवार रात 8 बजे बड़े हनुमानजी को 56 भोग अर्पित किया जाएगा। मंदिर के महंत राम लखन दास और हनुमान समिति के संजय गुप्ता इस आयोजन की व्यवस्था कर रहे हैं। ब्लॉक चौराहे, नहर बाजार और सराय बाजार समेत पूरे कस्बे में तैयारियां चल रही हैं। हरीगंज तिराहे स्थित हनुमान मंदिर में दोपहर 2 बजे से भंडारे का आयोजन होगा। रूपपुर गांव के हनुमान मंदिर पर मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में बाहर से आए कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

काम करते गिरा श्रमिक, इलाज के दौरान मौत

परिजनों और ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग कर लगाया जाम, मुआवजे का आश्वासन देकर खुलवाया

आक्रोशित ग्रामीणों को समझाती पुलिस। अमृत विचार

जाम लगाए ग्रामीण। अमृत विचार

संवाददाता, फफूंद, औरैया

अमृत विचार। ठेकेदार के अंडर में काम कर रहा श्रमिक गिर पड़ा। इससे उसकी गर्दन और सिर में गंभीर चोटें आईं। ठेकेदार उसे अस्पताल ले गया। जहां चार दिन बाद इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। शव घर आते ही परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए सड़क जाम कर दी। मुआवजा और अन्य सहायता मिलने के आश्वासन पर लगभग दो घंटे बाद जाम खुला।

- **परवाह गांव निवासी युवक ठेकेदार के अंडर में कर रहा था काम**

क्षेत्र के गांव परवाह निवासी बबलू कपड़िया का 22 वर्षीय पुत्र महेंद्र कुमार गेल में सिविल ठेकेदारी का कार्य कर रहे अवस्थी ट्रेड्स के यहां मजदूरी करता था। 27 अगस्त को वह गेल गांव कालोनी में ड्रेन निर्माण का काम कर रहा था। इसी बीच वह सिर पर सीमेंट की बोरी रखकर मिस्त्री को देने लगा तभी उसका पैर फिसल गया और वह जमीन पर गिर पड़ा। उसके गर्दन और सिर में गंभीर चोट आने से वह बेहोश हो गया। काम करा रहे सुपरवाइजर ने इसकी सूचना ठेकेदार रामकुमार अवस्थी को देकर घायल मजदूर को गेल कालोनी के अस्पताल में ले गया। मौके पर ठेकेदार भी पहुंच गए और उसे इलाज के लिए कानपुर ले गए। रविवार शाम इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सुबह युवक का शव घर पहुंचते ही परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो उठे और ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए गांव के सामने बैसुंधरा मार्ग पर शव रखकर जाम लगा दिया।

जानकारी पर फफूंद पुलिस पहुंची, समझाया लेकिन ग्रामीण ठेकेदार और गेल के अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे। सीओ अजीतमल श्रष्टि सिंह और कई थानों की पुलिस भी पहुंच गई। सीओ ने आक्रोशित परिजनों को कार्रवाई और मदद का भरोसा दिया। जिसके बाद ग्रामीणों ने जाम खोल दिया।

सीओ ने ठेकेदार और गेल के अधिकारियों को मौके पर बुलाया और परिजनों से बात की। जिसके बाद रामकुमार अवस्थी ने अपनी ओर से दो लाख रुपये देने और बीमा का पैसा दिलाने व गेल अधिकारियों ने एक लाख रुपये मुआवजा और 15 हजार रुपये क्रियाकर्म के लिए देने का आश्वासन दिया।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

स्थापना दिवस पर रोपे पौधे, संरक्षण का संकल्प

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। अखिल भारतीय पुरवार पोरवाल राष्ट्रीय महासभा का स्थापना दिवस सोमवार को धूमधाम से मनाया गया। जिसके अंतर्गत प्रातः 7 बजे जालौन रोड-यमुना तट मार्ग व सार्वजनिक स्थानों पर औरैया-इकाई के जिलाध्यक्ष समाजसेवी शिव कुमार पुरवार व जिला महामंत्री कपिल गुप्ता के नेतृत्व में विभिन्न प्रकार के लंबी आयु के सर्वाधिक आक्सीजन देने वाले विभिन्न प्रकार के फल-फूल व छायादार पौधों का पौधारोपण कर मनाया। कार्यक्रम के अंतर्गत श्री पोरवाल महासंघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता ने आयोजन में मौजूद लोगों को महासभा के इतिहास की संक्षिप्त प्राचीन जानकारी से अवगत कराया। परिचय सम्मेलन व सामूहिक विवाह के राष्ट्रीय संयोजक आनन्द नाथ गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि पेड़ पौधों के बिना मानव जीवन संभव नहीं है। आयोजन में प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष शिवकुमार पुरवार, जिला महामंत्री कपिल गुप्ता, पोरवाल महासंघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता, राष्ट्रीय मंत्री विनय पुरवार, प्रांतीय उपाध्यक्ष आनन्द गुप्ता, जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी दिनेश पुरवार, श्रीराम पुरवार, विपिन पोरवाल, अनिल पुरवार, देवमुनि पोरवाल, गिरीश पुरवार आदि मौजूद थे।

पौधरोपण करते संगठन के पदाधिकारी। अमृत विचार

हनुमानजी व गणेशजी का भेष धारण किए बच्चे। शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालु। अमृत विचार

शोभायात्रा में गूंजे बजरंगबली के जयकारे

संवाददाता, फफूंद, औरैया

अमृत विचार। फफूंद ककोर मार्ग पर स्थित महावीरजी धाम से बुढ़वा मंगल महोत्सव की शोभायात्रा सोमवार को 4 बजे से गाजे बाजे के साथ प्रारंभ हुई। शोभायात्रा में सम्मलित रथों पर सजी देवी-देवाओं की झांकी आकर्षण का केन्द्र रहीं। शोभायात्रा का भक्तों ने जगह-जगह फूल मालाओं से स्वागत किया। भक्तों द्वारा देवी देवताओं के जयकारे से रास्ते गूंजायमान रहे। युवा वर्ग भी जरा देर ठहरो राम तमन्ना यही है, अभी हमने जी भर कर देखा नहीं है... के भजन पर जमकर थिरके। शोभायात्रा नगर के पंजाब नेशनल बैंक, पोस्ट ऑफिस, छामरुआ कुआं से होते हुए औरैया रोड से होते हुए मोहल्ला मोतीपुर, अछल्दा चौराहा, चमनगंज तिराहा, ख्याली दास मंदिर होते हुए स्थित महावीरजी धाम पर पहुंचकर सम्पन्न हुई। भक्तों ने प्रभु से आशीर्वाद मांगा।

चोरों ने घर में घुसकर नकदी, जेवर चुराये

संवाददाता, फफूंद, औरैया

अमृत विचार। बीती रात थाना क्षेत्र के एक गांव में चोरों ने घर में घुसकर कमरा का ताला तोड़कर उसमें रखी अलमारी और बक्सा का ताला तोड़कर नकदी और जेवर चोरी कर लिए, पीड़ित अपनी पत्नी और बच्चों के साथ छत पर सो रहा था 1 सुबह पांच बजे जब वह जागे तब चोरी की जानकारी हुई 1 गांव में चोरों की दहशत पिछले 15 दिनों से चल रही थी।

थाना क्षेत्र के गांव तैयबपुर पतरा निवासी बलबीर सिंह पुत्र विद्याराम यादव ने बताया कि उनका घर गांव के किनारे पतरा बम्बा वाले रोड पर स्थित है। रविवार की रात वह अपनी पत्नी रीना, बेटी दिव्यान्सी और अदिति के साथ घर की छत पर सो रहे थे। बरसात होने पर छत पर बने कमरे में जाकर सो गए। रात को चोर बाउंड्री चढ़कर घर में घुसे पहले कमरे का ताला तोड़कर कमरा में रखी अलमारी का ताला तोड़कर उसने रखी दो सोने की अंगूठी, जिनकी कीमत लगभग 80 हजार रुपये होगी। चोरी कर ली तथा अलमारी में रखे दस हजार रुपये नकद भी चोरी कर लिए। सुबह लगभग पांच बजे छत से उतरकर आये तब चोरी की जानकरी हुई। चोरी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की 1 पीड़ित ने चोरी का प्रार्थना पत्र पुलिस को दिया है।

बिखरा सामान दिखाती पीड़िता। अमृत विचार

- **पीड़ित ने बताया 15 दिन से परेशान कर रहे थे चोर**

पीड़ित की पत्नी रीना व ग्रामीण महिलाओं ने नीरज देवी, आनन्द देवी, मनोज कुमारी, ने बताया कि लगभग 15 दिनों से गांव में चोरों का भय व्याप्त है। कई बार चोर गांव में देखे गए। ग्रामीणों ने हो हल्ला कर भगाया 1 वहीं पीड़िता रीना ने कहा कि हमारी बाउंड्री पर बदमाश चढ़कर घर में उतरने की कोशिश कर रहे थे, वह सभी छत पर थे। चोरों को देखकर सभी चिल्लाने लगे गांव वाले भी दौड़ पड़े, तब चोर भागे। अभी चार दिन पहले बाउंड्री पर तार लगवाया था। लेकिन, आधी बाउंड्री पर नहीं लगवा सके उसी तरफ से चोर घर में उतर आये। थाना प्रभारी जयप्रकाश पाल ने बताय कि तहरीर नहीं मिली है।

असंतुष्ट पूर्ण निस्तारित प्रार्थना पत्रों का परीक्षण करें : डीएम

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में जूम मीटिंग के माध्यम से योजनाओं की समीक्षा करते हुए असंतुष्ट पूर्ण निस्तारण संबंधित प्राप्त प्रकरणों की समीक्षा में पाया कि कार्यालयाध्यक्ष द्वारा निस्तारण प्रक्रिया में रुचि न लेने और अधीनस्थों पर निर्भर रहते हुए प्राप्त आवेदन पत्रों को पृष्ठांकित कर दिया जाता है, जिसके कारण निस्तारण संतुष्ट पूर्ण नहीं होता है और असंतुष्ट पूर्ण निस्तारण की श्रेणी में प्रकरण पहुंचता है जिससे रैंकिंग में गिरावट आती है।

यह बहुत ही आपत्तिजनक है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्यालयाध्यक्ष प्राप्त प्रार्थना पत्रों का स्वयं गंभीरता पूर्वक परीक्षण करते हुए संदर्भ का निस्तारण सुनिश्चित कराएं, जिससे निस्तारण संतुष्ट पूर्ण सुनिश्चित हो सकें।

- **शिकायत संबंधी प्रार्थना पत्रों को विभागाध्यक्ष स्वयं पंजीकरण कराते हुए निस्तारित करें**

उन्होंने कहा कि कार्यालयाध्यक्ष अपने कार्यालय में उपस्थित रहकर प्रातः 10 से 12 बजे तक आने वाले फरियादियों के आवेदन प्राप्त करते हुए जनसुनवाई करें और नियमानुसार निस्तारण भी कराएं। कहा कि शिकायती आवेदन पत्रों के संबंध में गंभीरता पूर्वक संज्ञान लेते हुए आवेदक से संवाद के साथ-साथ स्थलीय निरीक्षण करते हुए निस्तारण की कार्रवाई कराएं, की गई कार्रवाई संतुष्ट पूर्ण हो सके।

जिलाधिकारी ने जनपद में निर्माणाधीन गोआश्रय स्थलों को 15 सितंबर तक गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश संबंधितों को देते हुए कहा कि छुट्टा घूम रहे गोवंशों को पकड़ने का अभियान सतत रूप से जारी रखा जाए। गोआश्रय स्थल पूर्ण होने पर उनको भी संचालित किया जाए। इससे गोवंशों को संरक्षित किया जा सके और इधर-उधर घूमने के कारण होने वाली घटनाओं पर अंकुश लगे तथा अन्नदाताओं की फसलों को भी क्षति से बचाया जा सके।

जिलाधिकारी ने सभी कार्यालयाध्यक्षों से कहा कि वह प्राप्त होने वाले प्रार्थना पत्रों को गंभीरता से लेते हुए उनकी सुनवाई करते हुए पंजीकरण कराते हुए अग्रिम कार्रवाई करें जिससे समयबद्ध रूप से निस्तारण संभव हो।

आर्थिक तंगी के कारण कैंसर पीड़ित ने दी जान

संवाददाता, ऐरवाकटरा, औरैया

अमृत विचार। कस्बा निवासी कैंसर पीड़ित अधेड़ का शव सोमवार को नहर में उतराता मिला। जब लोगों ने अधेड़ का शव देखा तो पहचान करने का प्रयास किया। मृतक की चप्पलों और कपड़ों की पहचान की गई। मौके पर पहुंचे परिजनों का रो-रोकर बुला रहा।

शिवराम बाथम।

कस्बा निवासी 56 वर्षीय शिवराम बाथम लंबे अरसे से कैंसर से पीड़ित थे। जिनके इलाज में काफी रुपये खर्च हुए और वह चौथी स्टेज पर पहुंच गए। 30 अगस्त को दवा लेने के बहाने घर से निकले। 11 किलोमीटर दूर कन्नौज जिला के पुलिस चौकी खड़नी के पास निकली बड़ी नहर के पुल से छलांग लगा ली। जब वह शाम को घर नहीं आए तो काफी खोजबीन की। नहर के पुल से रखी उनकी चप्पलों से पहचान की गई। रविवार को गोताखोर स्टीमर टीम बुलाई। गांव से 5 किलोमीटर दूर काफी खोजबीन की गई। लेकिन शव का कोई अता पता नहीं चला। सोमवार को दिन के 11 बजे घटनास्थल से 4 किलोमीटर दूर गांव मलिकपुर की झाल के पास इनका फूला हुआ शव उतराते हुए मिला। खड़नी चौकी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ग्राम प्रधान चंद्रशेखर गुप्ता, सरमन सिंह प्रधान, मनोज शर्मा प्रधान, व्यापार मंडल के अध्यक्ष रानू पालीवाल ने पीड़ित परिवार की आर्थिक सहायता की मांग की है।

कबड्डी प्रतियोगिता में बिधूना टीम चैंपियन, कटैया टीम उप विजेता

संवाददात, बिधूना,औरैया

अमृत विचार। खेलो इंडिया कार्यक्रम के तहत बढिन के स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता के अंतिम दिन कबड्डी प्रतियोगिता व साइकिल रेस प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसमें कबड्डी प्रतियोगिता में बिधूना टीम ने चैंपियनशिप जीती। वहीं कटैया टीम उप विजेता रही।

मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर खेलो इंडिया के तहत बिधूना तहसील क्षेत्र के बढिन में स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित हुई। बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ में जयंत ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं अंकित ने द्वितीय, बिल्लू ने तृतीय स्थान हासिल किया। 200 मीटर दौड़ में सिंघम ने प्रथम, लव ने द्वितीय व कुश ने तृतीय स्थान हासिल किया। 400 मीटर दौड़ में धीरज योगेन्द्र व गुलशन विजेता रहे। इसी तरह बालिका वर्ग की 100 मीटर दौड़ में पलक ने प्रथम, परी ने द्वितीय व खुशी ने तृतीय स्थान हासिल किया। 200 मीटर दौड़ में अनामिका, मोहिनी व प्रियांशी विजेता रहीं। 400 मीटर दौड़ में संगम, आशिकी व संस्कृति विजेता रही। जिला क्रीड़ा अधिकारी संजीव कुमार वर्मा ने विजेता व उपविजेता टीमों व भाग लेने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार व प्रमाण पत्र दिए।

ट्रॉफी के साथ विजेता टीम। अमृत विचार

विरोध | प्रधानमंत्री की मां के कथित अपमान पर जमकर की नारेबाजी

भाजपाइयों ने प्रदर्शन कर फूंका राहुल गांधी का पुतला

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। शहर के सुभाष चौराहे पर सैकड़ों की संख्या में मातृशक्ति और भारतीय जनता पार्टी भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में किया गया। शहर के सुभाष चौराहे पर मातृशक्ति ने राहुल गांधी के पुतले को आग के हवाले कर दिया। इस दौरान मां का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान जैसे नारे गूंजते रहे, जिससे पूरे क्षेत्र में गहमा-गहमी का माहौल रहा।

राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी करते भाजपाई।

प्रदर्शन में मुख्य रूप से सदर बीजेपी विधायक गुड़िया कठेरिया मौजूद रहीं जिनके नेतृत्व में सैकड़ों महिला कार्यकर्ताओं ने शक्ति प्रदर्शन किया। महिलाएं हाथों में तख्ती लेकर सुभाष चौराहे पर एकत्रित हुईं और राहुल गांधी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि राहुल गांधी ने हाल ही में बिहार के दरभंगा में आयोजित वोटर अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री और उनकी मां के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया जो भारतीय संस्कृति और मातृशक्ति का अपमान है। इस प्रदर्शन में भाजपा की सैकड़ों महिला कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि राहुल गांधी की टिप्पणी न केवल व्यक्तिगत स्तर पर अपमानजनक है बल्कि यह भारतीय संस्कृति और मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने मांग की कि राहुल गांधी सार्वजनिक रूप से माफी मांगें, अन्यथा भाजपा और मातृशक्ति का विरोध और तेज होगा। विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। पुतला दहन की घटना के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए स्थिति को नियंत्रित किया। हालांकि प्रदर्शनकारी महिलाओं का आक्रोश कम नहीं हुआ और उन्होंने कांग्रेस के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर की।

सदर विधायक गुड़िया कठेरिया ने मीडिया से वार्ता करते हुए बताया कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री की मां को गाली दी उसके और नारी के सम्मान में सुभाष चौराहे पर मातृशक्ति ने भारी संख्या में राहुल का पुतला जलाया। उन्होंने कहा सभी हमारी बहनों का यह आदेश है कि हम भी एक मां है। राहुल गांधी ने अगर मां के लिए गाली दी है तो होश में आकर माफी मांगे। उनकी मां और प्रधानमंत्री की मां हम सब मां हैं। राहुल गांधी अगर देश से माफी नहीं मांगते तो नारी शक्ति उनके खिलाफ आंदोलन करेगी।

जमीन का बैनामा निरस्त करने की मांग

औरैया। सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मधूपुर निवासी महिला ने पति व बेटे को शराब पिलाकर अवैध तरीके से नामजद द्वारा बैनामा कराने का आरोप लगाया है। ग्राम मधूपुर निवासी मीना देवी पत्नी मुनीश्वर दयाल ने पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसका पति बीमार रहता है। आरोप लगाया की बीती 29 अगस्त को औरैया शहर निवासी एक व्यक्ति अपने एक अन्य साथी के साथ उसके पति मुनीश्वर दयाल एवं उसके पुत्र मोहित को ले गया और उन्हें शराब के नशे मंर करके नेशनल हाईवे पर स्थित उनकी दुकान एवं मकान का जबरन बैनामा करा लिया। बताया कि उसके द्वारा इससे पूर्व गजट भी कर दिया गया था की उक्त दुकान एवं मकान की बिक्री उसके पति द्वारा नहीं की जा सकती है।

दिवंगत शिक्षक के परिवार को 49 लाख की सहायता

संवाददाता, फफूंद (औरैया)

अमृत विचार। शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के सहयोग हेतु गठित संस्था टीचर्स सेल्फ केयर समिति टीएससीटी ने औरैया के एक दिवंगत शिक्षक के परिवार को 49 लाख से भी अधिक की आर्थिक सहायता दी। उससे पूर्व टीएससीटी द्वारा दिवंगत शिक्षक के नाम से श्रद्धांजलि रूप में बीआरसी अछल्दा में पौधारोपण कर उसको संरक्षित रखने का संकल्प लिया गया। दिवंगत शिक्षक की पत्नी व बेटी की ओर से बीआरसी को एक अलमारी भेंट की गई। टीएससीटी के जिला संयोजक केशव कुमार दिशवाल ने बताया कि टीएससीटी द्वारा इस माह 15 से 25 अगस्त तक जारी होने वाले सहयोग अलर्ट में स्व. विजय बहादुर (सअ) प्रावि भिटारी ब्लॉक अछल्दा के परिवार को 49 लाख 22 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। यह सहायता सीधे लाभार्थी के खाते में टीएससीटी से जुड़े हजारों शिक्षक व कर्मचारियों द्वारा की गई है। उन्होंने कहा कि इस आर्थिक सहायता के साथ उनके परिवार को सांत्वना भी दी गयी।

बीआरसी अछल्दा में पौधारोपण करते टीएससीटी व मृतक शिक्षक के परिजन।

न्यूज ब्रीफ

जिलाध्यक्ष को बधाई देते समर्थक।

ब्राह्मण परिषद के अध्यक्ष बने नरेंद्र

हमीरपुर। अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जुगल किशोर तिवारी ने समाज के प्रति समर्पण भाव को देखते हुए संगठन में जिला संरक्षक के पद में नीरज मिश्रा, डॉ .अवधेश मिश्रा, शिवकरण तिवारी (खेड़ा शिलाजीत वाले) एवं नरेन्द्र बाजपेई उर्फ कल्लू बाजपेई को ब्राह्मण संघ का जिलाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है। नरेंद्र बाजपेई के जिलाध्यक्ष बनने पर संगठन के कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी को मिष्ठान खिलाकर खुशियां मनाई। अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद के जिलाध्यक्ष की घोषणा के अवसर पर कपिलदेव पांडे, सुनील कुमार शुक्ला, धर्मेंद्र दीक्षित, कुलदीप शुक्ला, शिवम तिवारी, वीरेंद्र तिवारी, देवेंद्र शुक्ला, आनंद वर्धन शुक्ला, श्री वीरेंद्र द्विवेदी, अशोक त्रिपाठी, रमाकांत शुक्ला, प्रमोद शर्मा, ब्रजेश कुमार बादल, बाल जी पाण्डेय, नीरज त्रिपाठी, गिरीश तिवारी, दुर्गेश तिवारी सहित तमाम लोगों ने हर्ष व्यक्त किया तथा सभी को मिष्ठान वितरण किया गया।

युवती ने युवक पर बरसाए थप्पड़

मौदहा। सोमवार सुबह से एक वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें एक युवती रागौल रेलवे स्टेशन में एक युवक पर थप्पड़ बरसाते हुए युवक का मोबाइल छीनने की बात कह रही है। वायरल वीडियो की पड़ताल करने पर पता चला कि थप्पड़ बरसाने वाली युवती कस्बे के पूर्वी तरौस निवासी यू ट्यूबर है, जो उसकी पोस्ट पर अभद्र टिप्पणी करने वाले युवक को पीट रही है। हालांकि अमृत विचार इस वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। अभी तक किसी जिम्मेदार अधिकारी ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर कोई भी बयान नहीं दिया है।

जेठ पर जायदाद हड़पने का आरोप

बिवांर। क्षेत्र के महेरा गांव निवासी राजेश कुमार सरोज की पत्नी सुनीता ने थाने में तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी वर्ष 2007 हुई थी। उसके चार छोटे बच्चे हैं। पति का मानसिक संतुलन सही न रहने पर बच्चों के साथ दिल्ली में रहकर मजदूरी करती है। दूसरे नंबर का जेठ राजू पैतृक जायदाद का पूरा हिस्सा लिए है। हिस्सा मांगने पर अभद्रता कर घर में नहीं घुसने दे रहा है। वह 5 दिन पहले दिल्ली से अपने मायका चंदपुरवा थाना सुमेरपुर में शरण लिए है। उसने पिता शंकर व चारों बच्चों के साथ थाने पहुंचकर जेठ के खिलाफ तहरीर दी। एसआई जगत नारायण ने बताया कि तहरीर मिली है। जांच कर जेठ के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

युवती ने गटका जहर सीएचसी में भर्ती

कुरारा। थाना क्षेत्र के परसी डेरा गांव में अज्ञात कारणों के चलते युवती ने जहरीला पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे कस्बे की सीएचसी में भर्ती कराया। परसी डेरा निवासी प्रांशी (19) पुत्री चरण सिंह ने जहरीला पदार्थ का सेवन कर लिया। परिजनों को जानकारी होते ही उसको इलाज के लिए कस्बे की सीएचसी लेकर आए। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

झमाझम बारिश से 2 गरीबों के कच्चे घर ढहे

संवाददाता, सुमेरपुर

- रविवार शाम से शुरू हुई बारिश सोमवार को दिन भर जारी रही
- कैथी और बांकी गांव में घरों के गिरने से गरीबों पर आई आफत

अमृत विचार: रविवार की शाम से शुरू हुआ झमाझम बारिश का दौर सोमवार को दिनभर रुक-रुक कर जारी रहा। बारिश के चलते कैथी एवं बांकी में रिहायशी मकान ढह गए। लगातार बारिश होने से धान किसान खुश हैं।

रविवार को मौसम ने अचानक फिर पलटी मारी। दिनभर रही उमस के बाद देर रात झमाझम बारिश होने से सब कुछ तरबतर हो गया। इसके बाद सोमवार को सुबह से दिनभर रुक-रुक कर बारिश का दौर जारी रहा। जिससे मौसम खुशनुमा बना रहा। लगातार बारिश के चलते कैथी में आत्माराम के चक्की कारखाना का कच्चा छपरा ढह गया। इससे चक्की स्पेलर में काफी नुकसान हुआ है। इसी तरह बांकी गांव में महेश यादव का रिहायशी मकान बारिश के चलते रह गया।

उधर, झमाझम बारिश से धान किसान खुश है। धान किसान सौरभ सिंह, सुरेश कुमार, वीरेंद्र यादव, पप्पू शर्मा, प्रेम नारायण, विनय यादव आदि ने कहा कि यह बारिश धान की फसल के लिए बेहद मुफीद साबित होगी। पूर्व एडीओ कृषि रामसनेही साहू ने कहा कि यह बारिश आगामी रबी की फसलों के लिए मील की पत्थर साबित होगी।

बारिश के चलते गिरा कच्चा मकान। अमृत विचार

बिलरख गांव में जलभराव: राठ। बिलरख गांव में तालाब की नाली पूरी तरह अवरुद्ध होने से गांव में जलभराव की स्थिति है, जिससे ग्रामीण, महिलाओं, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों सहित बाइक सवारों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गांव के भारत ने सोमवार को तहसील में एसडीएम को शिकायती पत्र देकर बताया कि गांव के ऊधव तालाब की नाली पूरी तरीके से अवरुद्ध हो गई है। जिस गांव में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। ग्रामीणों का निकलना दूभर है। जलजमाव होने से संक्रामक बीमारियों के भी फैलने का खतरा है। वह बीते दो महीने से ऑनलाइन शिकायत कर रहा है, लेकिन ग्राम सचिव मौके पर ना जाकर फर्जी निस्तारण कर देता है, जबकि समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। उप जिलाधिकारी ने उसे समस्या का समाधान कराए जाने का आश्वासन दिया है।

बारिश से पोस्ट ऑफिस की छत भरभराकर गिरी

बिवांर। दो दिनों से हो लगातार बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। वहीं तेज बारिश व गर्जना से पोस्ट ऑफिस की छत भरभराकर ढह गई। पोस्ट ऑफिस में रखे कागज़ सामान मलबे के नीचे दब गए है। कस्बे के पुराने बस स्टॉप के रामलीला मैदान के पास कई वर्षों से एक किराए के भवन में पोस्ट ऑफिस संचालित है। जिससे कस्बे के अलावा आस-पास के गांव के लोगों के डाक से संबंधित कार्य इसी पोस्ट आफिस से होते थे। रविवार को छुट्टी होने पर ऑफिस बंद था। तभी रात को तेज गर्जना के साथ बारिश होने लगी है। जिससे रात के करीब 11 बजे पोस्ट ऑफिस की जर्जर छत भरभराकर गिर गई। छत के गिरने से वहां रखे कागजात उसी मलबे के नीचे दब गए। सुबह डाक विभाग के कर्मियों ने मलबे में दबे सामान कागजातों को निकाला। पोस्ट मास्टर इमरान ने इसकी जानकारी जिला डाक अधीक्षक प्रीतू पाठक को दी है। अधीक्षक ने बताया कि जल्द ही नए भवन में पोस्ट ऑफिस संचालित किया जाएगा। वहीं मौके पर जाकर निरीक्षण किया। वहीं गृहस्वामी ने बताया कि पहले भी उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया था कि छत जर्जर हो गई है।

सुमेरपुर में पुलिया जाम होने से सड़क पर भरा पानी। अमृत विचार

पुलिया जाम होने से सड़क पर भरा पानी

सुमेरपुर। कस्बे के देवगांव चौराहे के बांदा रोड पर बनी पुलिया जाम होने से बारिश का पानी सड़क पर जमा हो रहा है, इससे राहगीर परेशान है। पुलिया जाम होने से बारिश का पानी तालाब में नहीं पहुंच रहा है। पाथामाई तालाब सूखा पड़ा है। कस्बे के देवगांव चौराहा के समीप बांदा मार्ग पर बनी पुलिया को दबंगों ने जाम करके जल निकासी के स्थान पर मकान खड़े कर दिए हैं। इससे बारिश का पानी पुलिया से निकलने के बजाय सड़क पर ही जमा हो रहा है। इससे राहगीरों को परेशानी होती है साथ ही सड़क भी खराब होती है। स्थानीय लोगों के अनुसार पुलिया से जल निकासी बंद होने से बारिश का पानी नहीं निकल रहा है जबकि पूर्व में इसी पुलिया से बारिश का पानी निकल कर पाथामाई तालाब पहुंचता था। जल निकासी बंद होने से तालाब भी बारिश से सूखा पड़ा रहता है। पीडब्ल्यूडी के अवर अभियंता अनूप कुमार निरंजन ने कहा कि सितंबर माह से बांदा मार्ग में पुन : कार्य शुरू होना है। पुलिया को ऊंचा करके बनाकर जल निकासी के ठोस इंतजाम कराए जाएंगे।

टीला धंसने से किसान की मौत 12 घंटे बाद निकाला गया शव

सिसोलर थाना क्षेत्र के गऊघाट छानी में बंधी का पानी निकालते समय ढहा टीला

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

- तेज बारिश के चलते बचाव कार्य छोड़कर लौट गई थी पुलिस
- राजस्व टीम पहुंची, एसडीएम बोले-परिवार की होगी मदद

अमृत विचार: क्षेत्र के गऊघाट छानी में रविवार को बंधी से पानी निकालते समय मिट्टी धंसने से एक किसान की मलबे में दबकर मौत हो गई। तेज बारिश होने के कारण राहत कार्य शुरू नहीं हो सका और 12 घंटे बाद सोमवार की सुबह किसान का शव मलबे से निकाला जा सका। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। एसडीएम ने कहा कि राजस्व टीम मौके पर पहुंच चुकी है। किसान के परिवार की हर संभव आर्थिक मदद की जाएगी।

दुर्जन अनुरागी।

सिसोलर थाना क्षेत्र के गऊघाट छानी निवासी दुर्जन अनुरागी (72) रविवार को अपने खेत पर भरे पानी को बंधी से बाहर निकालने का प्रयास कर रहा था, तभी मिट्टी धंसने से वह मलबे में दब गया। जब देर शाम तक वह अपने घर नहीं पहुंचा तो उसके पुत्र शिवकुमार और राजकुमार उसे गांव में तलाश करते हुए ग्रामीणों के साथ खेत पहुंचे। वहां खेत की बंधी क्षतिग्रस्त मिली और वहीं पर दुर्जन की चप्पल पड़ी देख उन्होंने उसके मिट्टी में दबे होने की आशंका जताई। इस घटना की जानकारी होते ही सिसोलर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। जैसे ही ग्रामीणों की मदद से मलबे को हटाने का काम शुरू हुआ, तभी तेज हवा के साथ जोरदार बारिश शुरू हो गई, जिससे मलबा हटाने का काम रुक गया। पुलिस और गांव वाले बचाव कार्य बंद कर लौट आए। सोमवार की सुबह मलबा हटाने के बाद दुर्जन का शव निकाला जा सका। इस दौरान मौके पर ग्रामीणों की खासी भीड़ एकत्र हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर घटना की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। उप जिलाधिकारी करणवीर सिंह ने बताया कि राजस्व टीम को मौके पर भेजा गया है। किसान के परिवार की हर संभव आर्थिक मदद की जाएगी। दुर्जन के नाम लगभग 20 बीघा कृषि योग्य भूमि है। उसकी मौत से दोनों पुत्र और पुत्री के साथ परिवार वाले रोते- बिलखते रहे।

बिजली गिरने से वृद्ध चरवाहे की चली गई जान

सरीला। जरिया क्षेत्र के जिटकिरी गांव निवासी कमलेश ने बताया कि पिता चुनटा अहिरवार (67) रविवार को भैंस चराने के लिए गांव के किनारे जंगल में गए थे। शाम को वह घर नहीं पहुंचे और देर रात भैंसें घर पहुंच गई तो लोगों को आशंका हुई। ग्रामीणों ने उन्हें सूचना दी। बेटे ग्रामीणों के साथ खोजने के लिए निकल पड़े। जंगल में झुलसा हुआ उनका शव पड़ा मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। एसआई रमाकांत शुक्ला ने बताया कि चरवाहे के दोनों बेटे राठ कस्बे में रहते हैं। बड़े बेटे कमलेश ने सूचना दी है। थाना प्रभारी मयंक चंदेल ने बताया कि आकाशीय बिजली गिरने से मौत हुई है।

बिजली गिरने से दो बकरियां मरीं, चरवाहा झुलसा

मौदहा। कोतवाली क्षेत्र के छिरका निवासी महेंद्र कुमार (50) सोमवार की दोपहर बाद भैंस और बकरियां चराने नदी के किनारे गया था। इसी बीच झमाझम बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए वह एक पेड़ के नीचे खड़ा हो गया। बकरियां भी पेड़ के नीचे पहुंच गईं, तभी गरज-चमक के साथ पेड़ पर बिजली गिरने से दो बकरियों की मौत हो गई, जबकि महेंद्र गंभीर रूप से झुलस गया। उसके पुत्र विमल ने ग्रामीणों की मदद से कस्बे की सीएचसी में भर्ती कराया है।

निःशुल्क बीज के लिए करें आवेदन

हमीरपुर। इस बार कृषि विभाग ऑनलाइन पोर्टल के जरिए कृषकों को निःशुल्क दलहनी एवं तिलहनी फसलों के मिनीकिट बीज उपलब्ध कराएगा।

उप कृषि निदेशक डॉ.प्रमोद कुमार ने बताया कि राज्य सहायतित निःशुल्क दलहन/तिलहन बीज मिनीकिट वितरण, प्रदर्शन एवं प्रसार कार्यक्रम प्रदेश सरकार की ओर से संचालित किया जा रहा है। रबी अभियान में कृषकों को 16 किलो चना, 20 किलो मटर, 8 किलो मसूर एवं दो किलो सरसों के बीज की मिनीकिट प्रति एकड़ के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। लाभार्थियों का चयन ऑनलाइन लॉटरी के जरिए डीएम की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति करेगी। जो कृषक इस योजना का लाभ लेना चाहते हैं, उन्हें कृषि दर्शन-2 पोर्टल पर विभागीय वेवसाइट https://agridarshan.up.gov.in पर ऑनलाइन बुकिंग/आवेदन करना होगा। बुकिंग 25 सितंबर तक होगी। एक कृषक केवल एक ही फसल का निःशुल्क बीज प्राप्त कर सकेगा। लक्ष्य से अधिक आवेदन होने की दशा में ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से चयन किया जाएगा।

सोमवार को उप जिलाधिकारी को ज्ञापन देते आप कार्यकर्ता। अमृत विचार

आप ने सड़कों के गड्ढे भरने की उठाई मांग

संवाददाता, मौदहा

- उप जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर मरम्मत कराने की आवाज उठाई

अमृत विचार: कस्बे की मुख्य सड़क के गड्ढे अब सियासी दलों को भी दिखाई देने लगे हैं। जबकि अभी तक गड्ढा युक्त सड़कें किसी को दिखाई नहीं दे रही थी। सोमवार को आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर गड्ढों को भरे जाने की मांग की है।

आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष मनीष गुप्ता की अध्यक्षता में एक दर्जन से अधिक पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी को सौंपे ज्ञापन में बताया कि स्टेशन रोड में इलाही तालाब के निकट आम सड़क में बड़ा गड्ढा हो गया है। जिससे आए दिन हादसे होते रहते है। जिसे जल्द से जल्द भरा जाए। बताते चलें कि इसी गड्ढे को कांग्रेसी नेताओं ने श्रमदान किया था। लेकिन अगले दिन उनके द्वारा डाली गई डस्ट बिना बारिश के बह गई थी। जिस पर उन्होंने किसी के द्वारा ऐसा किए जाने का आरोप लगाया था। इस दौरान मोहम्मद साबिर, अलीम, अनिल विश्वकर्मा, मुईनुद्दीन, मनोज, रशीद अहमद सहित एक सैकड़ा से अधिक लोग मौजूद रहे।

नारेबाजी संग प्रदर्शन कर राहुल का पुतला फूंका

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार: राहुल गांधी द्वारा पीएम नरेंद्र मोदी की मां पर की गई अभद्र टिप्पणी को लेकर भाजपाइयों ने सोमवार को बस स्टैंड के सामने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा महिला मोर्चा के नेतृत्व में भाजपाइयों ने राहुल गांधी का पुतला भी फूंका।

भाजपा नेताओं ने प्रदर्शन के दौरान बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की बिहार यात्रा के दौरान दरभंगा में आयोजित एक कार्यक्रम के मंच में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां के लिए जिस तरह की टिप्पणी की गई, वह अत्यंत आपत्तिजनक और असहनीय है। राठ विधायक मनीषा अनुरागी ने कहा कि मंच से इस तरह की बातें करना भारतीय संस्कृति और राजनीतिक मर्यादा के खिलाफ है। कांग्रेस नेता की गई टिप्पणी अशोभनीय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज देश के सर्वोच्च पद पर हैं और उनकी मां के लिए अपमानजनक टिप्पणी करना पूरे देश की जनता का अपमान है।

भाजपा महिला मोर्चा ने सोमवार को बस स्टैंड के पास प्रदर्शन कर पुतला फूंका। अमृत विचार

जिसके विरोध में भाजपा महिला मोर्चा के तत्वावधान में मुख्यालय के बस स्टॉप पर राहुल गांधी का पुतला फूंका गया है। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष जयंती राजपूत, चेयरमैन कुलदीप निषाद, ब्लाक प्रमुख आशीष पालीवाल, कुरारा चेयरमैन आशारानी कबीर, भाजपा महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष संध्या वर्मा, नीलम बाजपेई, राधा चौरसिया, बउआ ठाकुर, नीलम निषाद आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जुलूस के दौरान बंद होगा यातायात

संवाददाता, सुमेरपुर

अमृत विचार: ईद मिलादुन्नबी एवं गणेश प्रतिमा विसर्जन को लेकर पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। जिसमें थानाध्यक्ष ने कोई नई परंपरा न डालने की हिदायत देते हुए आपसी सौहार्द के साथ कार्यक्रम संपन्न करने के निर्देश दिए।

पांच सितंबर को ईद मिलादुन्नबी पर मोहम्मदिया जुलूस एवं छह सितंबर को गणेश प्रतिमा विसर्जन के कार्यक्रम आयोजित होने हैं। इसी को लेकर सोमवार को थाना परिसर में थानाध्यक्ष अनूप सिंह की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक हुई। जिसमें मोहम्मदिया जुलूस को सकुशल संपन्न करने के लिए लोगों ने सुझाव रखें। वही गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए तपोभूमि के तालाब में पर्याप्त पानी भरवाने की मांग रखी गई। मोहम्मदिया जुलूस के नवनियुक्त अध्यक्ष वसीम सिद्दीकी ने सभी से जुलूस को सकुशल संपन्न कराने में सहयोग करने की अपील की। थानाध्यक्ष ने कहा कि किसी भी कार्यक्रम में नई परंपरा नहीं डाली जाए और आपसी सौहार्द के साथ जुलूस एवं विसर्जन के कार्यक्रम संपन्न कराएं जाए। उन्होंने कहा कि जुलूस के दौरान भारी वाहनों को रोका जाएगा, ताकि कार्यक्रम सकुशल संपन्न हो सके। इस मौके पर नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी दिनेश चंद्र आर्य, डॉ.पेश इमाम हाफिज सैफुल्ला, एम.हबीब, मुन्नीलाल अवस्थी, व्यापार मंडल अध्यक्ष महेश गुप्ता दीपू, हर्ष गुप्ता, सुजात खान, हसन खान, एम खान सहित दोनों वर्गों के लोग मौजूद रहे।

सोमवार को सुमेरपुर में पीस कमेटी की बैठक करते थानाध्यक्ष। अमृत विचार

प्रेसवार्ता

सीडीओ ने पीएम आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत आवास प्लस सर्वेक्षण 2024 की जानकारी दी

आवास प्लस एप से 50,906 परिवारों का हुआ सर्वे

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार: प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत आवास प्लस सर्वेक्षण 2024 को लेकर मुख्य विकास अधिकारी अरुण कुमार सिंह और परियोजना निदेशक नवीन कुमार गुप्ता ने सोमवार को विकास भवन सभागार में प्रेसवार्ता की, जिसमें सर्वे के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रेस वार्ता के दौरान सीडीओ ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत आवास प्लस सर्वेक्षण 2024 का कार्य 1 जनवरी से 15 मई तक चलाया गया। इस बार सेल्फ सर्वे और असिस्टेड सर्वे का कार्य कराया गया। जनपद की 330 ग्राम पंचायत में कुल 136 सर्वेयरों की तैनाती की गई थी, जिनके द्वारा आवास प्लस एप के माध्यम से एसिस्टेड सर्वे में 23494 एवं सेल्फ सर्वे में 24412 कुल 50906 परिवारों का सर्वे किया गया है। सेल्फ सर्वे के डाटा का कार्य शत प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। डाटा के वेरिफिकेशन का कार्य ग्राम पंचायत में तैनात 100 चेकरों द्वारा किया जा रहा है।

विकास भवन सभागार में प्रेसवार्ता कर जानकारी देते सीडीओ। अमृत विचार

इन लोगों को मिलेगा पीएम आवास का लाभ

- प्रधानमंत्री आवास योजना में पात्रता का मानक तय है। ऐसे परिवार जो आवासविहीन हैं अथवा उनके पास कच्ची दीवार पर कच्ची छत, घास-फूस की झोपड़ी, एक कमरा तथा दो कमरा कच्चा है। आश्रय विहीन, बेसहारा/भीख मांगकर जीवन यापन करने वाले, हाथ से मैला ढोने वाले, आदिम जनजाति समूह, वैधानिक रूप से मुक्त कराए गए बंधुआ मजदूर।

पक्की दीवार वाले मकान के परिवार होंगे अपात्र

- पक्की छत और पक्की दीवारों वाले मकानों में रहने वाले परिवार और दो से अधिक कमरों के मकान में रहने वालों को इस प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया है। मोटर युक्त तिपहिया / चौपहिया वाहन, मशीनीकृत तिपहिया/ चौपहिया कृषि उपकरण। 50 हजार या उससे अधिक ऋण सीमा वाला किसान क्रेडिट कार्ड धारक। जिनका कोई सदस्य सरकारी कर्मचारी हो, सरकार के पास पंजीकृत गैर-कृषि उद्यम वाले परिवार। जिनका कोई सदस्य 15 हजार रुपये से अधिक प्रतिमाह कमा रहा हो। आयकर देने वाले, व्यवसाय कर देने वाले, वे परिवार, जिनके पास 2 .50 एकड़ या इससे अधिक सिंचित भूमि है, पांच एकड़ या इससे अधिक असिंचित भूमि हो।

कार्यकारिणी का शपथ समारोह

राठ। ब्रह्मानंद महाविद्यालय में लक्ष्य संगठन की नवनिर्वाचित प्रांतीय कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। सभी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से शपथ दिलाई गई।

अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष गुलाब सिंह, संचालन संयोजक राजकुमार भारतीय ने किया। प्रांतीय संरक्षक एसपी सिंह, डॉ.शिवकुमार राजपूत, प्रांतीय संयोजक बिहारीलाल महान, प्रांतीय अध्यक्ष अरिमर्दन सिंह राजपूत, प्रांतीय महामंत्री मेघराज सिंह राजपूत, उपाध्यक्ष डॉ.संतोष राजपूत, अनिल राजपूत, केशव राजपूत, संयुक्त सचिव प्रीति राजपूत, कमलेश राजपूत, मनोज राजपूत, उमाकांत राजपूत, डॉ.वेदराम वर्मा, जेपी राजपूत अलीगढ़ ने शपथ ली।

श्रीराम कथा में बताई शिव धनुष की महिमा

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार: कस्बे के श्री मेला जल विहार समिति में चल रही श्री राम कथा के छठवें दिन श्री धन्वन्तरि जी महाराज ने राम और सीता की मुलाकात और स्वयंवर से जुड़े प्रसंग सुनाए। शिव धनुष को लेकर भी कुछ रहस्य बताए।

कथा वाचक ने कहा कि रामायण का हर प्रसंग मोहित करने वाला है। बताया कि जनक ने सीता के स्वयंवर की घोषणा करते हुए ऐलान किया कि जो धनुष की प्रत्यंचा को चढ़ा देगा, उससे सीता का विवाह होगा। शिव धनुष कोई साधारण धनुष नहीं था, बल्कि उस काल का ब्रह्मास्त्र था। उस धनुष के संचालन की विधि राजा जनक, माता सीता, परशुराम और विश्वामित्र को ही ज्ञात थी। राजा जनक को इस बात का डर था कि अगर धनुष रावण के हाथ लग गया तो सृष्टि का विनाश हो जाएगा। इसलिए विश्वामित्र ने पहले ही स्रीराम को संचालन की विधि बता दी थी। धनुष टूटने पर परशुराम को बहुत क्रोध आया, लेकिन विश्वामित्र एवं लक्ष्मण के समझाने के बाद कि वह पुरातन यन्त्र था, इसलिए संचालित करते ही टूट गया। तब जाकर परशुराम का क्रोध शांत हुआ। राम ने जब प्रत्यंचा चढ़ा कर धनुष को तोड़ा तो सीता से उसका विवाह संपन्न हो गया।

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 2 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

बकरी चोरी पर पुलिस अधीक्षक से शिकायत

महोबा। अजनर थाना क्षेत्र के रजपुरा निवासी प्रेमचंद ने एसपी को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि वह बकरी पालन कर अपने परिवार को भरण पोषण करता है। वह जंगल में बकरी चराने के लिए छोड़कर घर वापस आ गया, तभी कुलदीप, राम सिंह सहित चार लोग बकरियां चुराने की कोशिश करने लगे, लेकिन ग्रामीणों की शोर मचाने पर वे लोग भाग गए। एसपी ने पुलिस को जांच के निर्देश दिए, जिस पर पुलिस दो लोगों को पकड़कर पूछताछ कर रही है। थाना प्रभारी सत्यपाल का कहना है कि मामला पारिवारिक विवाद का है, जांच की जा रही है।

एसपी ने दफ्तर में सुनीं समस्याएं

महोबा। पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह ने सोमवार को पुलिस कार्यालय में फरियादियों की समस्याएं सुनकर निस्तारण के दिए निर्देश दिए। शहर के अलावा आसपास ग्रामीण अंचलों के फरियादी अपनी फरियाद लेकर कार्यालय पहुंचे और एसपी के समक्ष अपनी समस्या रखी। पुलिस अधीक्षक ने पीड़ितों की समस्याओं को गम्भीरता से सुना। जन सुनवाई के दौरान जो भी फरियादी अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद के साथ आये थे उन सभी की समस्याओं को सुनकर उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराये जाने का आश्वासन दिया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा प्राप्त हुई शिकायत के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किये जाने के लिए सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

हेल्थ एटीएम में महज 10 जांचें हो रहीं

कुरारा (हमीरपुर)। सीएचसी में लगी हेल्थ एटीएम बेमकसद साबित हो रही है। मशीन से होने वाल 34 जांचों में महज 10 जांचे ही कराई जाती है। कस्बे के स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लगी हेल्थ एटीएम मशीन से 34 प्रकार की जांच होती है। जिसमें से हीमोग्लोबिन, वजन, ब्लड प्रेशर, लंबाई, शुगर, टेंपरेचर, पल्स आदि जांचें की जाती है। वही 15 दिन में 420 लोगों की जांच हेल्थ मशीन से की गई है। प्रयोगशाला के सहायक मनोज कटियार ने बताया कि बदलते मौसम में प्रतिदिन 30 से 35 मरीजों की जांच की जाती है। डामर गांव के मरीज सुघर सिंह ने बताया कि सीबीसी जांच करवाने के लिए हेल्थ मशीन से न करवा कर लैब में करवानी पड़ती है। जिससे जांच रिपोर्ट लेने के लिए इंतजार करना पड़ता है। सीएचसी अधीक्षक सुनील कुमार जायसवाल ने बताया कि हेल्थ एटीएम मशीन से 34 में से 10 जांचे कराई जाती हैं। बाकी अन्य जांचें लैब में कराई जाती है।

शिक्षामित्र के दरवाजे खड़ी स्कूटी चोरी

राठ (हमीरपुर)। कस्बे के सिंकदरपुरा निवासी शिक्षामित्र ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि उसकी स्कूटी घर के सामने खड़ी थी। शनिवार की शाम करीब 5 :बजे कस्बे का एक युवक स्कूटी चोरी कर ले गया। पुलिस ने स्कूटी को कोतवाली क्षेत्र के गल्हिया गांव से बरामद भी कर लिया है लेकिन स्कूटी चोरी करने वाले चोर के विरुद्ध कोई भी कार्रवाई नहीं की है। उसने कोतवाली में तहरीर देकर स्कूटी चोरी करने वाले के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने की गुहार लगाई थी, लेकिन पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया। बताया कि उसने सोमवार को कोतवाली पुलिस सहित एसपी को शिकायती पत्र भेजकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। कोतवाली प्रभारी ने कहा कि प्रकरण की जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

दो घंटे अनवरत झमाझम बारिश से शहर की सड़कें हुईं लबालब

जलनिकासी की सुविधा नहीं होने से सड़कों पर खड़े वाहनों में भी भर गया पानी

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- मुख्य सड़कों पर दो-दो फीट पानी भरने से यातायात ठप
- पानी भरी सड़कों पर बंद हुए वाहन, घसीटते रहे चालक

सड़क पर भरा पानी और उसमें फंसी कारें। अमृत विचार

अमृत विचार। जिले में सोमवार को दो घंटे हुई झमाझम बारिश के चलते शहर की मुख्य सड़कों पर दो-दो फीट पानी भर जाने से आवागमन प्रभावित रहा। जोरदार बारिश के चलते शहर की कई सड़कें तालाब बन गईं। मुख्य सड़कों पर स्कूटी और मोटरसाइकिलों में पानी भर जाने से कई वाहन बंद हो गए। सड़क पर खड़ी कई चार पहिया वाहनों में पानी भर गया। तेज बारिश के चलते शहर में दो घंटे तक आवागमन ठप रहा। मजबूरन कुछ लोग पानी में आते-जाते दिखाई दिए। कई दुकानों और घरों में पानी भर जाने से लोग खासा परेशान रहे।

सोमवार को सुबह साढ़े तीन बजे से शुरू हुई जोरदार बारिश शाम साढ़े पांच बजे तक होती रही, जिससे महोबा लवकुश नगर मार्ग पर दो दो फिट, तहसील से डाकबंगला मार्ग पर दो दो फिट और लौड़ी तिराहा से समदनगर मोड़ तक तीन तीन फिट व कस्तूरबा गांधी मुख्य सड़क पर तीन तीन फिट पानी भर जाने से आवागमन ठप हो गया, जिससे लोगों को कई किमी घूमकर अपने अपने घरों तक आना पड़ा। लोगों के घरों के दरवाजों पर और मैदानों में पानी भर जाने से लोगों का घरों तक पहुंचना मुश्किल हो गया। इससे लोगों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ा।

तहसील चौराहा से डाकबंगला मैदान तक सड़क किनारे नालों की सफाई न कराने से जल निकासी न होने के कारण सड़कों पर दो दो फिट पानी बहता है, जिससे सड़कों पर आवागमन में असुविधा का सामना करना पड़ा। वहीं दूसरी तरफ लौड़ी तिराहा से कांशीराम कालोनी रोड तिराहा तक नाले का निर्माण न होने से सड़क पर दो दो फिट पानी बहता रहा, वहीं तमाम लोगों के घरों में पानी घुस गया। कई लोगों के चार पहिया वाहन आधे आधे डूब गए। मूसलाधार बारिश लोगों भारी आवागमन कई घंटे तक प्रभावित रहा। धीरे धीरे सड़कों का पानी कम होने यातायात व्यवस्था बहाल हो सकी।

तीन घंटे तक गुल रही बत्ती, कामकाज ठप

सोमवार को बारिश होते ही शहर की बत्ती गुल हो गई। गांधीनगर इलाके में तीन घंटे तक बिजली आपूर्ति ठप होने से लोगों को भारी दिक्कत का सामाना करना पड़ा। इलेक्ट्रानिक कारोबार पूरी तरह से ठप हो गए। लोगों को फोटोकापी और कम्प्यूटर से काम कराने में दूसरे इलाकों में जाना पड़ा। इतना ही नहीं बैल्डिंग मशीन, आरा मशीन और बिजली से संबन्धित सभी कामकाज तीन घंटे तक ठप रहे। दिन में तीन बजे से छह बजे तक बिजली आपूर्ति पूरी तरह से प्रभावित रही, जिससे परेशानी हुई।

खेतों में पानी भरा होने के कारण रबी की फसल की बुवाई नहीं हो पा रही है। अमृत विचार

फसल बुवाई की सता रही चिंता

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- ढाई माह से रुक-रुककर बारिश होने से खेतों पर भरा पानी

अमृत विचार। इस साल हो रही बारिश के चलते किसानों की खरीफ फसल बर्बाद हो गई है, इसके बाद भी रुक रुक हो रही बारिश के चलते खेतों में पानी भरा होने अधिक गीला होने से किसान रबी फसल के लिए खेत तैयार नहीं कर पा रहे हैं, जिससे किसानों को अब रबी फसल की समय से बुवाई न होने से चिंताएं बढ़ गई है। किसानों ने कर्ज लेकर बोई गई खरीफ की फसल बरिश की भेंट चढ़ जाने के बाद रबी फसल की अच्छी उम्मीद थी, लेकिन सितम्बर माह में बारिश जारी होने से खेतों में एक बार फिर पानी भर जाने से किसान रबी की फसल को लेकर खासा चिंतित है।

गौरतलब है कि इस साल 15 जून के बाद से शुरू हुई बारिश रुक रुककर लगातार होने से खेत पानी से लबालब भरे हुए हैं। वहीं कुछ खेतों में पानी कम होने से किसान रबी फसल के लिए खेतों को तैयार करने की तैयारी में जुटा हुआ था, लेकिन दो दिन से एक बार फिर शुरू हुई बारिश ने किसानों के अरमानों पर पानी फेर दिया है, जिससे किसानों की समस्याएं कम होने का नाम नहीं ले रही है। सोमवार को तड़के सुबह शुरू हुई बारिश रुक रुककर सारी दिन होती रही, जिससे किसान खेतों की जुताई बखराई नहीं कर पा रहा है। खेतों में पैर खपने से न तो किसान हल बैल चला पा रहा और न ही ट्रैक्टरों से जुताई कर पा रहे हैं।

खेतों में जहां एक तरफ पानी भरा हुआ है वहीं दूसरी तरफ खेतों के मार्गों में एक एक फिट पानी भर जाने से मार्ग कीचड़युक्त हो गए है, जिससे किसानों का खेतों तक आना जाना बंद हो गया है। मार्ग कीचड़युक्त होने से मार्ग पर दो पहिया चार पहिया वाहन से निकलना तो दूर पैदल चलना मुश्किल हो गया है। खेत वाले मार्ग से शार्टकट रास्ता पठा, चितहरी, लवकुश नगर और खजुराहो मार्ग पर आना जाना मुश्किल हो गया है, जिससे लोग अब खजुराहो, पठा चितहरी जाने के लिए दस किमी. का लम्बा रास्ता तय कर रहे हैं।

ज्ञापन देने जाते राष्ट्रवादी पार्टी के पदाधिकारी। अमृत विचार

डीएम को ज्ञापन सौंप कर मांगा समाधान

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- राष्ट्रवादी पार्टी ने किसानों और आम समस्याओं को उठाया

अमृत विचार। राष्ट्रवादी पार्टी ने जिले में हो रही खाद की काला बाजारी, अन्नापशुओं के खेतों पर विचरण से किसानो को फसल का नुकसान होने व सड़कों पर जाम लगाने, खराब सड़कों सहित किसानों और आमजन की समस्याओं का मुद्दा उठाते हुए पार्टी के जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में कार्यकर्ता और पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर मांगों को पूर्ण कराए जाने की मांग उठाई है।

डीएम को दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि खाद की कालाबाजारी होने से किसानों को खाद की दिक्कत पैदा हो गई, जिससे उन्हें खेती करने मे तमाम परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, बावजूद इसके सरकार इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। बताया कि अन्नापशुओं के खेतों में घूमे जाने से उसकी फसल को नुकसान हो रहा है साथ ही मवेशियों के सड़कों पर बैठने और घूमने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है साथ ही जाम की स्थिति भी पैदा हो जाती है, बावजूद इसके सड़कों पर घूम रहे अन्ना मवेशियों को गौशालाओं में संरक्षित नहीं किया जा रहा है। बताया कि अधिक वर्षा के चलते किसानो की फसल बर्बाद हो गई वहीं तमाम लोगों के घर गिर गए, लेकिन सरकार द्वारा उन्हें मुआवजा नहीं दिया गया।

ज्ञापन में बताया कि किसानों के साथ साथ आमजन को भी तमाम दुश्वारियों से दो चार होना पड़ रहा है। जिले में टूटी और उखड़ी सड़कों के कारण आएदिन लोग दुर्घटनाओं का शिकार हो जाते हैं, बावजूद इसके सड़कों की मरम्मत पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है। बताया कि बिजली कटौती के चलते आमजन के अलावा उनके कारोबार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। पाटी के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी सभी समस्याओं को शीर्घ निस्तारण कराए जाने की मांग की। जिलाध्यक्ष ने चेतावनी दी है कि यदि मांगों को पूरा नहीं किया तो पार्टी आंदोलन करने को मजबूर हो जाएगा।

बैंकों की जांची गई सुरक्षा व्यवस्था

महोबा। पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह के निर्देश पर सोमवार को पुलिस ने बैंकों में सुरक्षा व्यवस्था जांची। सभी प्रभारी निरीक्षकों ने अपने-अपने क्षेत्र के बैंकों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और उपकरणों की स्थिति को देखी।

इस दौरान बैंक के अंदर और बाहर संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग की गई। बैंकों के आसपास खड़े लोगों से पूछताछ कर बेवजह खड़ों लोगों को चेतावनी देते हुए वहां से हटाया गया। बैंक के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों, वार्निंग आलर्म और सुरक्षा उपकरणों को चेक कर परखा गया। बैंकों के अंदर बाहर पुलिस द्वारा चेकिंग किये जाने को लेकर बैंक जा रहे तमाम ग्राहक बाहर से ही खिसक गए। पुलिस टीम ने बैंक प्रबंधकों से सुरक्षा बिन्दुओं पर वार्ता की साथ ही बैंक में ड्यूटी में मौजूद सुरक्षा कर्मियों को सतर्कता के साथ साथ अलर्ट रहकर ड्यूटी करने के दिशा निर्देश दिए।

गरीब बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए आगे आएं

कार्यालय संवाददाता, महोबा

बैठक में बोलते संगठन पदाधिकारी। अमृत विचार

- आल इंडिया मंसूरी समाज एवं पसमांदा मुस्लिम समाज की जिला स्तरीय बैठक

अमृत विचार। सरकार गरीब परिवारों की शादी के लिए लाभ दे रही है उसका सभी जाति के लोग लाभ ले सकते हैं। समाज की ओर से अब शादी सम्मेलन की आवश्यकता नहीं है, बल्कि इसमें खर्च होने वाले पैसों को समाज के गरीब बच्चों की शिक्षा पर उपयोग में लाया जा सकता हैं, इसके लिए समाज को आगे आना चाहिए। उक्त विचार संगठन के मंडलाध्यक्ष रहीश बख्श ने पसमांदा जिलाध्यक्ष के आवास पर आल इंडिया मंसूरी समाज एवं पसमांदा मुस्लिम समाज की जिला स्तरीय बैठक में व्यक्त किए।

बैठक को संबोधित करते हुए मंसूरी समाज के जिलाध्यक्ष राका मंसूरी ने कहा कि जनपद में बड़े स्तर पर कार्यकर्ता सम्मेलन के लिए धन की समस्या को दूर करना होगा। ऐसे सम्मेलन से दूर दराज से आने वाले समाज के लोगों को समस्याओं को जानने के साथ संगठन को विस्तार में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में समाज को जोड़ने के लिए कमजोर परिवारों की मदद करना चाहिए, जिससे समाज का बच्चा अच्छी शिक्षा ग्रहण कर अपने भविष्य के साथ साथ समाज के हित में कार्य कर सके।

उन्होंने कहा कि समाज में किसी की मौत हो जाने के बाद दावत खिलाने की चलन को बंद करना होगा और फितरा जकात के धन को एकत्रित कर गरीबों की शिक्षा आदि में खर्च में लगाया होगा। कोषाध्यक्ष करीम बख्श मंसूरी ने कहा कि शिक्षा समाज को विकास से जोड़ती है और दीनी तालीम बुरे कार्यों से रोकती है। इसलिए बुनियादी शिक्षा के साथ दीनी तालीम दिलाने की आवश्यकता है।

संगठन के महासचिव शब्बीर मंसूरी ने कहा कि शिक्षा विकास की जननी है, लेकिन नशाखोरी परिवार को बर्बादी की ओर ले जाती है, इसलिए माता पिता को अपने बच्चों की खामियां खोजकर उन्हें दूर करने का प्रयास करना होगा। बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष आज़ाद मंसूरी ने जिले में समाज के गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए लाइब्रेरी खोले जाने का प्रस्ताव रखा। शहजाद मंसूरी ने समाज को आगे लाने के लिए सोच बदलते हुए शहर और ग्रामों में जाकर कार्य करना होगा, जिससे लोगों को मुख्य धारा से जोड़ा जा सके। यासीन मंसूरी ने जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन कराए जाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के समापन पर हाजी चतुर मंसूरी ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अजीज खान, मोहम्मद जावेद, हनीफ, शहीद, हनीफ, जावेद मंसूरी अकबर मंसूरी, रऊफ, उस्मान, बली मोहम्मद, मफत कमाल, सुबान, फय्याज, अनीस, इदरीस एडवोकेट, नवी मंसूरी, कमरूद्दीन, इखलाक अहमद, इलयास अहमद आदि समाज के लोग मौजूद रहे।

अधिशासी अधिकारी ने कान्हा गौशाला का देखा हाल

संवाददाता, कुलपहाड़

कान्हा गौशाला में मौजूद गोवंश। अमृत विचार

- गौशाला संचालकों को साफ-सफाई रखने के दिए निर्देश

अमृत विचार। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी प्रवेंद्र कुमार ने कान्हा गौशाला अजनर का सोमवार को औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण दौरान गौशाला में स्थाई 505 गोवंश मौजूद पाए गए।

उन्होंने गौशाला प्रभारी प्रदीप कुमार तिवारी एवं 6 गौसेवकों गौशाला के विषय में विभिन्न जानकारी प्राप्त दी। गौशाला में गोवंशों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त मात्रा में टीनशेड बनाए गए तथा गौशाला में गोवंशों के खाने के लिए पर्याप्त मात्रा में हरा चारा मौजूद पाया गया इसके अलावा कपिला पशु आहार की भी व्यवस्था देखी गई। गौशाला में मौजूद सभी गोवंश स्वस्थ पाए गए उन्होंने पाया की प्रतिदिन समय-समय पर पशु चिकित्सा अधिकारी अजनर डॉ. अरविंद गोवंश का स्वास्थ्य परीक्षण करने जाते हैं। निरीक्षण के बाद अधिशासी अधिकारी ने बताया की कान्हा गौशाला अजनर लगभग 18 बीघा क्षेत्रफल में बनी हुई है, जिसमें लगभग पांच सैकड़ा के करीब स्थाई गोवंश हैं, जिनकी रखरखाव की व्यवस्था नगर पंचायत द्वारा की जाती है।

गौशाला में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था है गौशाला में जितना भी गोबर निकलता है उसका गौशाला में लगे गोबर गैस प्लांट से गैस तैयार करके कर्मचारियों का खाना बनाने में उपयोग किया जाता है शेष बचे गोबर की खाद तैयार की जाती है जिसका उपयोग गौशाला में बोया गया हरा चारा को तैयार करने में उपयोग की जाती है गौशाला में मौजूद सभी गोवंश स्वस्थ पाए गए।

अधिशासी अधिकारी ने गौशाला संचालक को गौशाला में साफ सफाई रखने के निर्देश दिए साथ ही गोवंशों की देखरेख खानपान के लिए लगाए गए अस्थाई कर्मचारियों को समय से अन्नापशुओं के खानपान की व्यवस्था करने को कहा साथ ही साफ सफाई पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि इनमे किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

तैयारी मोहम्मद साहब की यौम-ए-पैदाइश को लेकर मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में चहल-पहल बढ़ी

ईद मीलादुन्नबी को लेकर सज गईं झंडे-झालरों की दुकानें

कार्यालय संवाददाता, महोबा

बाजार में सजी झंडों की दुकान। अमृत विचार

अमृत विचार। पैगम्बर ए इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब की यौमे पैदाइश को लेकर तैयारियां जोरशोर से शुरु हो गई हैं। बाजार में हरे परचम और झंडियों की दुकानें सज गई हैं। तमाम दुकानदारों ने आज कल अन्य सामान के साथ साथ झंडों की दुकानें भी सजा ली हैं, जहां पर झंडे और झंडियां खरीदने वालों की भारी भीड़ जुट रही है। उधर बारहबफात कमेटी ने भी जगह जगह शहरों के चौराहो और मार्गों को सजाने के लिए तैयारियां आरम्भ कर दी हैं तो वहीं लोगों द्वारा घरों को हरा परचम और बिजली की झालर व आकर्षक सजावट करने का काम शुरू कर दिया है।

इस्लामिक कलेंटर के मुताबिक इस दफा अंग्रेजी की 05 सितंबर को शुक्रवार को जश्न ए ईद मीलादुन्नबी मनाया जाएगा, जिसकी तैयारियां मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अभी से शुरु हो गई हैं वहीं बारह रबीउल अवव्ल त्यौहार मनाने के लिए युवाओं की कमेटी अभी से जुट गई है। मस्जिदों और घरों को रंग रोगन करके सजाया जाने का काम तेजी से किया रहा है। मुस्लिम समुदाय के लोग बाजार में बिक रही रंग बिरंगी झालरों, झंड्डियों और झंडों की खरीददारी में जुट गए हैं, जिससे चारो तरफ लोग सजावट के काम में लगे हुए हैं।

हजरत मोहम्मद साहब की यौमे पैदाइश के प्रति युवाओं में खासा उत्साह दिखाई दे रहा है। मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में खासी चहल पहल बढ़ गई है, सुबह और शाम को लोग काम के बाद सजावट करने के काम में जुटे नजर आ रहे हैं। बाजार में कई स्थानों पर झंडे झंड्डियों और झालरों की दुकाने सज गई हैं, जिसके चलते बाजार में भी चलह पलह तेज हो गई है। लोगों ने अभी से हरे परचम खरीद कर अपने अपने घरों और मस्जिदों में लगा लिए है। हरी झंड्डियों और बिजली की रंग बिरंगी सजावट भी घरों में की जा रही है, जिससे बारह रबीउल अव्वल को पैदाइशी मोहम्मदी के दिन घर रोशनी से जग मागाएंगे। मस्जिदों में भी बिजली की सजावट की गई है, जिससे बाजार में हरे झंडे, झंड्डियों के अलावा बिजली की झालरों की जमकर बिक्री हो रही है।

रात भर जागकर करते इंतजार

- मौलाना कारी सैयद आफाक हुसैन का कहना है कि हजरत मोहम्मद साहब की यौम ए पैदाइश पर खुशियां मनाई जाती है। यही वजह है कि लोग मस्जिदों और घरों में सजावट करते हैं और बारह रबीउल अव्वल की रात जागकर यौम ए पैदाइश के वक्त का इंतजार करते हैं। पैदाइश के वक्त चारो तरफ नारा ए तकवीर अल्लाहो अकबर, सबसे प्यारा नबी हमारा, हुजूस की आमद मरहवा, मक्के की आमद मरहवा जैसे नारों के अलावा अतिशबाजी से पूरा शहर गूंज उठता है। छोटे छोटे बच्चे भी यौम ए पैदाइश के वक्त का बेसब्री से इंतजार करता है। कारी आफक हुसैन ने कहा कि मोहम्मद साहब ने हमेशा इंसानियत का संदेश दिया है और उनके बताए गए रास्ते पर चलना चाहिए।

डीएम से मार्ग निर्माण की उठाई मांग

कार्यालय संवाददाता, महोबा

शिकायती पत्र के साथ खड़े मोहल्लेवासी। अमृत विचार

अमृत विचार। शहर के वन विभाग कार्यालय के समीप से निकले मार्ग का निर्माण न होने से यहां निवास कर रहे करीब एक सैकड़ा से अधिक परिवारों के लोगों को आवागमन में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। इस मार्ग पर बारिश के चलते पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया है। इस समस्या का समाधान कराए जाने के लिए मुहालवासियों ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर मार्ग को बनवाए जाने की मांग उठाई है।

जिलाधिकारी को दिए गए प्रार्थना पत्र बताया गया कि शहर के छतरपुर रोड स्थित स्थित वन विभाग के समीप मार्ग पर बारिश के चलते कीचड़ और पानी भर जाने के कारण वहां निवास कर रहे करीब एक सैकड़ा परिवार के लोगों का निकलना मुश्किल हो गया है। बताया कि इस मुहाल के लोगों के आवागमन का मात्र एक ही मार्ग है, जो कीचड़ पानी से लबालब भर गया, जिस कारण सभी उम्र के महिला पुरूषों को रोजमार्रा के कार्य करने में भारी दिक्कतें हो रही है। इतना ही नहीं बच्चों को स्कूल लाने और वापस छोड़ने वाले वाहन भी लोगों के घर तक नहीं पहुंच पाते, जिससे परिवार के लोग बड़ी मशक्कत करते हुए बच्चों को स्कूली वाहनों तक पहुंचाते हैं। प्रार्थना पत्र में बताया कि इस सम्बन्ध में कई बार मार्ग बनाए जाने के बावत अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन आज तक इस 250 मीटर सड़क का निर्माण कार्य नहीं कराया गया। मार्ग न बनाए जाने के कारण तमाम बुजुर्ग और महिला कीचड़ के चलते गिरकर घायल हो चुकी है। प्रार्थना पत्र देने वाले राहुल शर्मा, अज्जू शर्मा, नफीस, किशोरीलाल, श्रीप्रकाश राठौर, प्रकाश, रामनरेश, धर्मेंद्र कुमार, प्रेमचंद्र, रामनरेश, दिलीप यादव आदि ने जिलाधिकारी से मार्ग का निर्माण कराए जाने की मांग की है।

न्यूज ब्रीफ

भीम आर्मी ने मनाई ललई सिंह की जयंती

पहाड़ी (चित्रकूट)। दरसेड़ा ग्राम पंचायत में सोमवार को भीम आर्मी भारत एकता मिशन के बैनर तले ललई सिंह यादव की जयंती मनाई गई। इस भीम आर्मी के जिला संयोजक संजय कुमार गौतम ने ललई सिंह यादव के संघर्षों और सामाजिक न्याय के लिए उनके योगदान को याद किया। उन्होंने सच्ची रामायण के लेखक ललई सिंह यादव के जीवन परिचय पर प्रकाश डाला । कार्यक्रम में विनोद वर्मा, रामनाथ वर्मा, देवशरण वर्मा, अर्चना बौद्ध, लवकुश बौद्ध, शिव स्वरूप वर्मा, जय चंद्र आदि मौजूद रहे।

बदमाशों की सूचना पर पुलिस ने की कांबिंग

चित्रकूट। बदमाशों की सूचना पर एसओजी ने ड्रोन टीम के साथ कोतवाली कर्वी, बहिलपुरवा, रैपुरा, मानिकपुर एवं चौकी सरैया की पुलिस टीम के साथ थाना क्षेत्र रैपुरा के चर गांव के पहाड़ों में एसपी अरुण कुमार सिंह की अगुवाई में कांबिंग की। गौरतलब है कि सोमवार को चर के ग्रामीणों ने सूचना दी कि पांच बदमाशों को ग्रामीणों ने घेर रखा है। इस सूचना पर क्षेत्राधिकारी नगर अरविंद कुमार वर्मा, राजापुर राजकमल, प्रभारी एसओजी टीम एमपी त्रिपाठी ड्रोन टीम प्रभारी उपेंद्र प्रताप सिंह, प्रभारी बहिलपुरवा आशुतोष तिवारी, रैपुरा विनोद कुमार शुक्ला, मानिकपुर श्रीप्रकाश यादव, चौकी प्रभारी सरैया सत्यपति त्रिपाठी ने पहाड़ों और जंगलों में कांबिंग की। पुलिस अधीक्षक ने लोगों के साथ संवाद किया और ग्रामीणों की सराहना की।

बैडमिंटन में दिखाई प्रतिभा

चित्रकूट। जिला क्रीड़ाधिकारी अरविंद कुमार सोनकर ने बताया कि रविवार को जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में बीते दिन ओपन बालक-बालिका बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें सिंगल और डबल वर्ग के मैच हुए। डबल वर्ग बालक में अर्श खान, उत्कर्ष विजेता, अरविंद मोहन, अंश सोनी उप विजेता रहे। बालिका वर्ग में वसुंधरा विजेता, अदिति सिंह गौतम उप विजेता रहीं। बालिका वर्ग डबल में वसुंधरा, अदिति सिंह विजेता, ऋतंभरा, ज्योत्सना उपविजेता रहीं। इस अवसर साइकिल रेस व एथलेटिक्स प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ। 100 मी. में रेश्मा प्रथम, आकांक्षा द्वितीय रहीं। 50 मी. में बालिका रोशनी प्रथम, पूनम द्वितीय स्थान पर रहीं। बालक वर्ग में 100 मी. में सचिन प्रथम, बुद्धविलास द्वितीय, 50 मी. में अशोक प्रथम, रामअधारी द्वितीय स्थान पर आए। समापन जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव ने किया। प्रतियोगिता को सम्पन्न कराने में श्यामसुंदर यादव ने सहयोग किया।

पालिका संविदाकर्मियों को ईपीएफ संबंधी बैंक का पता नहीं

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। पयस्वनी नदी के पास सच्चा बाबा आश्रम में नागरिक केंद्रित शासन विषय पर बुद्धिजीवियों ने विचार विमर्श किया। लोक नीति विचार मंच के तत्वावधान में हुई गोष्ठी में अभिमन्यु भाई ने नगर पालिका परिषद के संविदाकर्मियों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि इन कर्मचारियों को यह तक नहीं पता कि उनका ईपीएफ किस बैंक में जमा है।

उन्होंने बताया कि पालिका में सन् 2016 में 41 लोगों को सफाई के लिए संविदा पर रखा गया था। इनका लगातार ईपीएफ पालिका काट रही है लेकिन आज तक इन्हें यह नहीं मालूम कि क्या वह धनराशि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के खाते में समय पर जा रही है। इनको इसके नंबर आदि की जानकारी नहीं दी गई। कर्मचारियों ने आईजीआरएस में शिकायत की तब नंबर दिया गया। अभिमन्यु ने बताया कि कर्मचारियों ने जब पता किया तो यह गलत निकला। इससे सफाईकर्मी परेशान हैं। इनका मानदेय कम है, सप्ताह में अवकाश भी नहीं दिया जाता। बताया कि इस संबंध में उन्होंने संबंधित अधिकारी से फोन पर की है और चित्रकूट आकर समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया है। कार्यक्रम का प्रारंभ महात्मा गांधी के प्रिय भजन रघुपति राघव राजा राम से हुआ। वक्ताओं का कहना था कि अगर नागरिक केंद्रित शासन के लक्ष्य को पाना है तो निश्चित तौर पर सबको अपेक्षाकृत छोटे चुनावों पर लोगों को जागृत करना होगा। समाज के बीच देखना होगा कि ऐसे कौन व्यक्ति हैं, जिनके अंदर सामाजिक संवेदनाएं हैं। सत्यदेव ओझा ने कहा कि समस्याओं के समाधान न होने की सबसे बड़ी वजह अशिक्षा है। केवल तंत्र और राजनेताओं के सहारे सामाजिक, आर्थिक आजादी नहीं प्राप्त की जा सकती। अवकाश प्राप्त सैनिक कामता प्रसाद विश्वकर्मा ने कहा कि हम सब लोग लोकसेवक तभी बन पाएंगे जब सैनिक के रूप में अपने मिशन पर समर्पित रहेंगे। डा. प्रेमशंकर शुक्ला ने कहा कि इस जनसुनवाई की रिपोर्ट को जिलाधिकारी को सौंपेंगे। राजेंद्र कुमार वर्मा, अजय कुमार आदि ने भी विचार रखे।

लोक नीति विचार मंच की गोष्ठी में मौजूद समाजसेवी। अमृत विचार

नदियों-तालाबों की हत्या के लिए तंत्र जिम्मेदार : जितेंद्र

- जितेंद्र कुमार गोयल ने कहा कि नागरिकों को जल चाहिए, हवा चाहिए। आज चित्रकूट में समाज नदियों और तालाबों पर आश्रित है। इनकी हत्या किसने की। नदियों के किनारे खतरनाक जोन पर आबादी बसाई गई है । प्रशासन ने नागरिकों की आवाज को दबा करके गोलतालाब में नाली लगा दी। सच्चा बाबा आश्रम के नीचे तक पयस्वनी नदी का पानी आता था। यहां पर पेशवाओं ने जो सात खंड की जल बावड़ी बनवाई थी उसके अस्तित्व को मारने वाला कौन है।

क्या पारिश्रमिक मापने का तरीका अलग-अलग है

- दिनेश चौहान ने एक जनप्रतिनिधि का उदाहरण देते हुए सवाल किया कि एक व्यक्ति अपने जीवन में कई संवैधानिक पदों पर रहा तो उसे सभी पदों की पेंशन मिलेगी यह क्या है। क्या जनता और जनप्रतिनिधियों के पारिश्रमिक मापने का तरीका अलग अलग है। सांसद व विधायक निधियों में कहीं पारदर्शिता नहीं है।

पिछड़ी बस्तियों में करेंगे जनसुनवाई : गौतम

- गौतम चक्रवर्ती ने कहा कि सीतापुर में ऐसी कई बस्तियां हैं जहां पर सामाजिक, आर्थिक आजादी आज तक नहीं पहुंची। हम सबसे पहले उन बस्तियों में जनसुनवाई आयोजित करने के लिए कार्य शुरू करेंगे। सभी ने उनकी बात का समर्थन किया। सभी ने कहा कि हम सब लोग इस जनसुनवाई में सहभागिता देंगे।

इससे कमजोर होता है सामाजिक न्याय : बलवीर

- बलवीर सिंह ने कहा कि हमारे देश में काम के पारिश्रमिक की असमानता सामाजिक न्याय को कमजोर बनाती है। नागरिक केंद्रित शासन के बारे में बौद्धिक समाज के लोगों द्वारा यह प्रयास निरंतर लगातार चलना चाहिए। उन्होंने गंभीर सवाल किया, सोचिए कि जिस देश में नागरिकों से चुनाव आयोग अचानक आकर बोले कि तुम कार्यालय में आकर दस्तावेज से सिद्ध करो कि तुम नागरिक हो तब कैसा लगेगा।

जनप्रतिनिधियों की चिंता कर्ज वापसी

- राममनोहर वर्मा ने कहा कि जनप्रतिनिधि चुने जाने तक काफी धन खर्च करते हैं। जीतने के बाद उनकी सबसे अधिक चिंता कर्ज वापसी की होती है। इसके बाद उनकी चिंता अगला चुनाव लड़ने के लिए धन जुटाने की होती है। जनता के मन में निधियों को लेकर आज तक सवाल हैं। सच्चाई को समझना होगा।

स्वस्थ जीवन के लिए नशामुक्ति आवश्यक

पहाड़ी। विकास पथ सेवा संस्थान ने सोमवार को सुंदी देवी प्राथमिक विद्यालय बरेठी में नशा उन्मूलन एवं तंबाकू नियंत्रण विषयक स्कूली बच्चों के साथ संवाद कार्यक्रम किया। संस्थान के कार्यकर्ता लवलेश सिंह ने बच्चों को नशे के दुष्परिणामों और तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए नशामुक्ति आवश्यक है। उन्होंने बच्चों से आधिकाधिक पौधे लगाने की अपील की। सभासद एवं समाजसेवी शंकर प्रसाद यादव ने भी बच्चों को नशे से दूर रहने की प्रेरणा दी। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक राकेश कुमार राजपूत आदि मौजूद रहे। पांडेय पुरवा में भी रामराज पांडेय की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जगपालक, अभिषेक, धर्मेंद्र यादव, रामकिशोर वर्मा, अमित पांडेय, ओमप्रकाश यादव, वीरपाल, रामराज पांडेय, संदीप पांडेय, गुड्डू चौबे, रामखेलावन, रामचरण, प्रेमचंद, शारदा प्रसाद, सुरेश प्रसाद, राजमनी, रन्नू आदि मौजूद रहीं।

अब स्कूलों की बाल वाटिका में फलेगी-फूलेगी शिक्षा की फसल

इन विद्यालयों में पढ़ेंगे आंगनबाड़ी केंद्रों के छह साल तक के नौनिहाल

संवाददाता, रामनगर चित्रकूट

अमृत विचार। कम छात्र संख्या वाले स्कूलों के दूसरे स्कूलों में युग्मन के बाद अब इनके भवनों में बाल वाटिकाएं खोलने की पहल शुरू हो चुकी है। आकांक्षी ब्लॉक रामनगर के तीन स्कूलों में बाल वाटिकाएं खुल गई हैं इनमें तीन से छह वर्ष के मासूम नौनिहाल पढ़ने लगे हैं।

हालांकि शुरुआत के कारण तथा बारिश के मौसम के प्रभाव की वजह से फिलहाल इनमें बच्चों की संख्या कम है। वैसे इन बाल वाटिकाओं में तीन वर्ष से लेकर छह वर्ष तक के बच्चों को शिक्षा देने की नई पहल है। विभागीय बताते हैं कि शिक्षा विभाग की यह भी योजना है कि जल्द ही पांच वर्ष से अधिक एवं छह वर्ष से कम उम्र के बच्चों की शिक्षा के लिए एवं विशेष देखरेख को लेकर इन जगहों पर एजूकेटर की तैनाती की जाएगी। बाल वाटिका में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा बच्चों को खेल-खेल एवं खिलौने के साथ शिक्षा देने की कवायद है। इसके लिए बाल विकास विभाग भी खासा सक्रिय नजर आ रहा है। बीईओ रामनगर एनपी सिंह ने बताया कि रामनगर के कुर्मी का पुरवा (तीरमऊ), खेरवा (अतरसुई) और नांदिन कुर्मियान में बाल वाटिकाएं खुल चुकी हैं। इनमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बच्चों को खिलौने के माध्यम से पढ़ाना भी शुरु कर दिया है। फिलहाल अभी इन सभी जगह बच्चों की संख्या बहुत कम नजर आ रही है।

विद्यालय भवन में बाल वाटिका की शुरुआत कराते बीईओ एनपी सिंह। अमृत विचार

- रामनगर में तीन स्कूलों में बाल वाटिकाओं का संचालन शुरू

जर्जर भवनों में नहीं होगा संचालन : बीईओ

- खंड शिक्षाधिकारी एनपी सिंह ने बताया कि रामनगर क्षेत्र के तीन स्कूल में फिलहाल बाल वाटिका संचालित करने के लिए काम शुरू किया गया है। नौनिहालों के लिहाज से इस पर बेहद ध्यान भी दिया गया है कि जर्जर स्कूलों में बाल वाटिका का संचालन नहीं हो। उन्होंने यह भी बताया कि बाल वाटिका के बच्चों के लिए विभाग ने खेलने व पढ़ने के लिए सामान भी पहुंचा दिया है। बाल वाटिकाओं में तीन से छह वर्ष के बच्चे प्री प्राइमरी की तरह पढ़ेंगे।

बंजारी माई की शोभायात्रा में झूमे भक्त

संवाददाता, राजापुर चित्रकूट

अमृत विचार। केशरवानी वैश्य समाज ने सोमवार को कुलदेवी बंजारी माई की पूजा अर्चना की। इसके बाद भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस मौके पर झांकी आकर्षण का केंद्र रही।

गइला तिराहा स्थित रमेश केशरवानी के निवास में बंजारी माई की जय जयकार के साथ शोभायात्रा की शुरुआत हुई। डीजे की धुन में आस्थावान थिरकते नजर आए। शोभायात्रा कस्बे के स्मारक रोड, मुख्य बाजार, गुर्रा मंदिर रोड, माधवगंज, तुलसी चौक आदि मोहल्लों से निकाली गई। इस दौरान लोगों ने घरों व दुकानों के सामने विधिवत् पूजा अर्चना की। शोभायात्रा के समय प्रदीप केशरवानी ,उमाशंकर केशरवानी आदि ने श्रद्धालुओं के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की। देर शाम प्राचीन हनुमान मंदिर में हवन पूजन किया गया। भंडारे में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। सुभाष चंद्र केशरवानी ने बताया कि बंजारी माई की पूजा अर्चना से सैकड़ों वर्षों से चली आ रही परंपरा का निर्वाह कर रहे हैं। बंजारी माता को हमारे समाज में कुलदेवी के रूप में पूजा जाता रहा है। केशरवानी समाज द्वारा वृहद शोभायात्रा तथा भंडारे का आयोजन किया जाता है। बताया कि दुकानदार, व्यापारी आज के दिन समाज के संपूर्ण प्रतिष्ठान बंद कर शोभायात्रा में सपरिवार शामिल होते हैं। महिलाएं बड़े श्रद्धा भाव के साथ बंजारी माई की पूजा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती हैं और प्रातः काल घरों में तुला रूपी बंजारी माई की पूजा करती हैं। शोभायात्रा में प्रिंस केशरवानी, संजय केशरवानी, केशवचंद्र केशरवानी, सूरजभान केशरवानी, सुरेश केशरवानी, उमाशंकर केशरवानी, विश्वनाथ केशरवानी, भोला केसरवानी ,बिहारीलाल, विनोद कुमार, मुन्नालाल, वेद केशरवानी, लाला केशरवानी, केशरवानी आदि रहे।

शोभायात्रा में बंजारी माई की झांकी। अमृत विचार

शोभायात्रा में शामिल केशरवानी वैश्य समाज के लोग। अमृत विचार

विद्यालय को स्वच्छ रखने का संकल्प लेते विद्यार्थी। अमृत विचार

स्कूलों को बनाएंगे मानवीय मूल्यों का केंद्र

राजापुर (चित्रकूट)। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की जिला इकाई ने सोमवार को स्कूलों में हमारा विद्यालय-हमारा स्वाभिमान अभियान के तहत संपर्क किया। इस दौरान शिक्षकों और विद्यार्थियों ने विद्यालय को स्वच्छ रखने, समय व धन को राष्ट्र के लिए संरक्षित करने का संकल्प लिया। जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश द्विवेदी व कार्यक्रम के जिला संयोजक ललक कुमार पांडेय ने कहा कि विद्यालय आत्मा का अभिमान हैं। हमें इसको उच्चतम मानवीय मूल्यों का केंद्र बनाए रखना होगा। उन्होंने कार्यक्रम में समर्थन देने वालों का आभार जताया।

सभी लोगों में विश्वास कायम करे चुनाव आयोग : अमित

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की जिला इकाई और किसान सभा ने जुलूस निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। बाद में इन लोगों ने नायब तहसीलदार हिमांशु द्विवेदी को राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। इनकी अगुवाई करते हुए भाकपा जिला कौंसिल के सचिव अमित यादव एडवोकेट ने कहा कि चुनाव आयोग सभी लोगों का विश्वास हासिल करे।

कार्यकर्ता और पदाधिकारी पार्टी के कैंप कार्यालय से नारेबाजी करते हुए निकले। ये लोग 130 वां संविधान संशोधन रद्द करो, किसानों को खाद बीज बिजली मुहैया कराओ, इंकलाब जिंदाबाद, सीपीआई जिंदाबाद आदि नारे लगाते हुए ट्रैफिक चौराहे से बाजार होते हुए तहसील मुख्यालय पहुंचे और सभा की। अमित ने कहा कि प्रदेश में पुलिस बेलगाम हो गई है। गरीबों पर हो रहे अपराधों की रिपोर्ट दर्ज नहीं की जा रही बल्कि गरीबों को ही फंसाने की धमकी देकर मुंह बंद कराया जा रहा है।

चंद्रपाल पाल ने कहा कि जिले में खाद की कमी है, किसान लाइन में लगे हैं, उनकी पिटाई भी होती है और सरकार झूठ बोल रही है कि खाद की कोई कमी नहीं है। सुशील सिंह ने कहा कि सरकार विपक्षी नेताओं को सत्ता से बाहर करने के लिए अनावश्यक रूप से 130 वां संशोधन विधेयक लाने का प्रयास कर रही है। प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा गया। प्रदर्शन में संदीप पांडेय, कमलेश यादव, हनुमान, बृजभूषण, रणधीर, राजधर, रविकरन, विजयपाल सिंह, भोला यादव, दिनेश, रमेश, राजकरन, धर्मेंद्र, अमर, इंद्रपाल, सुरेंद्र, अवधेश, शिवकरन यादव आदि मौजूद रहे।

नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते भाकपा और किसान सभा के लोग। अमृत विचार

- भाकपा और किसान सभा ने निकाला जुलूस

बिजली गिरने से किसान की मौत

कालपी। कालपी तहसील के एक में गांव में रविवार को लगभग साढ़े तीन बजे खेत पर चारा लेने गए किसान की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मृत्यु हो गयी। कालपी तहसील थाना चुरखी के ग्राम सिकरी रहमानपुर में रविवार को 3:30 बजे किसान राजेश सिंह पुत्र वकील सिंह अपने खेतों पर भैंसों के लिए चारा लेने गए थे तभी तेज बारिश के बीच गड़गडाहट के साथ बिजली गिरी जिससे वह बिजली की चपेट में आ गए और मौके पर उनकी मृत्यु हो गई । घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

NOTICE

I hitherto known as RAHUL S/o VALLI R/o Bhatiyapur, Bangarmau Surseni, Unnao, Sursaini Uttar Pradesh - 241501 have changed my name and shall hereafter be known as MOHD ISLAM, I have changed my name not my religion.

सूचना

मै **पुष्पेन्द्र कुमार सिंह निवासी 552 बरावन कला, नियर लक्ष्मी हॉस्पिटल लखनऊ** घोषणा करता हूँ कि मेरा बेटा कुशाग्र सिंह राठौर कक्षा–9–ब का छात्र है उसके रिकार्ड में मेरा नाम पी0 के0 सिंह राठौर और मेरी पत्नी का नाम प्रियंका सिंह राठौर लिख गया है जबकि मेरा व मेरी पत्नी का सही नाम पुष्पेन्द्र कुमार सिंह, प्रियंका सिंह है सभी रिकार्ड और उद्देश्यों के लिए।

NOTICE

I hither to known as BABLU S/O. JAGDISH KASHYAP R/O. 555KHA/365, Bhola Kheda, Chandeshwer Mandir Krishna Nagar, Manas Nagar, Lucknow, Uttar Pradesh -226023 have changed my name and shall hereafter be known as RAJESH KUMAR KASHYAP.

सूचना

सूचित हो कि मैने अपने बड़े पुत्र अनीस व मझले पुत्र मो0 रईस को उनके मेरे परिवार के प्रति खराब आचरण व गलत व्यवहार के कारण अपने दोनों पुत्रों को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ यदि उन दोनों के पर कोई भी कानूनी कार्रवाई होती है तो उसके जिम्मेदार मेरा बडा पुत्र अनीस व मझला पुत्र मो0 रईस जिम्मेदार होंगे और आज के बाद उनका मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। **मो0 रफी पुत्र मो0 अलादीन निवासी फिरोजपुर, मलिहाबाद, जनपद–लखनऊ**

सूचना

"मैं **रामदास पुत्र राम रतन, निवासी हीरापुर, औरंगाबाद, लखनऊ, उ0प्र0–261403,** यह बयान करता हूँ कि मैंने अपने पुत्र विमलेश कुमार व पुत्रवधू मोहनी यादव निवासीगण–ग्राम राम नगर, पोस्ट– जसरथपुर, मिश्रिख, सीतापुर, उ0प्र0, को उनके आचरण व चाल चलन ठीक न होने के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया अपने समस्त कृत्यों के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। जिसमें मेरे व मेरे परिवार से कोई वास्ता व सरोकार न होगा।

चेकिंग अभियान | एसडीएम व चिकित्सा अधीक्षक ने किया निरीक्षण, संचालक नहीं दिखा सके आवश्यक कागजात

मानक विहीन मिले दो क्लीनिक, दोनों को बंद करने के निर्देश

संवाददाता, कालपी

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर एसडी एम मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व में चिकित्सा अधिकारियों की टीम के द्वारा निजी क्लीनिक का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान पंजीकरण एवं डिग्री के महत्वपूर्ण कागजात प्रस्तुत न कर पाने के कारण दो प्राइवेट क्लनिक को बंद करने का निर्देश दिया गया।

सोमवार को एसडीएम मनोज कुमार सिंह, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर दिनेश गुप्ता ने सुबह साढ़े दस बजे टरनंनगंज बाजार में स्थित प्राइवेट क्लीनिक का औचक निरीक्षण किया। अधिकारियों ने क्लीनिक संचालक से विभाग के द्वारा निर्गत पंजीकरण सर्टिफिकेट तथा चिकित्सक एवं फार्मासिस्टों की डिग्री को तलब किया। क्लीनिक संचालक उक्त दोनों महत्वपूर्ण कागजात टीम को प्रस्तुत नहीं कर सके। इसी क्रम में अधिकारियों ने कागजीपुरा पचपिडा देवी रोड में स्थित एक प्राइवेट क्लीनिक में चेकिंग की। यहां भी चेकिंग के दौरान क्लीनिक संचालक डिग्री तथा रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट प्रस्तुत नहीं कर सके। महत्वपूर्ण कागजात न होने पर अधिकारियों ने प्राइवेट क्लीनिक को बंद करने का निर्देश जारी कर दिया। उप जिलाधिकारी ने कहा कि शासन स्तर से मानकविहीन क्लीनिक तथा झोलाछाप के क्रियाकलापों पर रोक लगाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कालपी में भी अभियान चलाया गया। चिकत्सा अधीक्षक डॉक्टर दिनेश गुप्ता ने बताया कि शासन के निर्देश के अनुरूप नियमानुसार तथा मानक के अनुसार अपने-अपने क्लीनिक का संचालन करें। तथा मरीजों का उचित तरीके से इलाज करें। यह चेकिंग अभियान निरंतर चलता रहेगा। इस दौरान रामजीवन गुप्ता समेत स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की मौजूदगी रही।

प्राइवेट क्लीनिक की चेकिंग करते एसडीएम मनोज कुमार व चिकित्सा अधीक्षक।

कम्पोजिट परिषदीय विद्यालय की देखीं व्यवस्थायें

- कालपी। डीएम राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देश के अनुरूप परिषदीय स्कूलों में शिक्षा की हकीकत को परखने के लिए उपजिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह ने ग्रामीण क्षेत्रों के परिषदीय विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों से सवाल जवाब भी किये। सोमवार को महेवा विकासखंड के ग्राम सोहरापुर स्थिति उच्च प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण करने उपजिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह पहुंचे। इस दौरान एसडीएम को पंजीकृत 115 छात्र छात्राओं में 90 से अधिक विद्यार्थियों की उपस्थिति मिली। प्रधानाध्यापक हरभूषण सिंह यादव के साथ परिसर की सफाई व्यवस्था तथा मिड-डे मिल भोजन की हकीकत परखी। उन्होंने विद्यार्थियों से कई प्रश्न पूछें, बच्चों के सही जबाब देने पर एसडीएम ने संतोष व्यक्त किया। उपजिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह ने शिक्षकों से विद्यालयों में बच्चों की संख्या बढ़ाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों को निर्देश दिए कि शिक्षा की गुणवत्ता ठीक रखी जाए तथा छात्र-छात्राओं की उपस्थिति बढ़ाई जाए। एसडीएम ने विद्यालय में खुद पढ़ा कर बच्चों को नैतिक शिक्षा दी।

अमृत विचार

मंगलवार, 2 सितंबर 2025

जिस देश में मनुष्यों का चरित्र ऊंचा नहीं है, वह देश कभी उन्नति नहीं कर सकता।

–**बंकिम चंद्र चटोपाध्याय**, उपन्यासकार

ड्रैगन और हाथी का साथ

प्रधानमंत्री की कूटनीतिक कुशलता ने उनकी चीन-यात्रा को सफल और यादगार बना दिया। अपने संबोधनों और कूटनीतिक बैठकों के माध्यम से उन्होंने न केवल मेजबान चीन, बल्कि अमेरिका, पाकिस्तान, रूस और अमेरिका से अंदरूनी तौर पर असंतुष्ट यूरोपीय देशों को भी अलग-अलग, दूरगामी संदेश दिए। पुतिन और शी जिनपिंग के साथ वार्ता-निमग्न तस्वीर ने जहां अमेरिका की चिंता बढ़ाई होगी, वहीं प्रधानमंत्री का यह दो-टूक कहना कि आतंकवाद पर दोहरा मापदंड स्वीकार्य नहीं है, आतंक के अपराधियों, आयोजकों और समर्थन देने वालों को सजा मिलनी चाहिए, पाकिस्तान के प्रति चीन के समर्थन के संदर्भ में भी एक परोक्ष संकेत था। नवाज शरीफ की मौजूदगी में ही संगठन से पहलगाम हमले की निंदा करवा लेना बड़ी कूटनीतिक जीत है। याद रहे, पिछली बार जून में हुई शंघाई सहयोग संगठन की मंत्रिस्तरीय बैठक में इस निंदा का उल्लेख न होने पर भारत ने घोषणापत्र पर हस्ताक्षर से इनकार कर दिया था, जिसे पाकिस्तानी कूटनीति ने अपनी जीत बताया था, मगर इस बार प्रधानमंत्री की रणनीति ने पासा पलट दिया।

प्रधानमंत्री ने इन कूटनीतिक पहलों से ट्रंप को साफ संदेश दे दिया है कि भारत पर उनकी मनमानी नहीं चलेगी, यदि अमेरिका शत्रुतापूर्ण रुख रखेगा, तो भारत के पास कई विकल्प मौजूद हैं। उनका यह कहना कि भारत-चीन संबंधों को 'तीसरे देश के चश्मे' से नहीं देखा जाना चाहिए, रूस और अन्य देशों के लिए भी स्पष्ट संकेत था। सम्मेलन में वे रूस, चीन के अलावा अन्य 15 देशों के राष्ट्राध्यक्षों से भी मिले और द्विपक्षीय रिश्तों के लाभ रेखांकित किए। इस बड़े राजनीतिक मंच ने दुनिया के तमाम देशों में यह धारणा भी सुदृढ़ की है कि समूची दुनिया अमेरिका की मनमानी धुन पर बेबस होकर नहीं नाचती। विश्व की आबादी का एक बड़ा हिस्सा उसे सर्वशक्तिमान मानने को बाध्य नहीं है। दुनिया के छोटे देश भी साहस के साथ अपनी संप्रभुता की रक्षा कर सकते हैं।

यह सफल मुलाकात अमेरिका के लिए रणनीतिक झटका है, जहां अमेरिका अपने मित्रों और प्रतिद्वंद्वियों दोनों के साथ व्यापार-युद्धों में उलझा है, वहीं चीन, तुर्की, मलेशिया और पाकिस्तान जैसी अर्थव्यवस्थाओं के साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाकर वैश्विक नेतृत्व में अपनी स्थिति सुदृढ़ कर रहा है। चीन की बढ़ती आर्थिक व सैन्य शक्ति के विरुद्ध एक प्रखर प्रतिरोध के रूप में भारत को खड़ा करने के उद्देश्य से अमेरिका लंबे समय से भारत के साथ बेहतर संबंधों का प्रयास करता रहा, पर ट्रंप की अकुशल, अर्थ-लोलुप राजनीति ने भारत को बीजिंग के करीब कर दिया। भविष्य में यह दुनिया का बड़ा कूटनीतिक गठजोड़ सिद्ध हो सकता है। अब तक वैश्विक निगाहें मुख्यतः चीन–अमेरिका संबंधों पर टिकी रहती थीं, ऐसी स्थिति में चीन–भारत समीकरण केंद्र में होगा। सर्वाधिक आबादी और बड़े बाजार वाले दोनों देश सहयोग करें, तो तकरीबन तीन अरब लोगों को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचा सकते हैं। चीन की आर्थिक शक्ति और तकनीकी बढ़त, भारत के सस्ते और दक्ष श्रम से जुड़ कर औद्योगिक क्रांति ला सकते हैं। अपेक्षा है कि चीन और भारत प्रतिद्वंद्वी नहीं, सहयोगी और साझेदार बनें और मतभेदों को विवादों में न बदलें।

प्रसंगवश

रामायण काल से बाबूगढ़ तक भारत में अश्व

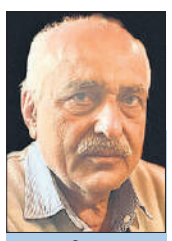

रनबीर सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

सेंट्रल एशियाई मानव और अश्व जींस के माइग्रेशन पैटर्न के बारे में जो जानकारी उपलब्ध है, उससे तय हुआ है कि भारत में घोड़े का आगमन ब्रोंज एज अथवा कांस्य धातु युग में हुआ। घोड़े के बारे में भारत में पहले विवरण रामायण काल से मिलते हैं, जब श्रीराम ने चक्रवर्ती सम्राट की उपाधि धारण करने के लिए यज्ञ के लिए एक घोड़ा पूरे उत्तर भारत में घुमाया था। बाद के पुरासाक्ष्य भी यमुना किनारे सनौली से पहली बार मिले। यह महाभारत कालीन साक्ष्य हैं। भारतीय लोग घोड़े को रथ में जोतते थे, लेकिन इसकी पीठ पर सवारी करने का प्रचलन बहुत बाद में हुआ। घोड़े को काबू करने के लिए लगाम और काठी बहुत दिनों तक बनाने की बात हम शायद सोच ही नहीं पाए थे। घोड़ा, भारतीय उपमहाद्वीप का मूल निवासी नहीं है। यह उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों, अरब, मध्य एशिया और यूरेशिया से आयातित सबसे मूल्यवान पशु रहा है।

साइंस जर्नल के 9 मई 2018 के अंक में 48 शोधकर्ताओं द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित पेपर 'द फर्स्ट हॉर्स हर्डर्स एंड द इंपैक्ट ऑफ अर्ली ब्रोंज एड स्टेप एक्सपेंशंस इनटू एशिया' में दी गई जानकारी के अनुसार मध्य एशिया के स्टेप्स के मैदानों में घोड़े, घोड़े को पालतू बनाकर साधने और इसका उपयोग करने के बारे में है, जिसका प्रसार भारत की ओर 3300 ईसा पूर्व अर्थात आज से 5300 वर्ष पूर्व होने का संकेत मिलता है।

आम तौर मध्य एशिया के घास के विशाल मैदानों में जो हुआ, उसकी एक परिकल्पना के अनुसार, यूरोप और एशिया दोनों में इंडो-यूरोपीय भाषाओं का प्रसार प्रारंभिक कांस्य युग के यामनया चरवाहों के पोंटिक-कैस्पियन मैदानों से प्रवास के साथ हुआ। यामनया रूसी शब्द है, जिसका अर्थ है गड्ढा। रूसी पुराविद वैसिली गोरोद्स्तोव ने सन् 1901-1903 के बीच दोनेत्स नदी के किनारे उत्खनन किया और एक प्रारंभिक सभ्य नगर की खोज यहां हुई। माना जाता है कि घोड़ों के पालन-पोषण के कारण इस क्षेत्र के लोगों का विकास संभव हुआ। बाद में तुर्क और तातार ने घोड़ों का इस्तेमाल युद्ध के लिए खूब किया। मंगोलियाई लड़ाकों ने घुड़सवार सेना के बल पर ही उत्तरी चीन में अपने साम्राज्य की स्थापना की थी। चंगेज खां ने घुड़सवार लड़ाकों की सेना का इस्तेमाल करते हुए अपने साम्राज्य का प्रसार पूरे सेंट्रल एशिया और पूर्वी यूरोप में किया। अश्वपालन का सबसे पहला सुरक्षित प्रमाण मध्य एशिया की बोटाई संस्कृति से मिलता है।

ईसा से तीन सदी पूर्व अर्थात मौर्य काल में ही शालिहोत्र ने शालिहोत्र संहिता की रचना कर ली थी। इसमें 12000 श्लोक संस्कृत भाषा में हैं और विश्व में अश्वों से संबंधित यह शायद प्रथम ग्रंथ है। शालिहोत्र, श्रावस्ती के निवासी थे, जो अब उत्तर प्रदेश में गोंडा और बहराइच के निकट है। प्राचीन काल से ही भारतीय राजकुल अश्वारोही सेना रखते थे। साक्ष्य हैं कि प्रथम विश्वयुद्ध की समाप्ति तक भी सेना में अश्व का बड़ा उपयोग हुआ था। भारत में अंग्रेजों ने अपना शासन कायम करने के लिए एक सुदृढ़ कैवेलरी की स्थापना की थी। 1825 में स्थापित बाबूगढ़ स्टड फार्म में अश्वों को रखने के लिए ईंटों से जो बैरक बनाई गई थीं, वे अभी कायम हैं और एशिया में इन्हें सबसे अधिक लंबाई वाला माना जाता है। सर्वाधिक पुरानी बैरक की लंबाई 500 गज है। प्रसंगवश कहें तो इस समय विश्व में किसी के पास विशुद्ध अरबी घोड़ा नहीं है। अरबी नस्ल से तैयार थोरोब्रेड सर्वश्रेष्ठ घोड़े इस समय सिर्फ ग्रेट ब्रिटेन के शाही परिवार के निजी स्टड में ही हैं।

टैरिफ के पीछे की मंशा और भारत की रणनीति

अनिल त्रिगुणायत
लखनऊ

आज के अर्थ प्रधान युग में द्विपक्षीय व्यापारिक गतिविधियों की भूमिका हमेशा ही अहम रही है। आपसी व्यापार करने वाले देशों का आर्थिक तंत्र तो इससे मजबूत होता ही है। सामाजिक-आर्थिक विकास के साथ आमजन के जीवन स्तर में भी आशातीत सुधार होता है। आधारभूत संरचनाओं की दशा परिवर्तित होती है, समृद्धि की गति को सही दिशा मिलने लगती है, लेकिन 'अंतर-देशीय सौदे की कला' की पटकथा लेखन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भारत के खिलाफ घोषित टैरिफ युद्ध कठघरे में खड़ा होते दिख रहा है।

भारत व ब्राजील के खिलाफ 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने का उनका 'मुलतानी दांव' आलोचना की परिधि में आ गया है, क्योंकि अमेरिका के संघीय अपीलीय कोर्ट ने ही ट्रंप के लगाए अधिकांश टैरिफ को अवैध करार दे दिया है। अपीलीय कोर्ट ने 30 अगस्त को 7-4 के बहुमत से सुनाए फैसले में कहा है कि ट्रंप ने अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम (आईईईपीए) के तहत मिली शक्तियों का दुरुपयोग किया है। व्यापारिक साझेदारों पर इस प्रकार का मनमाना टैरिफ लगा देना कतई अनुचित है। ऐसे टैरिफ लगाने का अधिकार सिर्फ अमेरिकी कांग्रेस (संसद) को ही है, हालांकि अपीलीय कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन को सुप्रीम कोर्ट में अपील के लिए 14 अक्टूबर तक का समय दिया है।

अमेरिका से विश्व के कई देशों को शिकायतें भी बहुत हैं। कुछ देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने तो सार्वजनिक मंच पर यह तक कह दिया है कि अमेरिका कई मुद्दों पर 'दोमुंहेपन' की बात करता ही रहता है। व्यापार सदैव साझेदारी का सौदा होता है। एकल फैसले के लिए इसमें कोई स्थान होता ही नहीं। तीव्र संचार और व्यवहारवादी दृष्टिकोण ने आज का वैश्विक बाजार को एक-दूसरे के काफी करीब ला दिया है। अपने को विश्व का स्वयंभू/चौधरी मान बैठे अमेरिका को समझ लेना होगा कि बिन प्रजा, राजा का अस्तित्व होता ही नहीं। किसी एक देश के बिना विश्व बाजार प्रभावित नहीं होता। जान लें, अमेरिका की सबसे बड़ी दिक्कत भारत नहीं, वरन रूस और चीन हैं। अमेरिका का तो यह इतिहास ही रहा है कि अपने तात्कालिक लाभ के लिए कुछ भी कर जाओ। मांग मनवाने के लिए किसी भी स्तर तक गिर जाओ की नीति अपनाता ही रहता है। वह पहले पूरा जोर लगाता है और बाद में दूसरे पक्ष (देश) के झुकने की प्रतीक्षा करता है।

भारत ने उसकी संदर्भित रणनीति/कूटनीति को काफी हद तक समझ भी लिया है। सोया, मक्का, गेहूं, दूध, ऑटो पार्ट्स व अन्य सामानों को भारत के बाजार भेजने की अमेरिकी परिकल्पना फिलहाल भारत की मोदी सरकार में फलीभूत होती तो कदाचित नहीं दिखेगी, क्योंकि जैसे अमेरिका अपने हितों को सदैव ऊपर रखता है, वैसे ही विश्व की प्रमुख आर्थिक शक्ति बनने को अग्रसर भारत भी अपने हितों के लिए कुछ भी करने की हिम्मत रखता है।

अमेरिका को अब जान ही लेना होगा कि बदलता भारत उसके दबाव में तो कतई नहीं आने वाला। यह अलग बात है कि तुनकमिजाज ट्रंप द्वारा लगाए गए भारी टैरिफ का असर भारत में आंशिक रूप से दिखने लगा है। कपड़ा, चमड़ा, झींगा, हैंडीक्राफ्ट व अन्य उद्योग कमोबेश प्रभावित होते दिख रहे हैं। ट्रंप के टैरिफ वार से निपटने के लिए भारत सरकार ने मुख्य निर्यातक राज्यों अर्थात गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु को श्रम-प्रधान क्षेत्रों में समर्थन देने का फैसला लिया है, जिससे रोजगार पर संभावित असर को रोका जा सके। वित्त वर्ष 2025 में भारत का कुल निर्यात 437 अरब डालर रहा, जिसमें तीन-चौथाई हिस्सेदारी गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक व उत्तर प्रदेश की रही।

यूएसए, चीन, यूएई, सऊदी अरब, रूस, इंडोनेशिया, इराक, सिंगापुर, हांगकांग व दक्षिण कोरिया भारत के प्रमुख व्यापारिक साझेदार हैं। वर्ष 2024-25 (वित्त वर्ष) में भारत व अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार करीब 131.84 बिलियन डालर था, जिसमें भारत का अमेरिका को निर्यात 86.51 बिलियन डॉलर व आयात 45.33 बिलियन डालर था। यूएसए भारत के लिए कच्चे तेल, मशीनरी व रसायनों का एक आयातक है। भारत से यूएसए को किए जाने वाले शीर्ष निर्यातों में आभूषण, वस्त्र, रत्न और फार्मास्यूटिकल्स प्रमुख हैं। रूस से कच्चा तेल खरीदने के भारत के निर्णय से तिलमिलाए ट्रंप को यह भी जानना चाहिए कि यूरोप के अधिकांश देश रूस से प्राकृतिक गैस इत्यादि धड़ल्ले से आयात करते हैं।

रूस से व्यापार करने वाले यूरोपीय देशों पर टैरिफ लगाने से ट्रंप गुरेज क्यों कर रहे हैं? भारत व रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2024-25 में 68.7 बिलियन अमेरिकी डालर के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। कुल मिलाकर वैश्विक स्तर पर भारत पेट्रोलियम उत्पादों के दूसरे सबसे बड़े निर्यातक के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर चुका है। विश्व बाजार में भारत की हिस्सेदारी करीब 13 प्रतिशत तक जा पहुंची है। टैरिफ से तात्कालिक प्रभावित सेक्टर्स को राहत के लिए केंद्र सरकार करीब 2250 करोड़ रुपये का पैकेज दे रही है। इससे क्षेत्र आधारित निर्यात संवर्द्धन अभियान को गति मिलेगी। इसके अलावा वैकल्पिक विदेशी बाजारों की तलाश व घरेलू मांग को बढ़ावा देने के लिए भी सरकार द्वारा युद्धस्तरीय प्रयास किए जा रहे हैं।

जिस तरह अमेरिका अपने हितों को सदैव ऊपर रखता है, वैसे ही विश्व की प्रमुख आर्थिक शक्ति बनने को अग्रसर भारत भी अपने हितों के लिए कुछ भी करने की हिम्मत रखता है।

आमने

महादेवपुरा में 'वोट चोरी' के रूप में एटम बम के बाद, हम जल्द ही हाइड्रोजन बम लाएंगे। हाल ही में हमने देश के सामने वोट चोरी का सबूत पेश किया। वोट चोरी का मतलब लोगों के अधिकारों, लोकतंत्र और भविष्य की चोरी है।

–**राहुल गांधी**
नेता प्रतिपक्ष

सामने

कर्नाटक की गणना को लेकर राहुल का दावा एटम बम था, वो तो दीवाली का पटाखा भी साबित नहीं हुआ। राहुल को सुनता हूं तो मुझे ये समझने में समय लगता है कि वह क्या कहना चाह रहे हैं?

–**रवि शंकर प्रसाद**
सांसद, भारतीय जनता पार्टी

भारत और जापान के संबंध नए क्षितिज पर

अरविंद जयतिलक
लेखक

अमेरिका के साथ टैरिफ और ट्रेड डील के बीच बेहद असहज माहौल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा ने दोनों देशों के सभ्यतागत संबंधों को मिठास से भर दिया है। रंग बिखेरती दोस्ती से लबरेज भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापानी प्रधानमंत्री इशिबा के नेतृत्व में दोनों देशों ने कई अहम समझौते पर दस्तखत किए हैं। क्लीन हाइड्रोजन और अमोनिया पर अनुसंधान करने की हामी के साथ वेस्ट वाटर मैनेजमेंट, पर्यावरण, प्रदूषण नियंत्रण, जलवायु परिवर्तन समेत कई दूसरे मामलों में दोनों देशों ने प्रतिबद्धता जताई है।

दोनों देशों के बीच चंद्रयान-5 मिशन को लेकर भी एक रोडमैप तैयार हुआ है, जिसके तहत दोनों देशों की अंतरिक्ष एजेंसियां मसलन भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो और जापान की अंतरिक्ष एजेंसी जाक्सा मिलकर दक्षिणी ध्रुव का अध्ययन करेंगी। यह समझौता दोनों देशों के लिए अंतरिक्ष में प्रगति का एक बड़ा कदम होगा। अमेरिका द्वारा भारत पर 50 फीसद टैरिफ थोपने के बीच जापान द्वारा भारत को अगले दस सालों में 10 ट्रिलियन येन अर्थात छह लाख करोड़ रुपये का भारी-भरकम निवेश भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए वरदान साबित होगा। दोनों देशों के बीच अगले दशक में छोटे और मध्यम इंटरप्राइजेज के अलावा स्टार्टअप को जोड़ने पर भी सहमति बनी है।

दोनों देशों के बीच तकरीबन पांच लाख लोगों का आदान-प्रदान होगा, जो एक-दूसरे की प्रगति का हिस्सेदार बनेंगे। इसके तहत 50 हजार स्किल्ड और सेमी स्किल्ड लोग जापान जाएंगे और वहां की आर्थिक व सांस्कृतिक प्रगति का संवाहक बनेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने जापान-इकोनॉमिक फोरम के मंच से विश्व को संदेश दिया कि भारत निवेश के लिए सबसे सुरक्षित जगह है, जहां पूंजी बढ़ती ही नहीं बल्कि कई गुना अधिक हो जाती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 80 फीसद कंपनियां भारत में विस्तार करना चाहती हैं और 75 फीसद पहले से ही मुनाफे में हैं। प्रधानमंत्री का कथन स्पष्ट है कि जो भारत में निवेश करेगा, वह फायदे में रहेगा। प्रधानमंत्री मोदी की जापान यात्रा से दोनों देशों की आर्थिक प्रगति का एक और नया द्वारा खुलेगा, जिससे दोनों देश लाभान्वित होंगे।

दृष्टि दौड़ाएं तो पिछले दो वर्षों में जापानी कंपनियों ने भारत के साथ लगभग दो सैकड़ा एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत सुजुकी मोटर गुजरात में अपना विस्तार करने के लिए तकरीबन चालीस हजार करोड़ रुपये निवेश कर रही है। इसी तरह निप्पन स्टील भी गुजरात और आंध्रप्रदेश में सात हजार करोड़ रुपये निवेश कर रही है। टोयोटा किर्लोस्कर कर्नाटक और महाराष्ट्र में लगभग 23 हजार करोड़ रुपये खर्च कर रही है। कई रियल एस्टेट और स्टील कंपनियां भारतीय शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में हजारों करोड़ रुपये निवेश करने जा रही हैं। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था का गतिमान होना तय है। गांवों का कायाकल्प होगा और रोजगार बढ़ेंगे।

गौर करें तो भारत और जापान के बीच द्विपक्षीय आर्थिक कारोबार में लगातार वृद्धि हो रही है। वित्त वर्ष 2024 के दौरान भारत के साथ जापान का द्विपक्षीय व्यापार कुल 22.85 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। जापान से भारत को निर्यात 17.69 बिलियन अमेरिकी डॉलर और आयात 5.15 बिलियन अमेरिकी डॉलर का हुआ। अर्थात भारत को जापान का निर्यात भारत के कुल आयात का 2.62 फीसद और जापान को भारत का निर्यात भारत के कुल निर्यात का 1.18 फीसद था। जापान भारत का सिर्फ आर्थिक व कारोबार तक सीमित साझीदार वाला मित्र नहीं है, बल्कि वह भारत का रणनीतिक-सामरिक साझीदार मित्र भी है।

याद होगा गत वर्ष पहले डोकलाम विवाद पर जापान ने खुले तौर पर भारत का पक्ष लेते हुए कहा था कि चीन डोकलाम की वास्तविक स्थिति को एकतरफा बदलने की कोशिश कर रहा है, जो कि गलत है। ध्यान दें तो कुछ वर्षों के दरम्यान भारत एवं जापान के बीच रक्षा-सुरक्षा रणनीतिक समझौता बेहद मजबूत हुआ है। जापान भारत के साथ एटमी करार को आकार दे चुका है। भारत ऐसा पहला देश है जिसने एनपीटी (परमाणु हथियार अप्रसार संधि) पर हस्ताक्षर नहीं किया है, इसके बावजूद भी जापान ने उसके साथ समझौता किया है।

इससे पूर्व भारत द्वारा कालेधन के विरुद्ध छेड़े गए वैश्विक अभियान में सहयोग करते हुए जापान द्वारा दोहरा कराधान बचाव संधि (डीटीएए) में संशोधन का भी समर्थन किया जा चुका है। इसके अलावा दोनों देशों के बीच साझा विजन डॉक्यूमेंट-2025 के अंतर्गत कई अहम समझौते हुए हैं। जापान द्वारा भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट के लिए सवा तीन अरब के स्पेशल फंड बनाने का भी वादा किया जा चुका है।

जापान ने गत वर्ष पहले भारत को बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए 88 हजार करोड़ रुपये के ऋण को महज 0.1 प्रतिशत ब्याज दर पर देने का एलान किया। दोनों देशों के बीच आपदा प्रबंधन, कौशल विकास, जापानी भाषा की शिक्षा, उत्तर-पूर्वी हिस्से की परियोजनाओं का संवर्द्धन आदि पर भी समझौते हो चुके हैं।

जापान गुजरात के मंडल बेचराज-खोरज क्षेत्र में बुनियादी विकास कार्यक्रम में सहयोग, एक-दूसरे के शहरों को वायुमार्ग से जोड़ने, शोध क्षमता और शोध निष्कर्षों की प्रभावशीलता बढ़ाने पर भी काम किया जा रहा है। यहां गौर करने वाली बात यह भी है कि दोनों देशों की दोस्ती अर्थव्यवस्था, निवेश व विकास को गति देने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में यह दोस्ती कुटनीतिक व भू-रणनीतिक संदर्भों को भी समेटे हुए है।

जापान, भारत का सिर्फ आर्थिक व कारोबार तक सीमित साझीदार ही नहीं है, बल्कि वह भारत का रणनीतिक-सामरिक मित्र भी है।

सोशल फोरम

ट्रेन पकड़ने की जद्दोजहद ने बना दिया ओलंपियन

मनीष कुमार सोलंकी
ब्लॉगर

पंद्रह साल की एलिजाबेथ को हर रोज स्कूल से घर जाने वाली ट्रेन पकड़नी होती थी। ट्रेन बहुत कम समय के लिए स्टेशन पर थमती थी। उसे पकड़ने के लिए बिजली की गति से भागती आती एलिजाबेथ को देखना उसके बायोलॉजी अध्यापक चार्ल्स प्राइस को आकर्षित करता था, जो खुद भी हर रोज उसी ट्रेन से चलते थे। प्राइस एक जमाने में एथलीट रह चुके थे। एक दिन उन्होंने अपनी स्टॉपवॉच पर एलिजाबेथ के भागने की रफ्तार नापी तो वह दंग रह गए।

उनके कहने पर एलिजाबेथ ने बाकायदा दौड़ना शुरू किया और उसकी प्रतिभा का ऐसा डंका बजना शुरू हुआ कि कुछ ही माह बाद वह एक इनडोर प्रतियोगिता में 100 मीटर रेस की अमेरिकी चैंपियन हेलेन फिल्की के साथ दौड़ रही थी। इस बार वह दूसरे नंबर पर रही, लेकिन तीन महीने बाद उसने न सिर्फ फिल्की को परास्त किया, नया वर्ल्ड रेकॉर्ड भी बना डाला। उसका तीसरा बड़ा कंपटीशन उसी बरस एम्सटर्डम ओलंपिक की सूरत में था, जब 100 मीटर की रेस के फाइनल के लिए क्वालिफाई करने वाली वह इकलौती अमेरिकी बनी। एलिजाबेथ ने रेस जीती और कुल सोलह साल की आयु में पहली 100 मीटर ओलंपिक चैंपियन बनीं। सबसे कम उम्र में यह कारनामा करने का उसका यह कीर्तिमान आज तक कोई नहीं तोड़ सका।

अमेरिका वापसी में उसका ऐतिहासिक स्वागत हुआ और सुनहरे बॉबकट बालों वाली दुबली सी एलिजाबेथ रॉबिन्सन अमेरिका की चहेती एथलीट बन गईं। एक प्लेन क्रैश में उसकी टांग, कूल्हे और बांह की हड्डियों का कचूमर बन गया, लेकिन वह बच गई। अस्पताल से छुट्टी देते हुए एलिजाबेथ को डॉक्टरों ने कहा, फिर से दौड़ने के लिए उसे नया जन्म लेना होगा। धीरे-धीरे एलिजाबेथ ने बैसाखियों के सहारे चलना शुरू किया। कुछ माह बाद बैसाखियां छोड़ चलना शुरू किया। फिर हल्की रफ्तार में दौड़ना। चार साल बाद वह बाकायदा दौड़ रही थी।

बर्लिन में 8 अगस्त 1936 को हुई इस रेस के फाइनल में अमेरिका का मुकाबला मेजबान जर्मनी के साथ था। दूसरे राउंड तक जर्मनी की लड़कियां आगे चल रही थीं। तीसरे राउंड में एलिजाबेथ ने जर्मन प्रतिद्वंद्वी को पीछे छोड़ कर लीड हासिल कर ली। अमेरिकी टीम ने गोल्ड जीता। एलिजाबेथ उर्फ बैटी रॉबिंसन का यह दूसरा ओलंपिक गोल्ड मैडल खेल इतिहास की सबसे बेशकीमती उपलब्धियों में गिना जाता है। **–फेसबुक वाल से**

सामयिकी

राजनेताओं और नौकरशाहों का अशोभनीय आचरण

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

मध्य प्रदेश में नौकरशाहों और राजनेताओं के बीच निरंतर टकराव सामने आ रहा है। चंबल के अंचल में आने वाले जिले भिंड में भाजपा विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह और कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव आपस में ऐसे भिड़े कि परस्पर मारपीट की नौबत आ गई। कलेक्टर ने विधायक की ओर अंगुली उठाई तो विधायक ने मुक्का तान दिया। यह नजारा कलेक्टर बंगले के बाहर द्वार पर देखने में आया। बाद में यहीं धरना शुरू हो गया। दरअसल इस झगड़े में मुद्दा तो खाद संकट बना, लेकिन कलेक्टर और विधायक के बीच जो तू-तू मैं-मैं दिखी, उसमें दोनों का ही कदाचरण सामने आया। निर्वाचित जनप्रतिनिधि और जिले के प्रशासनिक मुखिया के बीच इस तरह का दुराचरण समाज में बढ़ती अनैतिकता का प्रतीक हैं। लोकतंत्र में ऐसा व्यवहार न तो होना चाहिए और न ही इसे स्वीकार किया जाना चाहिए। यह तब और निंदनीय है, जब एक-दूसरे पर लगाए आरोपों से साफ हुआ कि असली जड़ अनैतिक महत्वाकांक्षा में निहित है।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि बीते दो दशकों के भीतर शासन-प्रशासन के स्तर पर कार्यशैली की गुणवत्ता में बहुत गिरावट आई है और हर क्षेत्र में प्रशासनिक निरंकुशता बढ़ी है। शासन यानी सरकार का काम जन-हितैषी व चतुर्मुखी विकास संबंधी ठोस नीतियां बनाना है। स्वीकृत परियोजना के अनुरूप क्रियान्वयन का दायित्व प्रशासनिक अधिकारियों का होता है, जिनमें कलेक्टर जिला प्रमुख होने के साथ अधिकतम अधिकारों से संपन्न भी होता है, इसलिए 95 प्रतिशत कार्यों का संबंध ऐसे उचित क्रियान्वयन से है, जो पूरी तरह नागरिक सेवा के अधिकारियों के हाथ में होता है। सच्चाई तो यह भी है कि विधायिका के बजाय अधिकांश नई नीतियों और नए कानूनों के निर्माण में भी अहम भूमिका इन्हीं अधिकारियों की रहती है, इसलिए ज्यादातर कानून इस तरह से परिभाषित किए जाते हैं कि उनमें अंतिम निर्णय का अधिकार अंततः अधिकारी के ही हाथ में रहे। पंचायती राज, सूचना का अधिकार कानून और उपभोक्ता अदालतों से जनता का मोहभंग हो जाना यही प्रमुख वजह है।

जब शिक्षा-तंत्र पर निगरानी की पहल का दायित्व पंचायतों को सौंपने की बात उठी थी, तब शिक्षकों ने बौद्धिक दंभ दिखाते हुए कहा था कि एक निरक्षर सरपंच उन पर निगरानी कैसे कर सकता है? इस परिप्रेक्ष्य में गौरतलब है कि शिक्षक रोजाना विद्यालय आता है अथवा नहीं? आता भी है तो वह मटरगश्ती करता है या कुछ पढ़ाता भी है? इसकी तस्दीक करने का संबंध निगरानीकर्ता के पढ़े-लिखे होने से कतई नहीं है। आज सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई से बड़ा सवाल शिक्षक का विद्यालय में उपस्थित नहीं होना है। अब भला शिक्षक की उपस्थिति की तस्दीक करने में निरक्षरता कहां बाधा बनती है? यहां यह भी गौरतलब है कि एक अनपढ़ व्यक्ति का व्यावहारिक ज्ञान, पढ़े-लिखे से भी कहीं ज्यादा हो सकता है।

कलेक्टर हो या कोई अन्य लोकसेवक उसकी गुणवत्ता का मापदंड, उसकी दक्षता, ईमानदारी, कार्यक्षमता और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता से होती है। नीतियों व कार्यों पर यदि ठीक से अमल नहीं होता है तो गुणवत्ता ध्वस्त हो जाती है। प्रत्येक राज्य सरकार अनेक श्रेष्ठ नीतियां गरीब, वंचित और किसानों के हित में बनाती हैं, लेकिन प्रशासनिक अकुशलता और भ्रष्टाचार के चलते परिणाम के स्तर पर अमल दोषपूर्ण रहता है। प्रजातंत्र में न्याय को संरक्षित करने का दारोमदार लोकसेवकों पर है। बहरहाल, दोनों का यह आचरण नागरिक सेवा के विपरीत है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

दिवंगत आत्माओं से आशीर्वाद लेने का पर्व

पूर्वजों के धरती पर आने की मान्यता

श्राद्ध कब से कब तक

पूर्णिमा	7 सितम्बर, रविवार
प्रतिपदा	8 सितम्बर, सोमवार
द्वितीया	9 सितम्बर, मंगलवार
तृतीया	10 सितम्बर, बुधवार
चतुर्थी	10 सितम्बर, बुधवार
पंचमी	11 सितम्बर, गुरुवार
षष्ठी	12 सितम्बर, शुक्रवार
सप्तमी	13 सितम्बर, शनिवार
अष्टमी	14 सितम्बर, रविवार
नवमी	15 सितम्बर, सोमवार
दशमी	16 सितम्बर, मंगलवार
एकादशी	17 सितंबर, बुधवार
द्वादशी	18 सितम्बर, गुरुवार
त्रयोदशी	19 सितम्बर, शुक्रवार
चतुर्दशी	20 सितम्बर, शनिवार
सर्वपितृ अमावस्या	21 सितम्बर, रविवार

श्राद्ध से जीवित रहती श्रद्धा पितरों को प्रकट करें कृतज्ञता

श्राद्ध तर्पण अति पवित्र शुभ प्राचीन परंपरा है। इसमें देह त्याग के बाद भी जीवात्मा के विकास एवं परस्पर भावपूर्ण आदान-प्रदान की व्यवस्था है। वर्ष में पितृ पक्ष के 15 दिन इसी के कार्य के लिए नियत किए गए हैं। श्राद्ध शब्द का अर्थ श्रद्धापूर्ण व्यवहार से है, जबकि तर्पण का अर्थ तृप्त करना है। इस तरह श्राद्ध तर्पण का मतलब दिवंगत पितरों को तृप्त करने की श्रद्धा या समर्पण है। सबसे पहले पितृ पक्ष यानि श्राद्ध का उल्लेख महाभारत काल में मिलता है, जहां भीष्म पितामह ने युधिष्ठिर को श्राद्ध के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महर्षि निमी को श्राद्ध का उपदेश देने वाले प्रथम व्यक्ति महा तपस्वी अत्री थे। उस उपदेश को सुनने के बाद महर्षि निमि ने श्राद्ध करना शुरू किया। उन्हें देखकर अन्य ऋषियों ने भी श्राद्ध शुरू कर दिया। लगातार श्राद्ध का भोजन प्राप्त करने से उनके सभी पूर्वज संतुष्ट रहने लगे।

भोजन पहले अग्निदेव फिर पूर्वजों को अर्पित करें

- ऋग्वेद के अनुसार, अग्नि मृतकों को पितृलोक तक पहुंचाने में सहायक होती है। श्राद्ध के दौरान अग्नि से प्रार्थना की जाती है कि वह वंशजों के दान और भोजन को पितृगणों तक पहुंचाकर मृतात्मा को भटकने से रक्षा करें। ऐतरेय ब्राह्मण में अग्नि का उल्लेख उस रज्जु के रूप में है जिसकी सहायता से मनुष्य स्वर्ग तक पहुंचता है। वहीं, पुराणों के अनुसार, पितृ पक्ष या श्राद्ध से मिल रहे भोजन से जब देवताओं और पूर्वजों को अपच हो गई, तो वह ब्रह्माजी के पास गए।
- ब्रह्माजी ने कहा कि अग्निदेव ही उनका कल्याण करेंगे क्योंकि अग्नि तत्व भोजन के पचाने के लिए बेहद जरूरी है। जब वो अग्निदेव के पास गए, तो अग्निदेव ने देवताओं और पूर्वजों से कहा कि अब से हम सभी श्राद्ध में एक साथ भोजन करेंगे। मेरे साथ रहने से तुम्हारा अपच दूर हो जाएगा, तब से श्राद्ध का भोजन पहले अग्निदेव फिर पूर्वजों को दिया जाता है। श्राद्ध में अग्निदेव को देखकर दैत्य और राक्षस भी भोजन दूषित नहीं कर पाते, और कभी हो भी जाये, तो अग्नि सब कुछ शुद्ध कर देती है।

इस दिन जरूर कराएं ब्राह्मण भोज

- धार्मिक शास्त्रों में श्राद्ध पूजा का सबसे अच्छा समय दोपहर को है। दोपहर के समय योग्य ब्राह्मणों की सहायता से मंत्रोच्चारण कर श्राद्ध पूजा करें। पूजा के बाद जल से तर्पण करें और भोजन में गाय, कुत्ते, कौवे आदि का भाग अलग करके पहले उन्हें खिलाएं। अगर संभव हो तो गंगा नदी के किनारे जाकर श्राद्ध कर्म करें। यह सर्वाधिक फलदायी होता है। ऐसा न कर पाएं तो घर पर भी विधिपूर्वक श्राद्ध कर सकते हैं। जिस दिन श्राद्ध करें, उस दिन ब्राह्मण भोज जरूर कराएं और उन्हें दान-दक्षिणा दें।

शाहजहां ने पत्र लिखकर औरंगजेब को धिक्कारा था

- श्राद्ध तर्पण की परंपरा को याद करके मुगल बादशाह शाहजहां अपने अंतिम यातना भरे दिनों में रोया था। क्रूर पुत्र औरंगजेब ने उसे जेल में बंद कर रखा था। शाहजहां ने मार्मिक पत्र लिखा था कि 'बेटा, तू कितना निर्दयी और विचित्र मुसलमान है, जो अपने जीवित पिता को बूंद-बूंद पानी के लिए तरसा रहा है, जबकि हिंदुओं की तरफ देख, जो अपने मृत पिता को भी पानी देते हैं। इस पत्र का उल्लेख आकिल खां की किताब वाके आलमगीरी में मिलता है।

पूर्वज की मृत्यु तिथि याद नहीं तो अमावस्या पर सर्वपितृ श्राद्ध

- ऐसी मान्यता है कि मृत्यु के बाद जीवात्मा चंद्रलोक से आगे पितृ लोक में पहुंचती है। मृतात्मा को अपने नियत स्थान तक पहुंचने की शक्ति प्रदान करने के लिए मरणोपरांत पिंडदान और श्राद्ध की व्यवस्था की गई है। श्राद्ध कर्म मृत्यु तिथि के आधार पर किया जाता है। जिस दिन व्यक्ति की मृत्यु हुई थी, पितृ पक्ष के उसी दिन उसका श्राद्ध किया जाता है। अगर किसी को अपने पूर्वज की मृत्यु तिथि याद नहीं है, तो वे अमावस्या के दिन सर्वपितृ श्राद्ध कर सकते हैं। यह तिथि उन सभी पितरों के लिए होती है जिनकी मृत्यु तिथि मालूम न हो।

लेखक
आचार्य पवन तिवारी
संस्थापक अध्यक्ष, ज्योतिष सेवा संस्थान

बोध कथा

महिमा राधा नाम की

एक कुष्ठ रोगी अपने कुष्ठ रोग के कारण अत्यधिक परेशान रहता था। किसी ने उसे ब्रज भूमि जाने की सलाह दी, इस पर वह वृंदावन आ गया। यहां वह सड़क के किनारे बैठा रहता था, और हर आने जाने वाले व्यक्ति से अपना कुष्ठ रोग ठीक होने का उपचार पूछता रहता था। उसकी हालत देखने के बाद कोई कुछ दवाई बता कर चला जाता तो कोई कुछ उपचार बता देता। लेकिन धीरे-धीरे समय बीतता जा रहा था, और किसी के भी उपाय या उपचार से न तो उसका कुष्ठ रोग कम हुआ, न ही उसकी पीड़ा कम हुई। कुछ दिनों के पश्चात एक सरल हृदय बाबा उस मार्ग से गुजरे। कुष्ठ रोगी ने उनसे भी अपने इलाज की गुहार लगाई। बाबा उसकी दशा देखकर द्रवित हो गए। हाल-चाल पूछा और कहा कि तुम सारा दिन यहां बैठे-बैठे आने-जाने वाले लोगों से उपचार पूछते रहते हो। वृंदावन में आकर भी राधा रानी का नाम नहीं लेते हो। कल से अपने मुख से हर समय 'श्री राधे-श्री राधे' का उच्चारण किया करो। वही तुम्हारा कल्याण करेंगी। कुष्ठ रोगी ने बाबा की सलाह मानकर उसी समय से 'श्री राधे-श्री राधे' जपना शुरू कर दिया। अब वह आने-जाने वाले लोगों से भी श्री राधे-श्री राधे कहने लगा। यहां तक कि उसके घावों में जब बहुत पीड़ा होती थी, तब भी वह कराहने के बजाय करुण स्वर में 'श्री राधे-श्री राधे' ही कहता रहता। श्रीकृष्ण ने बृज की गलियों से गुजरते हुए कुष्ठ रोगी की करुण वेदनामयी आवाज में 'श्री राधे-श्री राधे' की पुकार सुनी, तो तुरंत दौड़े-दौड़े उसके पास पहुंचे। कुष्ठ रोगी के पास आकर श्रीकृष्ण को ऐसा प्रतीत हुआ मानो वहां कोई कुष्ठ रोगी न होकर साक्षात राधा रानी बैठी हैं। श्रीकृष्ण ने तुरन्त उस कुष्ठ रोगी को गले से लगा लिया और स्वयं भी भावविह्वल होकर राधे-राधे कहने लगे। तभी पीछे से राधा रानी बोलीं-'प्रभु मैं तो इधर खड़ी हूं उधर नहीं।' किन्तु भगवान को तो कुष्ठ रोगी में ही राधारानी दिख रहीं थीं। उन्होंने उसे ही मजबूती से पकड़े रखा और राधे-राधे कहते रहे। कुछ क्षणों के पश्चात जब श्रीकृष्ण ने आंखें खोली तो देखा कि राधा रानी तो वास्तव में उनके पीछे ही खड़ी थीं, किन्तु इतने ही क्षणों में भगवान की कृपा और स्पर्श मिलने से वह कुष्ठ रोगी पूरी तरह भला-चंगा और पूर्णतः स्वस्थ हो चुका था। यह कथा हमें सीख देती है कि जब पूर्ण श्रद्धा से कोई कार्य करते हैं तो सफलता जरूर मिलती है, भले ही वह किसी भी भगवान का नाम जप ही क्यों न हो। जब हम अपने इष्टदेव को पूरी श्रद्धा और विश्वास के साथ पुकारते हैं, तो वह हमारे दुख और कष्ट दूर करने जरूर आते हैं।

लेखक: राजपुरुष

!! धर्म का मर्म !!

मनुष्य को क्या करना चाहिए और क्या नहीं, इसके लिए शास्त्र ही प्रमाण हैं, क्योंकि वेद और शास्त्र स्मृतियां भगवान की आज्ञा हैं। सृष्टि संचालन के लिए ईश्वर को विधान बनाना पड़ता है, उसी शासन विधान का नाम शास्त्र है। विश्व संचालन की विद्या इन धर्म शास्त्रों में समाहित है।।।धर्मो विश्वास्य जगतः प्रतिष्ठा।। इस प्रकार धर्म और इसके शास्त्र शाश्वत हैं, सनातन हैं। यही सनातन धर्म संपूर्ण जगत का जीवन है। सूर्य में प्रकाश,अग्नि में दाहक शक्ति, चंद्रमा में शैतल्य,अमृत में अमृत्व,पृथ्वी में क्षमा, मानव में मानवता समेत विभिन्न धर्मों के रूप में यही एक सनातन धर्म अवस्थित है। यही सनातन धर्म सार्वभौम विश्व धर्म या आत्मधर्म है, जो आत्म कल्याणकारी होने के साथ साथ सर्वभूत हितमय है। विचारणीय बात यह है कि जीव पशु-पक्षी कीट-पतंगे तथा तिर्यक आदि 84 लाख योनि में भटकता हुआ भगवत्कृपा से मानव शरीर प्राप्त करता है। इस योनि में उसे कर्म करने का सामर्थ्य प्राप्त होता है, पर इस सामर्थ्य का वह कितना प्रयोग करता है, यह उस पर निर्भर है।

मानव जीवन स्वेच्छाचारिता पूर्वक भोग विलास में जीवन बिता दिया और शास्त्र रूपी भगवदाज्ञा के अनुसार जीवन चर्या नहीं चलाई तो पुनः समस्त तिर्यक योनि में दुख रूपी जीवन व्यतीत करना पड़ेगा। मनुष्य आज पशुओं से भी निकृष्ट जीवन यापन कर रहा है। पशुओं को अपने धर्म का आहार आदि का बोध है, पर मनुष्य को नहीं । आप और कुछ बने न बनें, किंतु आप मानव बन गए तो आप धर्म शास्त्र पथ से भ्रष्ट नहीं होंगे। वास्तव में धर्म वह है जिसके परिणाम में अपना और दूसरों का हित होता है। अधर्म वह जिसमें अपना और दूसरों का अहित होता है।

परहित सरिस धर्म नहि भाई। पर पीड़ा सम नहि अधमाई।।

सत्य, सदाचार और परहित धर्म का मूल है। माता-पिता, पुत्र और पत्नी के धर्म अलग अलग है, पर सभी एक दूसरे का हित और परस्पर सुख पहुंचाने वाले ही होंगे।

।।निःस्वार्थता ही धर्म की कसौटी है।।

जो जितना निस्वार्थी है वो उतना ही आध्यात्मिक और धार्मिक है। आज संसार में अनैतिक आचार व्यवहार स्वार्थ की पराकाष्ठा है। धार्मिक संस्कार लुप्तप्राय हो रहे है। जिसमें सर्वत्र ही काम क्रोध लोभ मोह मद गर्व अभिमान, द्वेष, ईर्ष्या, हिंसा परोत्कर्ष पीड़ा दलबंदिया अधर्म युद्ध आदि सभी अधर्म के विभिन्न स्वरूपों का तांडव नृत्य हो रहा है। तो पता नहीं पतन कितना गहरा होगा। अतः मनुष्य धर्म शास्त्रों का आलंबन लेकर पाप पुण्य नीति अनीति की पहचान की सामर्थ्य प्राप्त कर सके तथा देव पितृ गुरु आदि के प्रति अपना कर्तव्य समझ सके यही धर्म का वास्तविक मर्म है।

लेखक
चन्द्रेश जी महाराज
(चंद्रदास)

सप्ताह के व्रत और पर्व

- **3 सितंबर :** बुधवार – पार्श्व एकादशी
- **4 सितंबर :** गुरुवार – वामन जयंती, शुक्र प्रदोष व्रत

- 5 सितम्बर, शुक्रवार – गणेश विसर्जन, अनंत चतुर्दशी पर्व
- **7 सितंबर, रविवार- प्रतिपदा श्राद्ध**

- 6 सितम्बर, शनिवार – भाद्रपद पूर्णिमा व्रत, चंद्र ग्रहण
- **7 सितम्बर 2025** – रविवार – पितृ पक्ष आरंभ, प्रातिपदा श्राद्ध

अनंत सूत्र की 14 गांठें, 14 लोकों की प्रतीक

- अनंत चतुर्दशी पर्व भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना के लिए समर्पित है। इस दिन उनके अनंत रूपों की पूजा की जाती है। पूजा में चौदह गांठों वाला खास धागा, जिसे अनंत सूत्र कहते हैं, प्रयोग किया जाता है। ये धागा भगवान विष्णु के चौदह लोकों भूर्लोक, भुवर्लोक, स्वर्लोक, महर्लोक, जनलोक, तपोलोक, ब्रह्मलोक, अतल, वितल, सुतल, रसातल, तलातल, महातल और पाताल लोक का प्रतीक है। अनंत सूत्र को पुरुष दाएं और महिलाएं बाएं हाथ पर बांधती हैं। मान्यता है कि इस रक्षा सूत्र को बांधने से सभी प्रकार के पाप नष्ट हो जाते हैं और आरोग्य की प्राप्ति होती है।

जनकपुर के बिना अधूरी है अयोध्या

अयोध्या जितना ही धार्मिक महत्व नेपाल के जनकपुर धाम का भी है। पूर्वी नेपाल में बिहार बार्डर के समीप स्थित जनकपुर माता सीता का मायका है। इसे बिहार का मिथिलांचल भी कहते हैं। मिथिलांचल के लोग स्वयं को भगवान राम के ससुराल से जुड़ा महसूस करते हैं। यहां के लोगों का मानना है कि बिना जनकपुर के अयोध्या अधूरी है। जनकपुर धाम में हर रोज भजन-कीर्तन होने से पूरा इलाका भक्तिमय बना रहता है। पूरे कस्बे में हर घर पर राम पताका फहराती है। सड़क के किनारे हर हिंदू के घर का मुख्य हिस्सा भगवा रंग में रंगा है।

जनकपुर भगवान राम का ससुराल है। भगवान राम के प्राण प्रतिष्ठा के दिन मिथिला संस्कृति के अनुसार जनकपुर से माता सीता के ससुराल अयोध्या दो ट्रकों में भरकर सौगात भेजी गई थी। मान्यता है कि जब बेटी अपने ससुराल के नए घर में प्रवेश करती है, तो उसके मायके से कुछ सगुन भेजे जाते हैं।

राजा जनक के नाम पर हुआ नामकरण

अंग्रेजों के शासन के वक्त एक समझौते में नेपाल को मेची नदी के पूर्व और महाकाली नदी के पश्चिम के बीच का तराई क्षेत्र दिया गया था। इस तरह मिथिला का एक बड़ा भूभाग नेपाल में शामिल कर दिया गया, जनकपुर भी इसी क्षेत्र का हिस्सा था। राजा जनक के नाम पर इस शहर का नाम जनकपुर रखा गया था। राजा जनक की पुत्री सीता जिन्हें जानकी भी कहते हैं, उनके नाम पर इस मंदिर का नामकरण हुआ था। मंदिर में मां सीता की मूर्ति सन 1657 के आसपास की बताई जाती है।

कभी भारत का हिस्सा था जनकपुर

- जनकपुर धाम प्राचीन काल में विदेह राज्य की राजधानी थी। जनकपुर मंदिर साल 1911 में बनकर तैयार हुआ था। 4860 वर्ग फीट में फैले इस मंदिर का निर्माण टीकमगढ़ की महारानी कुमारी वृषभानु ने करवाया था। उनके कोई संतान नहीं था। यहां पूजा के दौरान उन्होंने मन्नत मांगी थी कि अगर उन्हें संतान होती है, तो यहां मंदिर बनवाएंगी। संतान की प्राप्ति के बाद महारानी वहां लौटीं और साल 1895 में मंदिर का निर्माण शुरू हुआ जो 16 साल में पूरा हुआ। उस समय मंदिर के निर्माण पर नौ लाख रुपये खर्च हुए थे, इसलिए इस मंदिर को नौलखा मंदिर भी कहते हैं। 1967 से इस मंदिर में 12 महीने अखंड कीर्तन चलता रहता है। 24 घंटे सीता-राम नाम का जाप लोग करते हैं।

अयोध्या से जनकपुर तक रामायण सर्किट

- अयोध्या और जनकपुर को जोड़ने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामायण सर्किट का शुभारंभ किया है। जनकपुर धाम तक भारत से ट्रेन भी चलाई गई है। इसके लिए भारत से नेपाल का रेल समझौता हुआ है। कोंकण रेलवे कारपोरेशन, महाराष्ट्र ने 84 करोड़ 65 लाख रुपये कीमत की चार बोगी और इंजन समेत दो डीएमयू सवारी गाड़ी नेपाल को उपलब्ध कराई हैं।

लेखक
यशोदा श्रीवास्तव

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	80,364.49	24,625.05
बढ़त	554.84	198.20
प्रतिशत में	0.70	0.81

सोना- 1,05,670 प्रति 10 ग्राम

चांदी- 1,26,000 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 2 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

गेमिंग अधिनियम जल्द होगा अधिसूचित: सचिव

नई दिल्ली। सरकार ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम को बहुत जल्द अधिसूचित करेगी। शीर्ष अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। संसद द्वारा 21 अगस्त को पारित ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन अधिनियम, 2025 ई-स्पोर्ट्स तथा अन्य ऑनलाइन गेम को बढ़ावा देते हुए सभी प्रकार के ऑनलाइन 'रियल मनी' गेम पर प्रतिबंध लगाता है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी सचिव एस. कृष्णन ने सेमीकंडक्टर पर आईसीईए के कार्यक्रम से इतर कहा, यह बहुत जल्द लागू हो जाएगा और हम इस संबंध में सभी आवश्यक कदम उठा रहे हैं। इस अधिनियम को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई है। सरकार द्वारा अधिसूचित किए जाने के बाद यह अधिनियम लागू हो जाएगा।

वेदांता ने कर्मचारी शेयर विकल्प दिए

नई दिल्ली। खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता लिमिटेड ने 2024-25 में 450 करोड़ के कर्मचारी शेयर विकल्प दिए। कर्मचारी शेयर विकल्प योजना (ईएसओएस) कर्मचारी लाभ योजना है जो उन्हें कंपनी के शेयर भारी छूट (एक रुपये) पर खरीदने का अधिकार देती है। इससे संगठनात्मक विकास में उनकी भूमिका को पुरस्कृत किया जाता है। इसे प्रदर्शन प्रोत्साहन माना जाता है और यह धन सृजन में सहायक होता है। वेदांता लिमिटेड, वेदांता रिसोर्सेज लिमिटेड की एक अनुषंगी कंपनी है।

टाटा मोटर्स की थोक बिक्री दो प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता टाटा मोटर्स की पिछले महीने थोक बिक्री सालाना आधार पर दो प्रतिशत बढ़कर 73,178 इकाई रही, जबकि बीते वर्ष अगस्त में यह 71,693 इकाई थी। टाटा मोटर्स ने कहा कि अगस्त में कुल घरेलू बिक्री सालाना आधार पर दो प्रतिशत घटकर 68,482 इकाई रही, जबकि पिछले साल अगस्त में यह 70,006 इकाई थी। घरेलू बाजार में कंपनी के कुल यात्री वाहनों की बिक्री पिछले महीने सात प्रतिशत घटकर 41,001 इकाई रही, जो अगस्त 2024 में 44,142 इकाई थी। आलोच्य महीने में घरेलू वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री छह प्रतिशत बढ़कर 27,481 इकाई रही, जो पिछले साल अगस्त में 25,864 इकाई थी।

तीन दिन बाद सेंसेक्स 555 अंक उछला

आर्थिक वृद्धि के मजबूत आंकड़ों से घरेलू बाजार उत्साहित, आईटी-वाहन एवं बैंकों के शेयरों में हुई खरीदारी

मुंबई, एजेंसी

आर्थिक वृद्धि के मजबूत आंकड़ों से उत्साहित घरेलू शेयर बाजार लगातार तीन दिनों की गिरावट से उबरते हुए सोमवार को चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स ने 555 अंकों की छलांग लगाई जबकि निफ्टी में 198 अंक की बढ़त रही। विश्लेषकों ने कहा कि अनुकूल निवेशक धारणा के बीच सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), वाहन एवं बैंकों के शेयरों में हुई खरीदारी से बाजार को तेजी मिली।

बीएसई का सेंसेक्स 554.84 अंक की बढ़त के साथ 80,364.49 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सूचकांक 597.19 अंक चढ़ा था। एनएसई का निफ्टी 198.20 अंक की बढ़त के साथ 24,625.05 अंक पर बंद हुआ। इस तरह घरेलू शेयर बाजार पिछले तीन सत्रों की गिरावट से उबरने में सफल रहा। इन तीन सत्रों में सेंसेक्स में 1,826.26 अंक यानी 2.23 प्रतिशत और निफ्टी में 540.9 अंक यानी 2.16 प्रतिशत की गिरावट आई थी। सोमवार को सेंसेक्स में शामिल 23 कंपनियां बढ़त के साथ बंद हुईं। इनमें से महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स, ट्रेंट, इटर्नल, एशियन पेंट्स और इन्फोसिस प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। हालांकि सन फार्मा, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और टाइटन के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई।

● सेंसेक्स में शामिल 30 में से 23 कंपनियां बढ़त के साथ हुईं बंद

शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल-जून तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर 7.8% की दर से बढ़ी जो पांच तिमाहियों में सर्वाधिक है। हालांकि अमेरिका की तरफ से भारतीय उत्पादों पर शुल्क बढ़ाकर 50% कर देने से कपड़ा, चमड़ा एवं रत्न-आभूषण जैसे प्रमुख निर्यातों पर खतरा मंडरा रहा है।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि भारत की पहली तिमाही की जीडीपी वृद्धि दर अनुमान से अधिक 7.8 प्रतिशत रही है, जिसने वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच अर्थव्यवस्था के जुझारूपन में निवेशकों के भरोसे को मजबूती दी है। नायर ने कहा कि जीएसटी परिषद की आगामी बैठक में कर प्रणाली को युक्तिसंगत बनाए जाने की उम्मीदें निवेशक धारणा को मजबूत कर रही है और सोच-समझकर खपत करने को बढ़ावा दे रही हैं। यह आशावाद खासकर वाहन एवं टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं जैसे क्षेत्रों को लाभ पहुंचा रहा है।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा कि बाजार ने कारोबारी सप्ताह की सकारात्मक शुरुआत की जिसमें जून तिमाही के बेहतर जीडीपी आंकड़ों की अहम भूमिका रही। सत्र के दूसरे हिस्से में चुनिंदा दिग्गज कंपनियों में खरीदारी आने से सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुआ।

मिड और स्मॉलकैप बढ़त के साथ हुए बंद

व्यापक बाजार में मझोली कंपनियों का बीएसई का मिडकैप सूचकांक 1.64 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ जबकि छोटी कंपनियों के स्मालकैप सूचकांक में 1.49 प्रतिशत की तेजी रही। वाहन खंड में सर्वाधिक 2.68 प्रतिशत की बढ़त रही जबकि टिकाऊ उपभोक्ता खंड में 2.07 प्रतिशत, विवेकाधीन उपभोक्ता खंड में दो प्रतिशत और पूंजीगत उत्पाद खंड में 1.93 प्रतिशत की तेजी रही। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों में से 2,796 शेयर चढ़कर बंद हुए जबकि 1,391 शेयरों में गिरावट रही और 193 अन्य अपरिवर्तित रहे।

विदेशी बाजार में दिखा मिलाजुला असर

एशिया के अन्य बाजारों में चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजार अधिकतर बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.92 प्रतिशत बढ़कर 68.10 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 8,312.66 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की थी जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 11,487.64 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे। शुक्रवार को सेंसेक्स 270.92 अंक गिरकर 79,809.65 अंक और निफ्टी 74.05 अंक की गिरावट के साथ 24,426.85 अंक पर बंद हुआ था।

घरेलू बिक्री में वृद्धि के कारण जीएसटी संग्रह 6.5% बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

घरेलू बिक्री में वृद्धि के कारण अगस्त में सकल जीएसटी संग्रह 6.5 प्रतिशत बढ़कर 1.86 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली। आगामी त्योहारों के कारण राजस्व में वृद्धि जारी रहने की संभावना है।

सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह अगस्त 2024 में 1.75 लाख करोड़ रुपये था। पिछले महीने संग्रह 1.96 लाख करोड़ रुपये था। इस साल अगस्त में सकल घरेलू राजस्व 9.6 प्रतिशत बढ़कर 1.37 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयात कर 1.2 प्रतिशत घटकर 49,354 करोड़ रुपये रहा। जीएसटी रिफंड सालाना आधार पर 20 प्रतिशत घटकर 19,359 करोड़ रुपये रह गया। शुद्ध जीएसटी राजस्व अगस्त 2025 में 1.67 लाख करोड़ रुपये रहा, जो सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत की वृद्धि है। ये आंकड़े केंद्र और राज्यों की जीएसटी परिषद की बैठक से ठीक दो दिन पहले जारी किए गए।

इस बैठक में दरों को युक्तिसंगत बनाने और कर स्लैब की संख्या कम करने पर विचार-विमर्श किया जाएगा। ईवाई के कर भागीदार सौरभ अग्रवाल ने कहा कि निर्यात रिफंड में उल्लेखनीय गिरावट से वैश्विक शुल्क के कारण निर्यात क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव का पता चलता है। अग्रवाल ने कहा कि प्रतिकूल वैश्विक हालात और भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद, मजबूत घरेलू खपत अब तक स्थिर बनी हुई है। डेलॉइट इंडिया के पार्टनर एमएस मणि ने कहा कि संग्रह में वृद्धि साझा किए जीडीपी आंकड़ों के अनुरूप है और नीति निर्माताओं को इससे जीएसटी सुधारों को आगे बढ़ाने का भरोसा मिलेगा।

● 1.86 लाख करोड़ रुपये से अधिक का हुआ राजस्व एकत्र

आयात पर आईजीएसटी में कमी हैरान करने वाली

इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि जुलाई 2025 में वस्तुओं के आयात में तेज वृद्धि (अगस्त 2025 के आंकड़े के अनुसार) को देखते हुए आयात पर आईजीएसटी में कमी हैरान करने वाली है। टैक्स कनेक्ट एडवाइजरी सर्विसेज एलएलपी के भागीदार विवेक जालान ने कहा कि जीएसटी में 10.7% की वृद्धि घरेलू और आयात दोनों में जीएसटी रिफंड में 20% की गिरावट के कारण हुई है।

नियमों की अनदेखी पर कोल इंडिया पर लगा करीब 11 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

● स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति नहीं करने पर बीएसई-एनएसई ने की कार्रवाई

कोल इंडिया लि. (सीआईएल) ने सोमवार को कहा कि बीएसई और एनएसई ने उस पर 10.72 लाख का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना बोर्ड में अपेक्षित संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति नहीं करने के चलते लगाया गया।

बीएसई और एनएसई, दोनों ने कोयला क्षेत्र की इस कंपनी पर अलग-अलग 5.36-5.36 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। सीआईएल ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी को 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही में सेबी के प्रावधानों का पालन न करने के संबंध में एनएसई-बीएसई से नोटिस मिला है। इस तरह के गैर-अनुपालन के लिए प्रत्येक ने 5,36,900 रुपये का जुर्माना लगाया है। कोल इंडिया घरेलू कोयला उत्पादन में 80% से अधिक का योगदान देती है। कंपनी ने कहा कि यह गैर-अनुपालन उसकी किसी लापरवाही या चूक से नहीं था और अनुपालन जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रयास भी किए गए थे। निदेशक मंडल के सभी सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। इसलिए बोर्ड सदस्यों की नियुक्ति सीआईएल के प्रबंधन के अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

कम मुद्रास्फीति, निर्यात बढ़ने से 7.8% की जीडीपी वृद्धि : नोमुरा

मुंबई। जापानी ब्रोकरेज कंपनी नोमुरा ने कहा कि जून तिमाही में 7.8% की उच्च आर्थिक वृद्धि से नीतिगत स्तर पर आत्मसंतुष्टि नहीं होनी चाहिए, क्योंकि यह महंगाई में नरमी और ट्रंप प्रशासन के शुल्क युद्ध के बाद निर्यात बढ़ने से हुई है।

कंपनी ने कहा कि निर्यातकों का समर्थन करने और घरेलू मांग को बढ़ावा देने को नीतिगत कदम जरूरी है। इसके तहत 2025 के अंत तक रेपो दर में आधा प्रतिशत की कटौती करके इसे 5% करना, निर्यात में विविधता लाना, प्रभावित निर्यातकों को राजकोषीय और ऋण सहायता देना और सुधार प्रोत्साहन शामिल हैं। आर्थिक चक्र को लेकर हमारा नजरिया बदला नहीं है, लेकिन 2025-26 की पहली तिमाही की उच्च जीडीपी वृद्धि को देखते हुए, हम सांख्यिकीय रूप से वित्त वर्ष 2025-26 के अपने जीडीपी वृद्धि अनुमान को 6% से संशोधित कर 6.6% कर रहे हैं।

यूपीआई लेनदेन की संख्या 20 अरब के पार

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकप्रिय यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिये लेनदेन की संख्या अगस्त महीने में 20 अरब को पार कर गई। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने आंकड़े जारी कर यह जानकारी दी।

इस दौरान मूल्य के लिहाज से 24.85 लाख करोड़ रुपये का लेनदेन किया गया। यह आंकड़ा जुलाई में 25.08 लाख करोड़ रुपये था। मूल्य के लिहाज से अब तक का सबसे अधिक यूपीआई लेनदेन मई में 25.14 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया था। मात्रा के लिहाज से जुलाई में सबसे अधिक 19.47 अरब लेनदेन हुए थे। एनपीसीआई के अनुसार यूपीआई लेनदेन की राशि 21 प्रतिशत बढ़कर 24.85 लाख करोड़ रुपये रही। एक साल पहले इसी महीने में यह आंकड़ा 20.60 लाख करोड़ रुपये था। एनपीसीआई ने बताया कि मात्रा के लिहाज से लेनदेन अगस्त 2024 के 14.9 अरब से 34 प्रतिशत बढ़कर अगस्त 2025 में 20.01 अरब हो गया। इस साल अगस्त के दौरान औसत दैनिक लेनदेन राशि 80,177 करोड़ थी, जबकि इस दौरान औसत दैनिक लेनदेन की संख्या 64.5 करोड़ थी।

● जुलाई में 25.08 लाख करोड़ रुपये का यूपीआई से हुआ लेनदेन

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था मजबूत

स्पाइस मनी के सीईओ दिलीप मोदी ने कहा कि अगस्त 2025 में 20.01 अरब यूपीआई लेनदेन का आंकड़ा पार करना एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। इससे भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की गहराई और मजबूती का पता चलता है।

राष्ट्रीय

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाए अहम फैसले

20% इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के खिलाफ याचिका रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस जनहित याचिका को रद्द कर दिया, जिसमें 20% इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी-20) की बिक्री को चुनौती दी गई थी। याचिका में आरोप था कि वाहन चालक ऐसे ईंधन का उपयोग करने को मजबूर हैं, जिसे उनके वाहनों के लिए डिजाइन नहीं किया गया है।

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ अधिवक्ता अक्षय मल्होत्रा द्वारा याचिका में उठाए तर्कों से सहमत नहीं हुई। याचिका में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय को सभी ईंधन स्टेशनों या पेट्रोल पंप पर इथेनॉल-मुक्त पेट्रोल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश देने की मांग की गई थी। केंद्र की ओर से अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने याचिका का विरोध करते हुए दावा किया कि ई20 ईंधन गन्ना किसानों के लिए फायदेमंद है। याचिकाकर्ता मल्होत्रा के तो नाम का इस्तेमाल हो रहा है। इसके पीछे एक लॉबी है। सरकार ने प्रत्येक चीज पर विचार किया है। इसके बाद पीठ ने याचिका खारिज कर दी।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता शादान फरासत ने कहा कि पेट्रोल पंपों पर अब केवल ईबीपी-20 ही उपलब्ध होता प्रतीत हो रहा है, वह भी बिना किसी सूचना के। ईबीपी-20 इसके अनुरूप निर्मित वाहनों के लिए समस्या नहीं है। लेकिन वाहनों का निर्माण इसके अनुरूप नहीं हुआ है। याचिका में अधिकारियों को पेट्रोल पंपों और वितरण इकाइयों पर इथेनॉल की मात्रा का लेबल अनिवार्य रूप से लगाने का निर्देश देने की भी मांग की गई थी, ताकि यह उपभोक्ताओं को दिखाई दे और यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जाए कि ईंधन वितरण के समय उपभोक्ताओं को अपने वाहनों की इथेनॉल अनुकूलता के बारे में सूचित किया जाए। अधिकारियों को 'गैर-अनुपालन वाले वाहनों में 20% उपयोग की सीमा तक इथेनॉल मिश्रित ईंधन से यांत्रिक क्षरण व दक्षता हानि पर एक राष्ट्रव्यापी प्रभाव अध्ययन' करने का निर्देश दिया गया था।

ट्रांसजेंडर-समावेशी स्कूली पाठ्यपुस्तक संबंधी याचिका पर केंद्र को सुप्रीम नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र, एनसीईआरटी और महाराष्ट्र समेत छह राज्यों से उस जनहित याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें स्कूली पाठ्यक्रम में ट्रांसजेंडर-समावेशी व्यापक यौन शिक्षा (सीएसई) को शामिल करने का अनुरोध किया गया है। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन की दलीलों पर गौर किया और प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर आठ हफ्तों में जवाब मांगा। केंद्र और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के अलावा, याचिकाकर्ता काव्या मुखर्जी साहा ने याचिका में महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पंजाब, तमिलनाडु और कर्नाटक को पक्षकार बनाया।

नए यात्री जेटी के निर्माण के खिलाफ याचिका रद्द

दक्षिण मुंबई में ऐतिहासिक 'गेटवे ऑफ इंडिया' पर नए यात्री जेटी और टर्मिनल का निर्माण जारी रहेगा क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने इस परियोजना को मंजूरी देने वाले मुंबई हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिका सोमवार को रद्द कर दी। हाईकोर्ट ने 15 जुलाई को गेटवे ऑफ इंडिया के पास महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड (एमएमबी) द्वारा प्रस्तावित 229 करोड़ की लागत वाली यात्री जेटी और टर्मिनल सुविधा के निर्माण को चुनौती देने वाली तीन याचिकाओं को खारिज कर दिया था। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ लॉरा डी सूजा द्वारा दायर अपील को खारिज करते हुए कहा कि यह मुद्दा सरकार के नीतिगत अधिकार क्षेत्र में आता है।

'सनातन धर्म' टिप्पणी: 2026 में उदयनिधि स्टालिन की याचिका पर होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन की उस याचिका पर 2026 में सुनवाई करेगा, जिसमें उन्होंने 2023 में सनातन धर्म को खत्म करने संबंधी अपने बयान पर दर्ज सभी प्राथमिकियों और शिकायतों को एक साथ संलग्न करने एवं मामलों को एक स्थान पर स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था। स्टालिन की याचिका पर न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने सुनवाई की। याचिकाकर्ता (स्टालिन) के अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने बताया कि स्टालिन के खिलाफ कई प्राथमिकी और शिकायतें दर्ज हैं। इस न्यायालय ने पहले भी कई मामलों में दो काम किए हैं।

जम्मू में बाढ़ क्षेत्र पहुंचे शाह, पीड़ितों को राहत का दिया आश्वासन

जम्मू। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को बाढ़ प्रभावित जम्मू का दौरा किया और कुछ पीड़ितों से मुलाकात कर उन्हें राहत एवं पुनर्वास मुहैया कराए जाने का आश्वासन दिया।

अधिकारियों ने बताया कि शाह के साथ उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला एवं जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा भी थे और उन्हें जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने स्थिति की जानकारी दी। शाह बाढ़ और राहत कार्यों का आकलन करने के लिए रविवार रात जम्मू पहुंचे थे। राजभवन में आगंतुकों से मिलने के बाद वह स्थिति का प्रत्यक्ष जायजा लेने के लिए जम्मू हवाई अड्डे के पास स्थित एवं बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित गांवों में से एक मांगूचक के लिए रवाना हुए।

वोट चोरी के एटम बम के बाद अब हाइड्रोजन बम आने वाला है : राहुल

पटना, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कथित वोट चोरी से जुड़े अपने खुलासे का हवाला देते हुए सोमवार को कहा कि एटम बम के बाद अब हाइड्रोजन बम आने वाला है।

उन्होंने वोटर अधिकार यात्रा के समापन पर यह दावा किया कि वोट चोरी का हाइड्रोजन बम आने के बाद प्रधानमंत्री मोदी जनता को अपना चेहरा नहीं दिखा पाएंगे। राहुल ने कहा कि वोट चोरी का मतलब अधिकार, आरक्षण, रोज़गार, शिक्षा और युवाओं के भविष्य की चोरी है। गांधी ने दावा किया कि वोट चोरी के बाद लोगों के राशन कार्ड और जमीन छीन ली जाएगी। हम इन्हें संविधान की हत्या नहीं करने देंगे। कांग्रेस नेता ने यह दावा फिर किया कि पिछले साल महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव चोरी किया गया था। भाजपा के लोगों, तैयार हो जाओ, हाइड्रोजन बम आ रहा है। आपकी वोट की चोरी पूरे देश को पता लगने जा रही है। इससे पहले राहुल गांधी, राजद नेता तेजस्वी यादव और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं ने गांधी मैदान से डाक बंगला चौराहे तक मार्च निकाला।

पटना में वोट अधिकार यात्रा को संबोधित करते कांग्रेस नेता राहुल गांधी।

पुलिस ने रोका मार्च

कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राजद नेता तेजस्वी यादव और 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं ने सोमवार को मार्च निकाला, जिसे पुलिस ने बीच रास्ते में ही डाक बंगला चौराहे के निकट रोक लिया। गांधी मैदान से शुरू मार्च को आंबेडकर पार्क तक जाना था।

भाजपा नीतीश को वहां फेंकेगी जहां कचरा फेंकते हैं : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भाजपा और आरएसएस की झोली में गिरने तथा विचारधारा से समझौता करने का आरोप लगाया और दावा किया कि भाजपा-आरएसएस उन्हें वहीं फेंक देंगे जहां कचरा फेंका जाता है। उन्होंने दावा किया कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के बाद डबल इंजन सरकार नहीं होगी और महागठबंधन की सरकार बनेगी जो गरीबों, महिलाओं, दलितों और पिछड़ों की सरकार होगी।

बिहार एसआईआर मामला

दावे, आपत्तियां 1 सितंबर के बाद भी होंगी दाखिल : ईसी

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने सोमवार को कहा कि बिहार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान तैयार मतदाता सूची के मसौदे में दावे, आपत्तियां और सुधार एक सितंबर के बाद भी दाखिल हो सकेंगे लेकिन सूची को अंतिम रूप देने के बाद उन पर विचार होगा।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत एवं जे. बागची की पीठ ने निर्वाचन आयोग (ईसी) की इस दलील पर गौर किया कि नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि तक दावे और आपत्तियां दाखिल हो सकेंगे। शीर्ष अदालत ने एसआईआर पर भ्रम की स्थिति को विश्वास का मुद्दा करार देते हुए राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिया कि वह 1 अगस्त की सूची पर मतदाताओं की सहायता के लिए अर्ध-कानूनी स्वयंसेवकों को तैनात करे।

सेना ने हटाया टीएमसी का प्रदर्शन मंच

कोलकाता, एजेंसी

भारतीय सेना ने सोमवार को गांधी प्रतिमा के पास टीएमसी के मंच को हटाना शुरू कर दिया। यह मंच अन्य राज्यों में पश्चिम बंगाल के बांग्लाभाषी प्रवासी श्रमिकों पर कथित अत्याचार के खिलाफ प्रदर्शन के लिए बनाया गया था।

रक्षा अधिकारी ने बताया कि भारतीय सेना (स्थानीय सैन्य प्राधिकार, कोलकाता) उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार मैदान क्षेत्र में दो दिनों की अवधि के लिए कार्यक्रमों की अनुमति देती है। तीन दिन से अधिक के कार्यक्रमों के लिए रक्षा मंत्रालय से अनुमति लेनी होती है। दो दिन की अनुमति दी गई थी। हालांकि, मंच एक महीने से लगा हुआ है। अस्थायी ढांचे को लेकर आयोजकों को कई बार सूचित किया गया, लेकिन इसे नहीं हटाया गया। इसके बाद पुलिस को सूचित किया गया और सेना द्वारा मंच को हटाया जा रहा है। मैदान थाने के अधिकारी के अनुसार सेना ने कहा कि हर सप्ताह के अंत में होने वाले प्रदर्शनों के बाद मंच को हटाना पड़ता है।

नालंदा विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से गुफ्तगू करते मुख्यमंत्री नीतीश।

केंद्र ने किया सेना का दुरुपयोग : ममता

प. बंगाल की मुख्यमंत्री एवं टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर भाजपा शासित राज्यों में बांग्लाभाषी प्रवासी श्रमिकों पर अत्याचार के विरोध में बनाए मंच को हटाने के लिए सेना के दुरुपयोग का आरोप लगाया। मौके पर पहुंची ममता बनर्जी ने कहा, मैं सेना को दोष नहीं देती, इसके पीछे भाजपा का प्रतिशोध है। यह अनैतिक और अलोकतांत्रिक है। सेना को मंच हटाने से पहले कोलकाता पुलिस से परामर्श करना चाहिए था। वे मुझे बुला सकते थे और मैं कुछ ही मिनटों में मंच हटवा देती।

जरांगे का आंदोलन शांतिपूर्ण नहीं, सड़कें खाली कराएं

मुंबई, एजेंसी

बंबई हाईकोर्ट ने सोमवार को कहा कि मनोज जरांगे के नेतृत्व में मराठा आरक्षण आंदोलन से पूरा शहर ठहर गया है और यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण नहीं है तथा इसमें सभी शर्तों का उल्लंघन किया गया है।

हाईकोर्ट ने मुंबई में सामान्य स्थिति बहाल करने का आग्रह किया और जरांगे तथा उनके समर्थकों को हालात सुधारने तथा मंगलवार दोपहर तक सभी सड़कें खाली करने का अवसर दिया। जरांगे 29 अगस्त से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। वह मराठा समुदाय को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के तहत 10% आरक्षण देने की मांग कर रहे हैं। जरांगे ने सोमवार से पानी पीना भी बंद कर दिया है।

लोगों ने किया यातायात बाधित

मराठा आरक्षण को लेकर मुंबई के आजाद मैदान में चार दिन से अनशन पर बैठे मनोज जरांगे ने सोमवार से पानी पीना बंद कर दिया और डॉक्टरों ने उनके सेहत की जांच की। मराठा समुदाय के सदस्य आरक्षण की मांग को लेकर छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) और दक्षिण मुंबई के अन्य हिस्सों में जमा हो गए, जिससे यातायात बाधित हुआ और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

वर्ल्ड ब्रीफ

पाकिस्तान: हेलिकॉप्टर गिरा, पांच लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के गिलगित-बाल्टिस्तान में हेलिकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से दो पायलट सहित चालक दल के कम से कम पांच सदस्यों की मौत हो गई। गिलगित-बाल्टिस्तान सरकार के प्रवक्ता फैजुल्लाह फराक ने एक बयान बताया कि हेलिकॉप्टर डायमर जिले के चिलास क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने कहा, हमारा एक हेलीकॉप्टर चिलास के थोर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। उन्होंने बताया कि चालक दल में दो पायलट और तीन तकनीकी कर्मचारी शामिल थे।

मिसाइल कारखाने को देखने पहुंचे किम जोंग

सियोल। उत्तर कोरिया ने सोमवार को कहा कि उसके नेता किम जोंग उन ने सप्ताहांत में एक नए हथियार कारखाने का निरीक्षण किया, जो मिसाइलों के बड़े पैमाने पर उत्पादन की उनकी योजना को तेज करने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह दौरा चीन में एक बड़ी सैन्य परेड में शामिल होने से पहले किया है। उत्तर कोरिया की आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने यह नहीं बताया कि किम ने रविवार को जिस कारखाने का निरीक्षण किया, वह कहां स्थित है लेकिन ऐसा अनुमान है कि यह जांगांग प्रांत में हो सकता है, जो चीन से सटा हुआ देश का प्रमुख शस्त्र उद्योग केंद्र है।

इजराइल ने हमास से समझौता किया खारिज

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार को एक बार फिर बंधकों की चरणबद्ध रिहाई से इन्कार कर दिया और कहा कि आंशिक युद्धविराम और बंधक-रिहाई समझौता मेज पर नहीं है। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार नेतन्याहू ने हमास के साथ संघर्ष विराम पर अपने रुख को दोहराया। उनका यह यह बयान युद्ध कैबिनेट के छह घंटे लंबे सत्र के बाद आया। इस बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री ने समझौते के लिए किसी भी आंशिक रूपरेखा को स्वीकार करने के खिलाफ आधिकारिक वोट के लिए दबाव डाला।

हेलिकॉप्टर से संपर्क टूटा, आठ लोग लापता

जकार्ता। इंडोनेशिया के उष्णकटिबंधीय द्वीप बोर्नियो पर एक हेलीकॉप्टर का उड़ान भरने के आठ मिनट बाद संपर्क टूट गया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि हेलीकॉप्टर में आठ व्यक्ति सवार थे। 'ईस्टइंडो एयर' के स्वामित्व वाला 'एयरबस बीके117 डी-3' हेलीकॉप्टर इंडोनेशिया के दक्षिण कालीमंटन प्रांत के कोटाबारू जिले में एक हवाई अड्डे से सोमवार सुबह 8:46 बजे मध्य पलंगकारया शहर के लिए रवाना हुआ था। हेलीकॉप्टर को सुबह 10:15 बजे पलंगकारया पहुंचना था और हवाई यातायात नियंत्रण से इसका अंतिम संपर्क सुबह 8:54 बजे हुआ था।

शक: रूस ने ईयू अध्यक्ष ले जा रहे विमान का जीपीएस कर दिया जाम

ब्रसेल्स, एजेंसी

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन को ले जा रहे विमान का जीपीएस बुल्गारिया के ऊपर जाम हो गया। संदेह है कि रूसी अभियान में यह जीपीएस जाम हुआ। यूरोपीय आयोग की प्रवक्ता एरियाना पोडेस्टा ने बताया कि विमान प्लोवदिव हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया।

उन्होंने कहा कि वॉन डेर लेयेन रूस और बेलारूस की सीमा से लगे यूरोपीय संघ के देशों की अपनी यात्रा जारी रखेंगी। पोडेस्टा ने कहा, हम निश्चित रूप से पुष्टि कर सकते हैं कि जीपीएस जाम हो गया था। हमें बुल्गारिया के अधिकारियों से जानकारी मिली। अधिकारियों ने संदेह जताया कि रूस की कार्रवाई

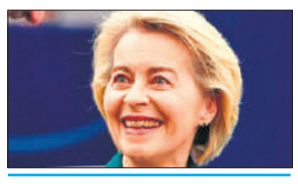

● पुतिन की कट्टर आलोचक हैं उर्सुला वॉन डेर लेयन

के कारण ऐसा हुआ।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन में युद्ध की कटु आलोचक वॉन डेर लेयेन, रूस और उसके सहयोगी बेलारूस की सीमा से लगे यूरोपीय संघ के देशों के चार दिवसीय दौरे पर हैं। पोडेस्टा ने कहा, यह घटना वास्तव में उस मिशन की तात्कालिकता को रेखांकित करती है, जिसे राष्ट्रपति अग्रिम पंक्ति के सदस्य देशों में अंजाम दे रहे हैं।

एशिया में बदलते आर्थिक समीकरणों का नया अध्याय

इससे पहले अमेरिका के एशिया के साथ व्यापारिक संबंध काफी हद तक मुक्त और वैश्विक नियमों पर आधारित थे लेकिन अब आपूर्ति शृंखलाएं बदल गई हैं। वैश्विक आर्थिक समीकरण प्रभावित होने के बाद अमेरिका के सामने उत्पाद लागत बढ़ने, घरेलू उद्योगों पर दबाव आने और विदेशी निवेश में कमी जैसे जोखिम पैदा हुए हैं। इस बदलाव से वियतनाम, मैक्सिको और अन्य देशों को फायदा हुआ है, जबकि चीन को नुकसान हुआ है। वैश्विक उथलपुथल के इसी दौर में भारत ने चीन के साथ नजदीकी बढ़ाई है लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि दोनों देशों के हित टकराते हैं जिसकी वजह से यह सहयोग ज्यादा लंबा खिंचना मुश्किल है। भारत के लिए जोखिम भरा भी है। आर्थिक विकास और प्रौद्योगिकी के मामले में अमेरिका पर निर्भरता को लेकर भी भारत के सामने अभी कोई स्पष्ट विकल्प नहीं है।

अमेरिका बनाम एशिया

टैरिफ वार और वैश्विक असर

- अमेरिका का एशिया के साथ व्यापारिक संबंध डब्ल्यूटीओ के तहत एक खुली, पारदर्शी और गैर-भेदभावपूर्ण प्रणाली पर आधारित था।
- चीन 2001 के बाद यूएस का प्रमुख मैन्युफैक्चरिंग सप्लायर बना। इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, फर्नीचर, टेक्सटाइल चीन सबसे आगे था।
- टैरिफ वार ने इन समीकरणों को बिगाड़ दिया, चीन से आयात में कमी आई है और अमेरिका से उसने व्यापार को कम कर दिया है।
- अमेरिकी उपभोक्ताओं पर लागत का दबाव पड़ने से कंपनियां उत्पादन को स्थानांतरित कर रही हैं, जिससे आपूर्ति शृंखलाएं बदली हैं।

अमेरिका के लिए चुनौतियां

- चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़ने की आशंका थी लेकिन टैरिफ के बावजूद व्यापार घाटा लगभग अपरिवर्तित रहा है।
- आयातित कच्चे माल पर टैरिफ से अमेरिकी कंपनियों की लागत बढ़ने का अंदेशा, इससे प्रतिस्पर्धी क्षमता पर असर।
- कीमतें बढ़ने से अमेरिकी उपभोक्ताओं पर महंगाई का असर और आयातित वस्तुओं की मांग घटने की भी आशंका।

इन देशों की लॉटरी

अमेरिका के टैरिफ वार से वियतनाम, मैक्सिको समेत कई उभरते हुए कई देशों को लाभ मिला है क्योंकि कंपनियां चीन से उत्पादन को अन्य देशों में स्थानांतरित कर रही हैं।

लगातार बढ़ते जोखिम

- ट्रंप के टैरिफ वार ने दुनिया के तमाम देशों को अपनी अर्थव्यवस्था की सेहत ठीक रखने के लिए विकल्प खोजने को विवश होना पड़ा है।
- दुनिया में बढ़ता व्यापारिक तनाव देशों के बीच संबंधों में बदलाव ला रहा है, चीन-अमेरिका के पीछे ध्रुवीकरण की स्थिति पैदा हुई है।
- टैरिफ वार शुरू होने के बाद घरेलू और विदेशी निवेश भी प्रभावित होने की आशंका है जो अमेरिका के लिए एक महत्वपूर्ण जोखिम है।
- अमेरिका का व्यापार संरक्षणवाद वैश्विक आर्थिक विकास पर अपेक्षाकृत मामूली लेकिन महत्वपूर्ण नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

भारत के लिए सीमित विकल्प

- भारत के लिए अमेरिकी बाजार के प्रत्यक्ष या ठोस विकल्प काफी सीमित हैं, खासकर विशिष्ट औद्योगिक क्षेत्रों में।
- भारत सेवाओं के निर्यात में मजबूत वृद्धि देख रहा है, जो महत्वपूर्ण है। अमेरिकी सेवाओं का आयात 2024 में 15.4% बढ़ा है।

चीन और भारत

- कई विशेषज्ञों का दावा है कि भारत के लिए चीन की नजदीकी कई तरह के खतरों से भरी है।
- सीमा विवाद और विश्वास की कमी प्रमुख है जो एलएसी पर लगातार घटनाओं से पैदा हुई है।
- दोनों देशों में व्यापार असंतुलन। भारत को चीन से बड़ा व्यापार घाटा होता है। मार्केट एक्सेस और एनटीबी संबंधी काफी शिकायतें हैं।

पुतिन से मिले मोदी, कहा- संकट में हमेशा एक-दूसरे का साथ दिया है भारत-रूस ने

रूसी राष्ट्रपति का जल्द यूक्रेन संघर्ष समाप्त करने का आह्वान, बोले- ये मानवता की मांग

तियानजिन, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहा कि भारत और रूस हमेशा कठिन परिस्थितियों में भी कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं। मोदी की पुतिन की मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब भारत एवं अमेरिका के संबंध पिछले दो दशक के संभवतः सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं।

मोदी और पुतिन ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन के इतर बैठक की, जिसमें आर्थिक, वित्तीय और ऊर्जा क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। आधिकारिक वार्ता से पहले, दोनों नेताओं ने एससीओ शिखर सम्मेलन में अपने कार्यक्रम समाप्त करने के बाद एक ही कार में बैठक स्थल तक एक साथ यात्रा करते हुए 40 मिनट से अधिक समय तक अनौपचारिक बातचीत की। मोदी ने कहा कि भारत यूक्रेन में शांति स्थापित करने के लिए हाल ही में किए गए सभी प्रयासों का स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन संघर्ष को यथाशीघ्र समाप्त करना मानवता का आह्वान है।

प्रधानमंत्री मोदी ने टेलीविजन पर प्रसारित अपने वक्तव्य की शुरुआत में कहा, हम यूक्रेन में चल रहे संघर्ष पर नियमित रूप से चर्चा करते रहे हैं। हम शांति स्थापित करने की दिशा में हाल में किए गए सभी प्रयासों का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि सभी पक्ष रचनात्मक तरीके से आगे बढ़ेंगे। इस संघर्ष को समाप्त करने और स्थायी शांति स्थापित करने का रास्ता अवश्य निकाला जाना चाहिए। यह संपूर्ण मानवता की आकांक्षा है। समझा जाता है कि भारतीय पक्ष ने पुतिन को शनिवार को मोदी और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की के बीच हुई बातचीत के बारे में जानकारी दी। मोदी से बात करने के बाद, ज़ेलेंस्की ने कहा कि भारत यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए आवश्यक प्रयास करने और रूस को उपयुक्त संकेत देने के लिए तैयार है। पुतिन ने कहा कि रूस और भारत ने दशकों से विशेष मैत्रीपूर्ण और विश्वास-आधारित संबंध बनाए रखे हैं, और यह संबंधों के भविष्य के विकास की नींव है। उन्होंने कहा, ये संबंध पूरी तरह से दलगत राजनीति से ऊपर हैं और इन्हें हमारे अधिकांश लोगों का समर्थन प्राप्त है।

तियानजिन में एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान पुतिन के साथ मोदी।

पुतिन ने यूक्रेन संघर्ष के लिए पश्चिमी देशों को दोषी ठहराया

तियानजिन। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एससीओ शिखर सम्मेलन में कहा कि यूक्रेन को उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में शामिल करने के पश्चिमी देशों के निरंतर प्रयास यूक्रेन के साथ संघर्ष के मुख्य कारणों में से एक हैं। पुतिन ने दावा किया कि यह संकट मुख्यतः 2014 में यूक्रेन में हुए तख्तापलट के कारण उत्पन्न हुआ, जिसे पश्चिम के दशों ने उकसाया था। उन्होंने कहा, संकट का दूसरा कारण यूक्रेन को नाटो में शामिल करने के पश्चिमी देशों के निरंतर प्रयास हैं। जैसा कि हम बार-बार जोर देते रहे हैं कि यह रूस की सुरक्षा के लिए सीधा खतरा है। फरवरी 2014 में यूक्रेन की राजधानी कीव में प्रदर्शनकारियों और सरकारी बलों के बीच घातक झड़पों के परिणामस्वरूप तत्कालीन राष्ट्रपति विक्टर यानुकोविच को पद से हटा दिया गया था।

जिनपिंग का संयुक्त राष्ट्र और डब्ल्यूटीओ व्यवस्था को मजबूत करने का आह्वान

तियानजिन/नई दिल्ली। चीनी के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने एससीओ के सदस्य देशों से संयुक्तराष्ट्र पर केंद्रित विश्व व्यवस्था की रक्षा करने का आह्वान किया है। जिनपिंग ने तियानजिन एससीओ राष्ट्राध्यक्ष परिषद की 25वीं बैठक में बोलते हुए कहा, हमें न्याय और निष्पक्षता को बनाए रखना चाहिए, द्वितीय विश्व युद्ध के इतिहास के बारे में सही दृष्टिकोण को बढ़ावा देना चाहिए, युद्ध की मानसिकता, गुटों के टकराव और धौंस-धमकी का विरोध करना चाहिए और संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका वाली अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की व्यवस्था की रक्षा करनी चाहिए। चीनी राष्ट्रपति ने संयुक्त राष्ट्र-केंद्रित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की रक्षा करने और विश्व व्यापार संगठन को केंद्र में रखते हुए बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली का समर्थन करने का भी आह्वान किया। उन्होंने इस वर्ष एससीओ सदस्य देशों के लिए दो अरब युआन (लगभग 28.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर) के अनुदान की घोषणा की, साथ ही एससीओ इंटरबैंक कंसोर्टियम के माध्यम से अगले तीन वर्षों में 10 अरब युआन के अतिरिक्त ऋण की भी घोषणा की। उन्होंने बताया कि अन्य एससीओ सदस्य देशों में चीन का संचयी निवेश पहले ही 84 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो चुका है, जबकि वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार 500 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया है।

अब नवारो बोले- भारतीय जनता कृपया समझिए, आपके साथ क्या हो रहा है

न्यूयॉर्क, एजेंसी

रूस से तेल की खरीद को लेकर भारत पर एक बार फिर निशाना साधते हुए 'व्हाइट हाउस' के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने कहा कि 'ब्राह्मण' भारतीय जनता की कीमत पर मुनाफाखोरी कर रहे हैं और इसे रोकने की जरूरत है।

नवारो ने 'फॉक्स न्यूज संडे' से एक साक्षात्कार में कहा, देखिए मोदी एक महान नेता हैं। उन्होंने कहा कि मोदी दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के नेता हैं और उन्हें समझ नहीं आता कि भारतीय नेता किस तरह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ सहयोग कर रहे हैं। नवारो ने कहा, मैं बस इतना ही कहना चाहूंगा, भारतीय जनता कृपया समझिए कि यहां क्या हो रहा है। आपके पास ब्राह्मण हैं जो भारतीय लोगों की कीमत पर मुनाफाखोरी कर रहे हैं। हमें इसे रोकने की जरूरत है।

नवारो व्यापार तथा टैरिफ पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों को लेकर वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच रिश्तों में आई गिरावट के बाद पिछले कुछ दिनों से

● ट्रंप के व्यापार सलाहकार ने कहा- भारतीय जनता की कीमत पर 'ब्राह्मण' कर रहे हैं तेल के कारोबार से मुनाफाखोरी

लगातार भारत को निशाना बना रहे हैं। नवारो से चीन द्वारा रूसी तेल की खरीद को लेकर सवाल किया गया था। उनसे यह भी पूछा गया था कि क्या भारत पर अतिरिक्त शुल्क लागू करना पुतिन को घुटने टेकने के लिए मजबूर करने के वास्ते पर्याप्त है।

उन्होंने कहा, साफ कहें तो हमने अब भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया है, लेकिन चीन पर भी 50 प्रतिशत से थोड़ा अधिक शुल्क है। इस बीच, कांग्रेस के सांसद कार्ति चिदम्बरम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक टिप्पणी में कहा, अमेरिका में 'बोस्टन ब्राह्मिन' एक जुमला है जो आम बोलचाल में समाज के संभ्रांत लोगों के लिए इस्तेमाल होता है।

ट्रंप का दावा: भारत ने की है टैरिफ निल करने की पेशकश लेकिन अब देर हो चुकी, ऐसा पहले करना चाहिए था

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को दावा किया कि भारत ने अमेरिकी उत्पादों पर आयात शुल्क घटा कर 'नगण्य' करने की पेशकश की है, लेकिन अब देर हो चुकी है। ट्रंप ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा कि भारत ने लंबे समय से अमेरिकी उत्पादों पर दुनिया में सबसे अधिक कर लगाता आ रहा है और इस कारण दोनों देशों के बीच व्यापार एकतरफा है। उन्होंने इसे एकतरफा विनाश बताया। अमेरिका राष्ट्रपति ने लिखा, भारत ने अब आयात शुल्क घटाकर नगण्य करने की पेशकश की है, लेकिन अब देर हो चुकी है। उन्हें बहुत पहले ऐसा करना चाहिये था। ट्रंप ने कहा कि काफी कम लोग यह समझते हैं कि अमेरिका भारत से काफी कम व्यापार करता है, जबकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा ग्राहक है। भारत उसे बड़ी मात्रा में सामान बेचता है जबकि वह अमेरिका से बहुत कम खरीदता है। उन्होंने कहा, यह पूरी तरह से एकतरफा विनाश था। अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक बार फिर रूस से तेल खरीदने के लिए भारत की आलोचना की।

वेनेजुएला की चुनौती, अमेरिका के किसी भी हमले के लिए तैयार

करकास, एजेंसी

वेनेजुएला के रक्षा मंत्री व्लादिमीर पैड्रिनो लोपेज़ ने रविवार को कहा कि उनका देश, अमेरिका के किसी भी हमले के लिए तैयार है। श्री लोपेज़ ने अमेरिकी सरकार को मीडिया के जरिए चेतावनी देते हुए कहा, अगर आपने वेनेजुएला में एक भी कदम रखने की कोशिश की तो हम इसका जवाब देंगे।

रक्षा प्रमुख ने कहा कि वेनेजुएला एक ऐसी घेराबंदी में है जिसका उद्देश्य आंतरिक अराजकता को भड़काना और देश के राजनीतिक नेतृत्व को

● रक्षा प्रमुख ने कहा- देश में एक भी कदम रखा तो कड़ा जवाब देंगे

कमजोर करना है। उन्होंने क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य गतिविधियों का जिक्र करते हुए कहा कि कैरेबियाई जलक्षेत्र में अमेरिकी नौसैनिकों की तैनाती की घोषणा शक्ति प्रदर्शन के अलावा और कुछ नहीं है। यह क्षेत्र को चिह्नित करने का एक तरीका है, ताकि अन्य शक्तियां कैरिबियाई सागर पर नियंत्रण न कर सकें। पैड्रिनो लोपेज ने कहा कि सेना के 15000 जवान वेनेजुएला के पश्चिमी क्षेत्र में तैनात कर दिए गए हैं।

फलस्तीनी वीजा पर लगी पाबंदियों को अमेरिका ने बढ़ाया

वाशिंगटन। अमेरिका ने फलस्तीनी पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा पाबंदियों को बढ़ाते हुए वीजा की लगभग सभी श्रेणियों के अनुमोदन पर रोक लगा दी है। न्यूयार्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि वीजा पाबंदी में चिकित्सा, विश्वविद्यालय अध्ययन, व्यावसायिक यात्रा, और मित्रों या परिवार से मिलने की श्रेणी के आवेदन भी शामिल हैं। ये नियम केवल गाजा के निवासियों पर लागू होते थे पर अब नई नीति पश्चिमी तट और पूरे प्रवासी समुदाय में रहने वाले फिलिस्तीनी नागरिकों पर लागू हो जाएगी।

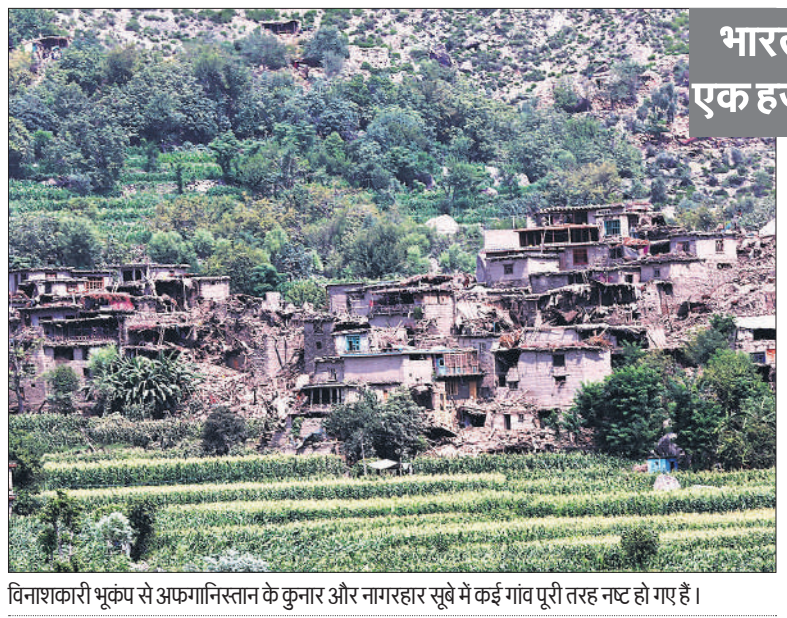

विनाशकारी भूकंप से अफगानिस्तान के कुनार और नागरहार सूबे में कई गांव पूरी तरह नष्ट हो गए हैं।

भारत ने अफगानिस्तान को भेजे एक हजार तंबू, 15 टन खाद्य सामग्री

नई दिल्ली। भारत ने अफगानिस्तान में भूकंप से हुई भारी तबाही के बाद मदद का हाथ बढ़ाते हुए तत्काल सहायता के तौर पर वहां एक हजार तंबू तथा 15 टन खाद्य सामग्री भेजी है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मौलवी अमीर खान मुत्तकी से बात कर भूकंप के कारण हुई जान-माल की हानि पर संवेदना व्यक्त कर कहा कि इस कठिन समय में भारत अफगानिस्तान के साथ है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, कल से भारत से और राहत सामग्री भेजी जाएगी। पूर्वी अफगानिस्तान के कुनार और नांगरहार प्रांतों में रविवार रात आए भूकंप 800 से अधिक लोगों की मौत हो गई और 2500 से अधिक घायल हुए हैं। मृतकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

वैश्विक संस्थाओं ने भी बढ़ाए मदद के लिए हाथ

काबुल। अफगानिस्तान में आए भीषण भूकंप के बाद अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं सहायता पहुंचाने एवं राहत-बचाव कार्यों में तेजी ला रही हैं। तालिबान अधिकारियों ने कहा कि इस विनाशकारी भूकंप में कुनार और नांगरहार क्षेत्रों में अधिकतर गांव पूरी तरह नष्ट हो गए हैं। बचाव अभियान जारी है और चिकित्सा दल भेजे गए हैं। संयुक्त राष्ट्र ने पुष्टि करते हुए कहा है कि उसके कर्मचारी प्रभावित प्रांतों में स्थानीय सहायता कर्मियों के साथ मिलकर राहत एवं बचाव अभियान में मदद कर रहे हैं। भारत समेत कई देशों ने भी प्रभावित इलाकों के लिए मदद भेजी है।

अफगानिस्तान में भूकंप के कारण हुई जानमाल की हानि से बहुत दुखी हूं। इस कठिन घड़ी में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोकसंतप्त परिवारों के साथ हैं, हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। भारत प्रभावित लोगों को हरसंभव मानवीय सहायता और राहत प्रदान करने के लिए तैयार है। - **'एक्स' पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी**

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 2 सितंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-शुक्ल पक्ष, दशमी 3 सितंबर 03.53 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

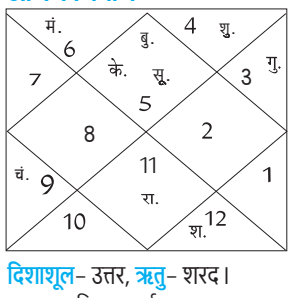

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- शरद। चन्द्रबल-मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुम्भ, मीन।

ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र-मूल 21.51 तक तत्पश्चात पूर्वाषाढ़ा।

मेष — आज कार्यक्षेत्र में थोड़ी परेशानियां लगी रहेंगी। दोपहर के बाद काफी सारी परिस्थितियां आप अनुकूल कर लेंगे। दूसरों की सहायता करने के लिए तत्पर रहेंगे। सरकारी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी।

वृष — आज दिन की शुरुआत अच्छी नहीं रहेगी। व्यापारियों को ग्राहकों के साथ अपने संबंध अच्छे रखने चाहिए। बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। गलत कार्यप्रणाली से आपको बचना चाहिए। आप शुभ कार्यों में धन खर्च कर सकते हैं।

मिथुन — आज छोटी दूरी की यात्रा करने का विचार बनाएंगे। गले में संक्रमण जैसी समस्या हो सकती है। विवाहेतर संबंधों के कारण परेशानियां उत्पन्न होंगी। विरोधी आपका उपहास कर सकते हैं। मन में अस्थिरता और तनाव की स्थिति रहेगी।

कर्क — आज आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। मांगलिक कार्य में आप सम्मिलित हो सकते हैं। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई के प्रति एकाग्र रहेंगे। अचानक धन लाभ होने की प्रबल संभावना है। भविष्य के लिए आप बड़ी योजना बना सकते हैं।

सिंह — आज वैवाहिक जीवन की समस्याओं का समाधान होगा। अपनी बातों से लोगों को प्रभावित कर पाएंगे। समाज में आपकी सक्रियता बढ़ेगी। मौसम में अचानक बदलाव के कारण आपको समस्या हो सकती है। बच्चों को लेकर आप थोड़ा परेशान रहेंगे।

कन्या — आज दूसरों की भावनाओं पर अधिक विश्वास न करें। विरोधियों से सावधान रहने की आवश्यकता है। एलर्जी और खांसी जैसी समस्या हो सकती है। जिद्दीपन वाले व्यवहार से आपको बचना चाहिए। थकान और कमजोरी महसूस हो सकती है।

तुला — आज आपको अच्छे संपर्कों का लाभ अवश्य मिलेगा। भाई बहनों की उन्नति से आप प्रसन्न होंगे। अप्रत्याशित लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। मार्केटिंग संबंधी कार्यों के लिए दिन अनुकूल है। सहकर्मियों के बीच आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी।

वृश्चिक — आज दिन प्रसन्नता और उत्साह से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का अच्छा सहयोग प्राप्त होगा। आय के नए स्रोत बन सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य समय पर पूर्ण हो जाएंगे। जीवनसाथी के साथ अपने मन की बातें कर सकते हैं।

धनु — आज परिवार के सदस्यों के बीच अच्छा तालमेल रहेगा। सभी आवश्यक कार्य बिना बाधा के पूर्ण हो जाएंगे। विरोधियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। संतान के रवैये से आप संतुष्ट रहेंगे। कानूनी मामलों में विजय मिल सकती है।

मकर — आज यदि यात्रा कर रहे हैं, तो सामान के प्रति विशेष सावधानी रखें। अनावश्यक कार्यों के लिए अपना समय व्यर्थ न करें। युवा नौकरी को लेकर परेशान हो सकते हैं। महत्वपूर्ण सामान चोरी हो सकता है। संयम से काम लेंगे तो सफलता मिलेगी।

कुंभ — आज रिश्तेदारों पर अधिक विश्वास करना उचित नहीं है। प्रेमीजन के साथ समय बिताएंगे। आकस्मिक यात्रा की संभावना बन सकती है। शेयर मार्केट में संभलकर निवेश करें। शाम के समय किसी सहकर्मी से मनमुटाव हो सकता है।

मीन — आज लक्ष्य प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत करेंगे, जिसके सार्थक परिणाम भी आपको शीघ्र प्राप्त होंगे। परिजनों के साथ आनंद का समय बिताएंगे। आपकी निर्णय लेने की क्षमता का विकास होगा। विरोधी आपके मित्र बन सकते हैं।

सुडोकू-87

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

9		2	6				5	
				3			8	
1			4					6
		7		2		6		
			1		7			
4		3		8		5		
	2				9			3
	4			1				
	6				5	2		1

सुडोकू - 86 का हल

5	3	4	6	1	7	2	8	9
1	6	2	8	9	5	4	3	7
8	9	7	2	3	4	1	6	5
4	2	8	9	7	3	6	5	1
6	1	3	5	8	2	7	9	4
9	7	5	4	6	1	8	2	3
3	8	1	7	2	9	5	4	6
2	4	9	1	5	6	3	7	8
7	5	6	3	4	8	9	1	2

सांसद खेल महोत्सव 21 से 25 दिसंबर तक उत्तर मुंबई में किया जाएगा। हम खेल को हर घर तक पहुंचाने की दिशा में काम कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य लगभग एक लाख खिलाड़ियों को जोड़ने और भारत में खेले जाने वाले खेलों को प्रोत्साहन देने का है।

-पीयुष गोयल

स्टेडियम

कानपुर, मंगलवार, 2 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

अहलावत संयुक्त 33वें स्थान पर

क्रांस मोंटाना (स्विट्जरलैंड) : भारत के वीर अहलावत यहां अंतिम दौर में दो अंडर 68 के स्कोर से यूरोपीय मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से 33वें स्थान पर रहे। डीपी विश्व टूर पर पैर जमाने की कोशिश कर रहे अहलावत का कुल स्कोर नौ अंडर रहा। उन्होंने चार दौर में 69, 64, 70 और 68 के स्कोर बनाए। अहलावत ने लगातार चौथी बार कट हासिल किया। वह अभी डीपी विश्व टूर तालिका में 129वें स्थान पर हैं और अगर कुछ और टूर्नामेंट में अच्छे नतीजे हासिल करते हैं तो टूर पर अपनी जगह बरकरार रख सकते हैं।

नीतिश राणा ने दिलाया डीपीएल खिताब

नई दिल्ली : कोलकाता नाइट राइडर्स के पूर्व कप्तान नीतिश राणा ने एक बार फिर अपनी काबिलियत का नमूना पेश करते हुए 49 गेंद में नाबाद 79 रन बनाकर पश्चिम दिल्ली लायंस को सेंट्रल दिल्ली लायंस पर छह विकेट से जीत दिलाकर दिल्ली प्रीमियर लीग खिताब 2025 दिलाया। जीत के लिये 174 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए लायंस को शुरूआती झटके लगे जब सेंट्रल दिल्ली के गेंदबाजों सिमरजीत सिंह और अरूण पुंडीर ने लगातार विकेट लेकर पांचवें ओवर में स्कोर तीन विकेट पर 48 रन कर दिया। इसके बाद कप्तान राणा ने मयंक गुसाई के साथ 42 रन की साझेदारी की। उसके बा रितिक शोकीन (27 गेंद में नाबाद 42) के रूप में उन्हें अच्छा जोड़ीदार मिल गया। राणा ने अपनी पारी में छह छक्के लगाए।

टेनिस प्रीमियर लीग अहमदाबाद में

मुंबई : अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) के तत्वावधान में आयोजित होने वाली टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) का सातवां सीजन नौ से 14 दिसंबर तक अहमदाबाद के गुजरात विश्वविद्यालय टेनिस स्टेडियम आयोजित होगा। महाराष्ट्र के बाहर पहली बार आयोजित होने वाले टीपीएल के सातवें सीजन में लिएंडर पेस, सानिया मिर्जा, महेश भूपति, रकुल प्रीत सिंह और सोनाली बेंद्रे जैसे दिग्गजों द्वारा समर्थित आठ-फ्रैंचाइजी प्रतियोगिता में एटीपी रैंकिंग में 30 से 50 के बीच रैंकिंग वाले अंतरराष्ट्रीय टेनिस सितारे, दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन रोहन बोपन्ना सहित भारत के शीर्ष खिलाड़ी शामिल होंगे।

ओवरटन ने लाल गेंद के क्रिकेट से ब्रेक लिया

लंदन : इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेमी ओवरटन ने सोमवार को लाल गेंद के क्रिकेट से अनिश्चितकालीन ब्रेक लेने की घोषणा की क्योंकि अब वह सभी प्रारूपों के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध नहीं हो पा रहे हैं। सिर्फ दो टेस्ट खेलने वाले 31 वर्षीय ओवरटन ने पिछला टेस्ट भारत के खिलाफ ओवल में पांच मैच की घरेलू सीरीज के दौरान खेला था जो 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुई थी। ओवरटन ने एक्स पर कहा काफी सोच-विचार के बाद मैंने लाल गेंद के क्रिकेट से अनिश्चितकालीन ब्रेक लेने का फैसला किया है।

महिला विश्व कप चैंपियन की पुरस्कार राशि में बंपर बढ़ोतरी

दुबई, एजेंसी

भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में 30 सितंबर से शुरू होने वाले महिला वनडे विश्व कप में विजेता टीम को 44.80 लाख डॉलर (लगभग 39.55 करोड रुपये) की पुरस्कार राशि मिलेगी। ये इस टूर्नामेंट में अभी तक की सबसे बड़ी इनामी राशि होगी।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को घोषणा की कि विजेता टीम के लिए पुरस्कार राशि में 13.20 (लगभग 11.65 करोड रुपये) की बढ़ोतरी की गई है। महिला वनडे विश्व कप में आठ टीम भाग लेंगी और इसकी कुल पुरस्कार राशि में लगभग चार गुना वृद्धि की गई है। आईसीसी ने इस प्रतियोगिता के लिए कुल पुरस्कार राशि 13.88 मिलियन डॉलर (लगभग 122.5 करोड़ रुपये) घोषित की है। आईसीसी ने एक बयान में कहा आईसीसी ने महिला क्रिकेट के लिए एक नया मानदंड स्थापित किया है, क्योंकि चैंपियन को रिकॉर्ड 44.8 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी। न्यूजीलैंड में खेले गए पिछले महिला वनडे विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि लगभग 31 करोड रुपए थी और इस तरह से अब इस राशि में लगभग 297 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। महिला वनडे विश्व कप की कुल पुरस्कार

राशि आईसीसी पुरुष वनडे विश्व कप 2023 की पुरस्कार राशि से अधिक है, जिसकी कुल पुरस्कार राशि 10 मिलियन डॉलर (लगभग 88.26 करोड़ रुपये) थी। महिला वनडे विश्व कप की उपविजेता टीम को अब 2.24 मिलियन डॉलर (लगभग 19.77 करोड़ रुपये) जबकि सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को 1.12 मिलियन डॉलर (लगभग 9.89 करोड़ रुपये) मिलेंगे। ग्रुप चरण जीत दर्ज करने पर टीमों को 34,314 डॉलर (लगभग 30.29 लाख रुपये) मिलेंगे। पांचवें और छठे स्थान पर रहने वाली टीमों को 700,000 डॉलर (लगभग 62 लाख रुपये) और सातवें और आठवें स्थान पर रहने वाली टीमों को 280,000 डॉलर (लगभग 24.71 लाख रुपये) मिलेंगे। प्रत्येक प्रतिभागी टीम को 250,000 डॉलर (लगभग 22 लाख रुपये) मिलेंगे। आईसीसी ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य दुनिया भर में महिला क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ाना और उसे पुरुष क्रिकेट के बराबर लाना है। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने कहा कि यह महिला क्रिकेट को प्राथमिकता देने की दिशा में उठाया गया कदम है। उन्होंने कहा यह घोषणा महिला क्रिकेट के सफ़र में एक मील का पत्थर साबित होगी। पुरस्कार राशि में यह चार गुना वृद्धि महिला क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है और इसके दीर्घकालिक विकास के लिए हमारी स्पष्ट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हमारा संदेश सरल है, महिला क्रिकेटरों को यह पता होना चाहिए कि अगर वे इस खेल को पेशेवर रूप से चुनेंगी तो उनके साथ पुरुषों के समान व्यवहार किया जाएगा।

40 करोड़ रुपये अब मिलेंगे, ये इनामी राशि अब तक की सबसे अधिक है।

बच्चों को खेल के लिए प्रोत्साहित करें

कोलकाता : भारत के पूर्व क्रिकेटर अरुण लाल ने राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह के तहत साइ के क्षेत्रीय केंद्र द्वारा आयोजित संगोष्ठी में फोन पर स्क्रीन टाइम के चलन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे युवा खेल के मैदान से दूर रहे हैं। ग्रासरूट्स टू ग्लोबल पोडियम्स : इंडियाज रोड टू 2036 विषय पर आयोजित सत्र में अरुण ने भारत की ओलंपिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए जमीनी स्तर के खेलों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने रविवार को आयोजित सत्र में कहा बच्चों को फोन की जगह खेल के मैदान को चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका। एजेंसी

सबालेंका, अल्काराज और जोकोविक क्वार्टर फाइनल में

यूएस ओपन के मुकाबले पहुंचे रोमांचक मोड़ पर, नोवाक ने फेडरर को पीछे छोड़ा

न्यूयॉर्क, एजेंसी

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका, सर्बियाई टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविक और स्पेन के दिग्गज कार्लोस अल्काराज ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज कर यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है।

लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में एकल वर्ग के मुकाबले में सबालेंका ने स्पेन की क्रिस्टीना बुक्सा को 6-1, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अपने शुरुआती तीन राउंड में कड़ी परीक्षा दे चुकी गत चैंपियन को फ्लशिंग मीडोज में विश्व की 95वें नंबर की खिलाड़ी को हराने और लगातार पांचवीं बार अंतिम-आठ में जगह बनाने में केवल 73 मिनट लगे। सबालेंका का अगले दौर में मुकाबला कजाकिस्तान की एलिना रिबाकिना और चेक गणराज्य की मार्केटा वोंद्रोसोवा के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

आर्थर ऐश स्टेडियम में रविवार रात नोवाक जोकोविक ने जर्मनी

कार्लोस अल्काराज।

नोवाक जोकोविक।

के जान-लेनार्ड स्ट्रफ को हराकर एक ही सीजन में चारों ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज़ खिलाड़ी बनकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। वहीं अल्काराज ने ओपन युग में 13 ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने की उपलब्धि हासिल की। एक घंटे 49 मिनट तक चले मुकाबले 38 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मन क्वालीफायर जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-3, 6-3, 6-2 से हराकर अपने करियर के 14वें यूएस ओपन क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जोकोविक का अगला मुकाबला अमेरिकी नंबर 4 सीड टेलर फ्रिट्ज से होगा, जिन्होंने इससे पहले चेक गणराज्य के टॉमस मचाक को सीधे सेटों में हराया था।

मैच के बाद साक्षात्कार में जोकोविक ने कहा अगर आप अच्छी सर्विस करते हैं तो यह निश्चित रूप से मददगार होता है। मुझे लगता है कि पिछले राउंड में और आज भी मेरी सर्विस बहुत अच्छी रही। शायद मुझे उतनी मेहनत करने की जरूरत नहीं है। अपने करियर के ज्यादातर समय मैं बेसलाइन से दौड़ता, फिसलता और घिसटता रहा हूं। इस जीत के साथ जोकोविक ने रोजर फेडरर और आंद्रे अगासी को भी पीछे छोड़ दिया। ओपन एरा रिकॉर्ड बुक में अब वह केवल कॉनर्स से पीछे हैं, जो 17 क्वार्टर फाइनल तक पहुंच चुके हैं। एक अन्य मुकाबले में स्पेन के सनसनीखेज खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने दर्शकों को एक बार फिर चकित कर करते हुए फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच को सीधे सेटों में हराकर 2025 यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

दूसरे नंबर के खिलाड़ी ने अल्काराज ने रिंडरकनेच पर 7-6(3), 6-3, 6-4 से जीत हासिल की और ओपन युग में 13 ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। अल्काराज ने 19 साल की उम्र में यूएस ओपन जीतकर सबसे कम उम्र के विश्व नंबर वन खिलाड़ी बनकर 2022 में न्यूयॉर्क में इतिहास रचा था, अब अंतिम आठ में चेक गणराज्य के 20वें वरीय लेहेका से मुकाबला करेंगे। लेहेका ने फ्रांस के एड्रियन को 7-6, 6-4, 2-6, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है।

सोराना क्रिस्टी की ट्रॉफी होटल से चोरी

न्यूयॉर्क : टेनिस खिलाड़ी सोराना क्रिस्टी ने कहा है कि हाल ही में एक महिला टूर्नामेंट में जीती हुई उनकी ट्रॉफी अमेरिकी ओपन के दौरान न्यूयॉर्क में होटल के कमरे से चोरी हो गई है। सोराना एकल वर्ग से हारकर बाहर हो चुकी हैं।

उन्होंने शनिवार की रात इंस्टाग्राम पर लिखा जिसने भी द फिफ्टी सोनेस्टा होटल के कमरा नंबर 314 से मेरी क्लीवलैंड ट्रॉफी चुराई है, कृपया उसे वापिस लौटा दो। इसकी वैसे कोई कीमत नहीं है लेकिन भावनात्मक कीमत है। रोमानिया की 35 वर्ष की क्रिस्टी ने इस महीने क्लीवलैंड में अपने कैरियर का तीसरा एकल खिताब जीता था।

माया राजेश्वरन दूसरे दौर में

न्यूयॉर्क : भारत की युवा टेनिस खिलाड़ी माया राजेश्वरन रेवती ने चीन की झांग कियान वेइ को अमेरिकी ओपन जूनियर लड़कियों के एकल वर्ग में हराकर दूसरे दौर में जगह बना ली, लेकिन हितेश चौहान सीधे सेटों में हारकर बाहर हो गए। कोयंबटूर की रहने वाली 16 वर्ष की माया ने 7-6, 6-3 से जीत दर्ज की। माया स्पेन के मालोरका में रफेल नडाल अकादमी की छात्रा हैं। अब वह ब्रिटेन की हन्नाह क्लगमैन से खेलेंगी, जिन्होंने एस्पेन शूमैन को 6-0, 6-2 से हराया।

लॉन बॉल खिलाड़ी मनु पाल का विश्वकप के लिए चयन

संवाददाता, छिबरामऊ (कन्नौज)

अमृत विचार। आगामी विश्वकप व हांगकांग क्लासिक की प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए लॉन बॉल खिलाड़ियों का तीन दिवसीय ट्रायल में चयन हुआ है। इसमें कन्नौज की मनु पाल भी शामिल हैं।

न्यू सराफान मोहल्ले के रहने वाले रामनरायन पाल की बेटी मनु कई सालों से लॉन बॉल के विदेशों में होने वाले आयोजन का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। आगामी विश्वकप व हांगकांग क्लासिक प्रतियोगिता के लिए महिला व पुरुष खिलाड़ियों का तीन दिवसीय ट्रायल आर के पुरम दिल्ली में 28 अगस्त से 31 अगस्त में आयोजित हुआ। महिला वर्ग में मनु पाल के चयनित होने की खबर मिलते ही जिले के खेल प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गई। फोन पर मनु ने बताया कि महिला व पुरूष वर्ग से 4-4 खिलाडियों को चयनित किया गया। नवंबर में होने वाली हांगकांग व मलेशिया की प्रतियोगिता में देश की ओर से प्रतिभाग करेंगी।

साथी खिलाड़ियों के साथ कन्नौज की मनु पाल (मध्य में)। एजेंसी

अगली बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप भारत में

पेरिस, एजेंसी

- विश्व बैडमिंटन महासंघ ने की घोषणा
- नई दिल्ली में होगा प्रतियोगिता का आयोजन

बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप के अगस्त 2026 में होने वाले अगले आयोजन के लिए नई दिल्ली को मेजबान शहर के तौर पर चुना गया है। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने सोमवार को इसकी घोषणा की। यह दूसरी बार होगा जब भारत इस विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा।

इससे पहले 2009 में हैदराबाद ने इसकी मेजबानी की थी। यह घोषणा पेरिस में 2025 चैंपियनशिप के समापन समारोह के दौरान की गई। इस मैके पर बीडब्ल्यूएफ अध्यक्ष खुनयिंग पटामा लीस्वदत्रकुल, 'फेडरेशन फ्रैंकेसे डी बैडमिंटन' के प्रमुख फ्रैंक लॉरेंट और भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के महासचिव संजय मिश्रा के बीच एक हस्तांतरण हुआ। उन्होंने पेरिस की तरह उत्कृष्टता और भव्यता को आगे बढ़ाने का वादा किया बीएआई से जारी विज्ञप्ति में मिश्रा ने कहा हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि पेरिस ने जो उत्कृष्टता और भव्यता दिखाई है भारत उन मानकों को बनाए रखने और आगे बढ़ाने के लिए अपना शत प्रतिशत प्रयास करेगा। हम वैश्विक बैडमिंटन परिवार का दिल्ली में स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। दिल्ली की मेजबानी से टूर्नामेंट की आठ साल के बाद एशिया में वापसी होगी। चीन के नानजिंग ने 2018 सत्र की मेजबानी की थी।

भारत के लिए, दोबारा चैंपियनशिप की मेजबानी करना इस खेल की बड़ी ताकत और वैश्विक बैडमिंटन मानचित्र पर एक प्रमुख स्थल के रूप में मजबूत स्थिति को दर्शाता है।

मलेशिया और कोरिया पूल बी से सुपर चार में पहुंचे

हॉकी एशिया कप

राजगीर (बिहार), एजेंसी

मलेशिया और कोरिया ने सोमवार को यहां पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के पूल बी के अपने-अपने मैच आसानी से जीत कर सुपर चार चरण में अपनी जगह सुरक्षित की। मलेशिया ने चीनी ताइपे को 15-0 से करारी शिकस्त दी, जबकि कोरिया ने बांग्लादेश को 5-1 से हराया। मलेशिया तीन मैचों में जीत के साथ नौ अंक लेकर ग्रुप में शीर्ष पर रहा, जबकि कोरिया छह अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

बांग्लादेश तीन अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहा, जबकि चीनी ताइपे एक भी मैच नहीं जीत पाया। दिन के दूसरे मैच में मलेशिया की तरफ से अशरन हमसानी (आठवें, 15वें, 32वें, 54वें मिनट), अखीमुल्लाह अनुआर (10वें, 20वें, 29वें, 45वें, 56वें), नोर्सयाफिक सुमांत्री (20वें, 40वें, 60वें), अबू कमाल अजराई (22वें), एंडीवालफियन एफ्रिनस (24वें) और ऐमान रोजेमी (32वें) ने गोल किए।

दिन के पहले मैच में कोरिया की तरफ से डैन सोन (नौवें, 11वें) ने दो, जबकि सेउंगवू ली (16वें), सेयोंग ओह (22वें) और जिहुन यांग (60वें) ने एक-एक गोल किया। बांग्लादेश की तरफ से गोल सोहनुर सोबुज ने किया।

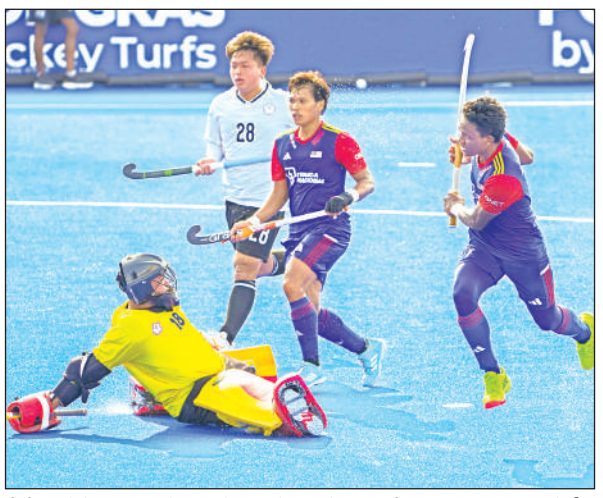

चीनी ताइपे के खिलाफ गोल करते हुए मलेशिया के खिलाड़ी। एजेंसी

अश्विन ने किया आईएलटी20 आयोजकों से संपर्क

नई दिल्ली : भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से विदा ले चुके दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने पुष्टि की है कि वह दो दिसंबर से चार जनवरी 2026 तक यूएई में होने वाले आईएलटी 20 के अगले सत्र की नीलामी का हिस्सा बनने के इच्छुक हैं। अगले कुछ दिनों में 39 वर्ष के होने जा रहे अश्विन ने हाल ही में आईपीएल से संन्यास लिया है जिसके बाद वह दूसरे देशों में टी20 लीग खेल सकते हैं।

भारत के लिए 287 मैचों में 765 विकेट ले चुके अश्विन के हवाले से क्रिकबज ने कहा मैं आयोजकों के संपर्क में हूं। उम्मीद है कि नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन कराने पर मुझे कोई खरीदार मिल जाएगा। नीलामी 30 सितंबर को दुबई में होगी और रजिस्ट्रेशन दस सितंबर तक पूरे हो जायेंगे। पहली बार आईएलटी20 में नीलामी हो रही है जबकि अब तक खिलाड़ी चुनने के लिये ड्राफ्ट व्यवस्था थी।

सफलता का राज | मानसिक अनुकूलन कोच पैडी अपटन ने बताया अपना मूल मंत्र

खेल और खिलाड़ियों को समझना महत्वपूर्ण

राजगीर (बिहार), एजेंसी

दुनिया के मशहूर मानसिक अनुकूलन कोच पैडी अपटन ने अपने शानदार करियर के दौरान विभिन्न खेलों में काम किया है, लेकिन खेल कोई भी हो उनका मूल मंत्र एक ही है, खेल और खिलाड़ियों की जरूरत को समझना।

अपटन भारत की 2011 क्रिकेट वन डे विश्व कप जीत के दौरान मुख्य कोच गैरी कर्स्टन के सहयोगी स्टाफ का हिस्सा थे और वह वर्तमान में यहां चल रहे एशिया कप में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के साथ जुड़े हुए हैं।

वह पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम तथा पिछले वर्ष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी और 2022 एशियाई खेलों की विजयी टीमों का भी हिस्सा थे। अपटन ने पीटीआई से कहा, टीमवर्क के सिद्धांत लगभग

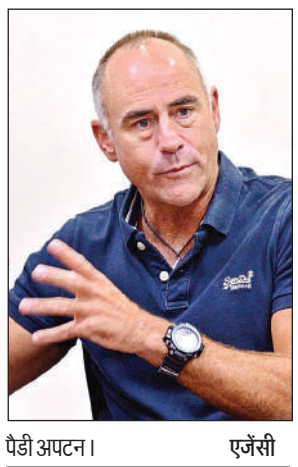

पैडी अपटन। एजेंसी

एक जैसे हैं। हॉकी में एक अलग प्रकार का टीमवर्क होता है, जिसमें कई खिलाड़ियों को जुड़ना पड़ता है। क्रिकेट में भी टीमवर्क होता है, लेकिन यह अधिक व्यक्तिगत होता है। इस 55 वर्षीय कोच ने कहा लेकिन ध्यान केंद्रित रखने के सिद्धांत, ध्यान भटकाने वाली चीजों का प्रबंधन करने के सिद्धांत जैसे स्कोरबोर्ड, प्रशंसक, विरोधी टीम, गलती करने का पछतावा, ये सब एक जैसे ही हैं। अपटन का करियर मुख्य रूप से क्रिकेट के इर्द-गिर्द घूमता रहा। उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी टीम और आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स सहित दुनिया भर की कई टी-20 फ्रेंचाइजी के साथ काम किया है। उन्होंने हालांकि रग्बी और हाल ही में हॉकी जैसे अन्य खेलों में भी काम किया है।

दक्षिण अफ्रीका के रहने वाले अपटन ने कहा मुझे हॉकी के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। मैं भारत का रहने वाला नहीं हूं और अब भी मैं यहां एक मेहमान हूं, इसलिए मेरा दृष्टिकोण वास्तव में सुनने, माहौल को समझने, खेल को समझने और प्रत्येक व्यक्ति को समझने पर ध्यान देने का है। जब मैं चीजों को समझ जाऊंगा तभी किसी तरह की मदद कर सकता हूं।

खिलाड़ियों के साथ व्यक्तिगत रूप से भी करते हैं संपर्क

- भारतीय हॉकी टीम के साथ काम करने के तरीके के बारे में पूछे जाने पर अपटन ने कहा यह खिलाड़ियों से व्यक्तिगत और टीम सत्र दोनों तरह से होता है। हम टीम के साथ कार्यशालाएं आयोजित करते हैं और खिलाड़ियों के साथ व्यक्तिगत रूप से भी संपर्क करते हैं। यह आखिरकार कोच और कप्तान पर निर्भर करता है कि वे क्या चाहते हैं। अपटन ने कहा कि भारतीय हॉकी टीम का ध्यान फिलहाल अगले साल होने वाले विश्व कप, एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक पर है। उन्होंने कहा भारतीय टीम के साथ मेरा पिछला अनुभव ओलंपिक से पहले का है।